राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

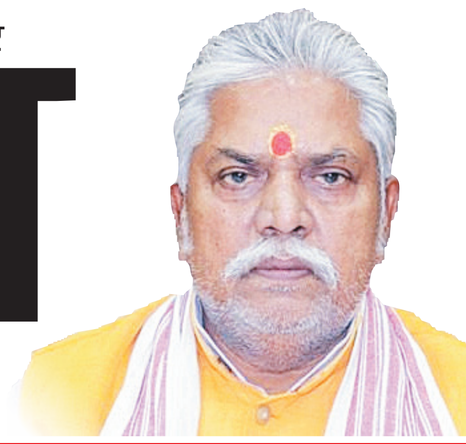

03 खानापूर्ति नहीं, परिणाम...

डॉ प्रेम कुमार ने बिहार विधानसभा... 02

वर्ष : 14 | अंक : 55 | पटना, गुरुवार, 04 जून, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

राज्य में 11 मेगा पार्क एवं सभी 38 जिलों में फूड पार्क बनेगा

- मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की, दिए निर्देश

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोक सेवक आवास स्थितसंकल्प सभागार में उद्योग विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।समीक्षा बैठक में उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने, निवेश आकर्षित करने तथा रोजगार सृजन के अवसरों को बढ़ाने के लिए चलायी जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति तथा भावी कार्य योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक विकास से बिहार समृद्धि के रास्ते पर बढ़ेगा, इसके माध्यम से ही बिहार की तस्वीर बदली जा सकती है। हमारा लक्ष्य है कि उद्योग, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में बिहार नयी ऊँचाइयों को प्राप्त करे। उन्होंने कहा कि राज्य में 11 मेगा पार्क एवं सभी 38 जिलों में फूड पार्क बनायें। औद्योगिक विकास के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करें, 50 हजार एकड़ का लैंड बैंक बनायें। बिहार को निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में विकसित करें। राज्य में संसाधन की कमी नहीं है। निवेशकों को उद्योग स्थापित करने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बिहार के उद्योगपतियों, औद्योगिक संगठनों, उद्यमियों से विचार-विमर्श करें, उनके सुझावों पर अमल करें तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए प्रक्रियाओं को और अधिक सरल एवं पारदर्शी बनायें। उद्योगों से संबंधित सभी अनुमतियां एवं सुविधाएं समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराई जाये ताकि निवेशकों का विश्वास मजबूत हो। ग्राम स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा दें। स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यम स्थापना के लिए प्रोत्साहित करें। फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, फार्मा तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्रों में काफी संभावनायें हैं, इसको ध्यान में रखते हुये इस पर तेजी से कार्य करें। बिहार में टेक्सटाइल इंडस्ट्रियल सेंटर की स्थापना की दिशा में कार्य करें। स्टार्टअप इको सिस्टम को मजबूत कर युवाओं के लिये नये अवसर सृजित किये जाएं। उद्योगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर उद्योगों के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को तेज करें। सभी जिलों के जिलाधिकारी भूमि अधिग्रहण के लिये लोगों से बात करें और उनकी भूमि का उचित मूल्य देकर उन्हें सहमत करायें। उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक इकाइयों को निर्धारित प्रोत्साहन (इंसेंटिव) समय पर उपलब्ध करायें। इस अवसर पर उद्योग मंत्री सुश्री सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचित दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार उद्योग विभाग के विशेष सचिव अरविंद कुमार वर्मा, निदेशक, एमएसएमई अमन समीर, निदेशक, हथकरघा एवं रेशम उत्पादन विद्यानंद सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने खगड़िया-पूर्णिया राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन बनाये जाने के लिये राशि की मंजूरी दिये जाने पर प्रधानमंत्री का जताया आभार

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग-31 और राष्ट्रीय राजमार्ग-231 के खगड़िया-पूर्णिया खंड को चार लेन में उन्नत करने की परियोजना को मंजूरी दे दी है। 143.529 किलोमीटर लंबी इस परियोजना पर 3,936.05 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसे बिल्ड ऑपरेट ट्रांसफर मॉडल पर विकसित किया जाएगा। इसके लिये मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताते हुये कहा कि बिहार के विकास को नई रफ्तार देने वाला यह ऐतिहासिक निर्णय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की प्रगति के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मार्गदर्शन और सहयोग लगातार मिल रहा है। राज्य में केन्द्र सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाओं को पूर्ण किया गया है, जिसका लाभ बिहारवासियों को मिल रहा है। कई योजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। खगड़िया-पूर्णिया खंड को चार लेन में उन्नत करने की परियोजना से सीमांचल एवं कोसी क्षेत्र की कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी। राज्य में सड़क अवसंरचना को मजबूत करने, क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति देने और राज्य के विभिन्न हिस्सों को बेहतर संपर्क उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। सड़क उन्नयन के बाद आवागमन सुगम होगा और समय की बचत होगी। साथ ही क्षेत्रीय संपर्क और सामाजिक-आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना से माल और यात्रियों की आवाजाही तेज होगी, जिससे व्यापार, कृषि, उद्योग और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मौसम

अधिकतम तापमान 31.0°C

न्यूनतम तापमान 22.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	55%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,59,020
चांदी	2,99,600
सेंसेक्स	74,346
निफ्टी	23,405

संक्षिप्त खबरें

टिहरी कार हादसा: गंगा में गिरी श्रद्धालुओं की कार, 4 की मौत

देवप्रयाग। उत्तराखंड के देवप्रयाग में 2 जून की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें राजस्थान से चारधाम यात्रा पर आए श्रद्धालुओं की इनोवा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई और फिर गंगा नदी में जा गिरी। हादसा इतना भयावह था कि कार सुरक्षा पैराफिट तोड़ते हुए सीधे नदी में समा गई। इस वाहन में कुल 8 लोग सवार थे, जिनमें से एक बच्चे को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की विभिन्न टीमों ने तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद टीमों ने नदी से अब तक 4 शव बरामद कर लिए हैं, जिन्हें पुलिस को सौंप दिया गया है। लापता 3 यात्रियों की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीमें राफ्ट और आधुनिक उपकरणों की मदद से नदी के संभावित क्षेत्रों में गहन सर्च अभियान चला रही हैं। इस दुखद घटना पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से दूरभाष पर चर्चा की।

सीएम सम्राट की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक, 13 मसौदे को मिली मंजूरी

अब सालाना 4 लाख आमदनी वालों को भी मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता योजना का मिलेगा लाभ

प्रात : किरण

पटना। सरकार ने राज्य के निवासियों खासकर गरीब वर्ग के लोगों के लिए ईलाज की सुविधा बढ़ा दी है। अब सालाना 4 लाख रुपये की आमदनी वाले लोगों को भी मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता योजना का लाभ ले सकते हैं। पहले यह वार्षिक आय सीमा 2 लाख 50 हजार रुपये ही थी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में इस आय सीमा को बढ़ाते हुए 4 लाख रुपये करने का निर्णय लिया गया। इसके दायरे में बड़ी संख्या में राज्य के लोग आ जाएंगे। इस योजना के तहत ईलाज के लिए सामान्य स्थिति में अधिकतम 5 लाख रुपये सहायता देने का प्रावधान है। कैबिनेट की बैठक में 13 एजेंडों पर मुहर लगी। इसमें लिए गए निर्णयों की विस्तृत जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने सूचना भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। भोजपुर जिला में बाणासुर मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क की स्थापना के लिए राशि मंजूरः उन्होंने कहा कि डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के तहत भोजपुर जिला में बाणासुर मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क की स्थापना करने के लिए राशि जारी की गई। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के गैर लाभुक अवयव के तहत इस पार्क की स्थापना की गई है। इसमें केंद्रांश और राज्यांश मिलाकर 31 करोड़ 20 लाख 92 हजार रुपये दिए गए हैं। इससे राज्य के मात्स्यिकी एवं जल कृषि की संपूर्ण वैल्यू चेन एवं आधारभूत संरचनाओं के साथ-साथ मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक बढ़ोतरी, मत्स्य प्रसंस्करण, व्यापार, वैज्ञानिक मत्स्य पालन तकनीक की प्रशिक्षण तथा मनोरंजन गतिविधियों का समेकित रूप से समग्र विकास होगा। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि बिहार स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत नॉर्थ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड और साउथ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत द्विस्तरीय उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम का गठन करने पर सहमति मिली। इसके लिए मुख्य अभियंता के दो पद और विद्युत अधीक्षण अभियंता के दो पद के सृजन की स्वीकृति मिली। इसके अलावा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की अवधि का विस्तार इस वर्ष 30 सितंबर तक कर दी गई है। योजना के कार्यान्वयन के लिए अनुमानित व्यय की राशि 164 करोड़ 51 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने कहा कि दरभंगा जिला में बन रहे एम्स के लिए चयनित भूखंड में निकटवर्ती नदियों की उड़ाही से प्राप्त मिट्टी या गाद का उपयोग कर मिट्टी भराई एवं समतलीकरण कार्य करने के लिए जल संसाधन विभाग को अधिकृत किया गया है। इसके लिए 184 करोड़ 65 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इससे पहले 309 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी जा चुकी है। इस कार्य में खिरोई, बागमती समेत अन्य स्थानीय नदियों की उड़ाही कर गाद का उपयोग किया जाएगा। वहीं, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत बिहार स्वास्थ्य सेवा (सामान्य एवं विशेषज्ञ)/दंत चिकित्सक सेवा संवर्ग के चिकित्सकों को उच्च शिक्षा एवं विभिन्न प्रयोजन के एनओसी लेने के लिए कुछ शर्तों का पालन करना अनिवार्य होगा। इसमें संबंधित चिकित्सक की सेवा संपुष्ट हो, 3 वर्ष की सेवा विभाग में पूर्ण कर ली हो, एक बार किसी कार्य के लिए अनुमति प्राप्त करने के बाद दूसरी बार अनुमति लेने में 5 वर्ष का अंतर होना अनिवार्य होना चाहिए। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि युवा, रोजगार एवं कौशल विभाग के अंतर्गत सात निश्चय पार्ट-3 (2025-30) के अंतर्गत दोगुना रोजगार-दोगुनी आय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रोजगार सृजन के लिए बिहार कौशल विकास मिशन के संगठनात्मक आवश्यकताओं, उत्पादकता, कार्यक्रमों के त्वरित क्रियान्वयन एवं प्रभारी प्रबंधन के लिए 19 नए पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। नए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना योजना के तहत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना कर वित्तीय वर्ष 2026-27 से 5 व्यवसायों में प्रशिक्षण शुरू करने, स्थापना के लिए कुल 38 पदों का सृजन तथा 2 करोड़ 11 लाख रुपये का व्यय करने की स्वीकृत दी गई। साथ ही नबीनगर स्थित भारतीय रेल बिजली कंपनी लिमिटेड के स्तर से निर्मित परिसर एवं सुविधाएं एकरारनामा के अनुरूप राज्य सरकार को मुफ्त हस्तांतरित करने की भी स्वीकृति दी गई है। कैमूर जिला के मोहनियां अंतर के दादर मौजा में 7 एकड़ भूमि पर डेयरी एवं दुग्ध उत्पादन संयंत्र के निर्माण के लिए डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग को मुफ्त जमीन हस्तांतरण की स्वीकृति दी गई है।

दिल्ली: मालवीय नगर अग्निकांड में 21 लोगों की मौत, पीएम ने जताया शोक

प्रात : किरण

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में बुधवार सुबह लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई है। दिल्ली पुलिस ने इस बड़ी दुर्घटना में हुई मौतों की पुष्टि की है। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कई लोगों को अपनी जान बचाने के लिए इमारत से बाहर निकलने के लिए जोखिम उठाना पड़ा। मुख्यमंत्री और राज्यापाल ने इस भयावह हादसे पर शोक जताया है। साथ ही उन्होंने राहत और बचाव कार्य को त्वरित गति से करने के निर्देश दिए हैं।

सुबह लगी आग, तुरंत सक्रिय हुई राहत एजेंसियांःअधिकारियों के अनुसार, आग बुधवार सुबह करीब 9 बजे लगी. जिस बिल्डिंग में आग लगी है, उसके ग्राउंड फ्लोर पर रेस्टोरेंट चलता है, जबकि ऊपरी फ्लोर पर होटल फ्लोरेस स्टे है। सबसे पहले रेस्टोरेंट में ही आग लगी और धीरे-धीरे यह ऊपर फैलती चली गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यहां पर रेस्टोरेंट की ही परमिशन दी गई थी, लेकिन अवैध रूप से होटल भी चलाया जा रहा था। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, शुरूआत में अधिकारियों ने बताया था कि दिल्ली के दक्षिणी इलाके मालवीय नगर में आग सुबह करीब 8:45 बजे लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट में लगी थी। हालांकि बाद में पुलिस ने स्पष्ट किया कि आग मालवीय नगर के हौज रानी क्षेत्र में स्थित फ्लोरिश स्टे बीएंडबी में लगी थी। बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) होटल में भीषण आग लगने बाद बचाव अभियान चलाकर 40 से अधिक लोगों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से 21 लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में कई विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। इनमें अधिकांश मिडिल ईस्ट और अफ्रीकी देशों के बताए जा रहे हैं। घटना के कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसके चलते मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है और डिटेल जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

पीएम ने जताया शोक : दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में आग लगने की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा कि आग लगने की घटना में लोगों की मौत दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं। अधिकारी प्रभावित लोगों को हर संभव मदद दे रहे हैं। पीएमओ के आधिकारिक एक्स हैंडल से किए गए पोस्ट में यह कहा गया है कि प्रधानमंत्री राहत कोष से सभी मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए मुआवजा दिया जाएगा और घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे. बुधवार सुबह 8:48 बजे के करीब मालवीय नगर इलाके के एक रेस्टोरेंट में आग लगी, जिसमें अबतक 21 लोगों की मौत हो चुकी है।

विक्रमशिला सेतु पर 7 जून से बहाल होगा यातायात

- सेतु पर फिलहाल हल्के वाहनों के आवागमन की होगी अनुमति, दोनों तरफ बनेगा चेकपोस्ट

प्रात : किरण

पटना। उत्तर और दक्षिण बिहार के लाखों लोगों के लिए लाइफलाइन माने जाने वाला विक्रमशीला सेतु पर अधिकतम 7 जून तक यातायात सुविधा बहाली कर दी जाएगी। क्षतिग्रस्त सेतु पर चौथे बेली ब्रिज के लांचिंग का कार्य बुधवार को शुरू कर दिया गया, जो गुरुवार तक यानी 4 जून तक पूरा कर लिया जाएगा। पथ निर्माण विभाग और बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अधिकारियों का कहना है कि आवागमन शुरू करने से पहले सेतु पर सुरक्षा मानकों के अनुसार तकनीकी परीक्षण होगा। पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल ने बताया कि विक्रमशीला सेतु पर चौथे बेली ब्रिज के लांचिंग के तुरंत बाद अप्रोच रैंप का निर्माण होगा जो अधिकतम दो दिन में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सेतु पर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वाहनों का वन-वे संचालन किया जाएगा। सेतु पर फिलहाल हल्के वाहनों में बाइक, ऑटो, एंबुलेंस और दूसरे हल्के चारपहिया वाहनों के गुजरने की अनुमति होगी। भारी वाहनों में बस और ट्रकों के आवागमन पर रोक रहेगी। इसके लिए दोनों तरफ चेक पोस्ट बनेगा। सचिव ने बताया कि क्षतिग्रस्त विक्रमशीला सेतु के लिए तकनीकी ऑडिट टीम के सुझाव पर अतिरिक्त सुरक्षा एवं मजबूती सुनिश्चित किया जा रहा है।

श्रावणी मेला : 13 जिलों को 2.25 करोड़ की राशि आवंटित

प्रात : किरण

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा है कि श्रावणी मेला बिहार की आस्था, संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। राज्य सरकार श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा मेले के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से विभिन्न जिलों में आयोजित होने वाले श्रावणी मेलों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। डॉ. जायसवाल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 13 जिलों में आयोजित होने वाले श्रावणी मेलों के लिए कुल 2.25 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि यह राशि मेला क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए खर्च की जाएगी, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि बेगूसराय जिले के बाबा हरिगिरि धाम, गढ़पुरा, सिमरिया घाट, झमटिया घाट (बछवारा) तथा छर्रा पट्टी घाट (साहेबपुर कमाल) में आयोजित होने वाले श्रावणी मेला के लिए 30 लाख रुपये तथा मुजफ्फरपुर स्थित बाबा गरीबनाथ एवं बाबा दूधनाथ मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले मेले के लिए 50 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

मधुबनी: तालाब में स्नान करने गए एक ही परिवार के पांच बच्चों की मौत

प्रात : किरण

मधुबनी। बिहार के मधुबनी जिले के पतोना थाना क्षेत्र में बुधवार को एक तालाबनुमा बड़े गड्ढे में स्नान के दौरान गहरे पानी में डूब जाने से पांच बच्चों की मौत हो गई। सभी बच्चे एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। घटना के बाद से ही पूरे गांव में मातम पसर गया है। पुलिस के मुताबिक, पूरी घटना केरवार गांव की है, जहां गांव के कई बच्चे पास के ही खेत में जेसीबी से खुदा बड़े गड्ढे में जमा पानी में स्नान करने गए थे। ये बच्चे स्नान करने में मशगूल हो गए और आगे बढ़ते चले गए। इस दौरान उन्हें गहराई का अंदाजा नहीं लगा और गहरे पानी में एक-एक करके डूबते चले गए। इसके बाद घटना की सूचना मिलने के बाद ग्रामीण तुरंत पहुंच गए और राहत और बचाव का कार्य प्रारंभ कर दिया। इस घटना में पांच बच्चों की मौत हो गई। बताया गया कि सभी पांच शवों को बाहर निकाल लिया गया है। जानकारी के मुताबिक, सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। एक साथ पांच बच्चों की मौत की खबर फैलते ही पूरे केरवार गांव में मातम छा गया है। मृत बच्चों के माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे।

चार-चार लाख की सहायता राशि, डीएम ने दिए जांच के आदेश

दर्दनाक मौत पर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतकों के परिजनों को आपदा प्रबंधन विभाग के प्रावधानों के तहत चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि उपलब्ध करा दी। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और कहा कि इस कठिन समय में जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ा है। जिलाधिकारी ने घटना की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बेनीपट्टी को मामले की जांच का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सौगात: परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने सूचना भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जानकारी

महिलाओं की सुरक्षा व सुविधा: राज्य में चलेगी 50 नई पिंक बसें

- इच्छुक महिलाओं को दिया जाएगा एलएमवी और एचएमवी चलाने का प्रशिक्षण
- देश में पहली बार बिहार के सभी जिलों में लगेगा आईटीएमएस

प्रात : किरण

पटना। राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को मजबूत करते हुए परिवहन विभाग 50 नई पिंक बसें चलाने जा रहा है। इन बसों को चलाने के लिए इच्छुक महिलाओं को लाइट मोटर व्हीकल और हेवी मोटर व्हीकल का प्रशिक्षण दिया जाएगा और ट्रेनिंग के बाद उन्हें रोजगार भी उपलब्ध कराया जाएगा। यह जानकारी परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने बुधवार को सूचना भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने कहा कि बिहार देश का पहला राज्य होगा, जहां सभी जिलों में इंटेलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया जाएगा। इसके तहत गांवों से लेकर शहरों तक 500 चिन्हित स्थानों पर ओवरलोडिंग, रेड लाइट जंपिंग, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट और मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने जैसे उल्लंघनों पर स्वचालित ई-चालान जारी किए जाएंगे।

ई-चालान भुगतान को आसान बनाएगी बीबीपीएसः मंत्री ने बताया कि आम नागरिकों को ई-चालान का भुगतान आसानी से करने के लिए भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) सेवा शुरू की जा रही है। इसके जरिए वाहन मालिक यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, डेबिट या क्रेडिट कार्ड, क्यूआर कोड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान कर सकेंगे। इससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने या नकद भुगतान की परेशानी से मुक्ति मिलेगी।

बसों की लाइव लोकेशन बताएगा ऐपः बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) की बसों की लाइव लोकेशन जानने के लिए जल्द ही ह्वेयर इज माय बसह्न सॉफ्टवेयर लॉच किया जाएगा। साथ ही सभी बसों में फेशियल रिकग्निशन सिस्टम लगाया जाएगा, जिससे यात्रियों का ऑटोमैटिक टिकट कट जाएगा और निगम को यात्रियों व किराए की सटीक जानकारी मिल सकेगी।

इस महीने चालू होगी 200 ई-बसें: पीएम ई-बस सेवा के तहत इस माह पटना, मुजफ्फरपुर, गया, भागलपुर, दरभंगा और पूर्णिया में 200 आधुनिक इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जाएंगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इनका उद्घाटन करेंगे। फेज-क्कमें और 400 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना है। साथ ही विभाग की ओर से पीपीपी मोड में 31 आधुनिक बस पड़ाव भी बनाए जाएंगे। इनमें पटना, मुजफ्फरपुर, गया, भागलपुर, पूर्णिया, दरभंगा समेत 31 शहरों को शामिल किया गया है। इन बस स्टॉपों में आधुनिक प्रतीक्षालय, डिजिटल सूचना बोर्ड, शौचालय, स्वच्छ पेयजल, पार्किंग, कैफेटेरिया जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

एक जुलाई से पटना के डिग्री कॉलेज रहित 7 प्रखंडों में उत्सवी, उत्साह एवं भव्य माहौल में डिग्री की पढ़ाई शुरू होगी, जिलाधिकारी ने की तैयारियों की समीक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राज्य सरकार के आदेश के आलोक में पटना जिला में 1 जुलाई से डिग्री कॉलेज रहित 7 प्रखंडों- अथमलगोला, बेलछी, दनियावां, घोसवरी खुसरूपुर, मनेर तथा संपतचक-में उत्सवी माहौल में डिग्री की पढ़ाई शुरू होगी। जिलाधिकारी, पटना द्वारा आज सभी संबंधित 4 अनुमंडलों के अनुमंडल पदाधिकारियों, नव-नियुक्त प्राचार्यों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, भवन, विद्युत, पीएचईडी, एलएईओ सहित विभिन्न तकनीकी विभागों के कार्यपालक अभियंताओं, सभी 7 प्रखंड विकास पदाधिकारियों, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों एवं अन्य के साथ इसकी तैयारियों की वृहत समीक्षा की गई तथा पदाधिकारियों को सरकार के दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए आपस में समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकता के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुदृढ़ व्यवस्था करने का निदेश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार के सात निश्चय-3 कार्यक्रम के चौथे निश्चय उन्नत शिक्षा-उज्जवल भविष्य के तहत उच्च शिक्षा के लिए छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सतत प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में 1 जुलाई से राज्य के डिग्री कॉलेज रहित 211 प्रखंडों में डिग्री की पढ़ाई शुरू की जा रही है। इसमें पटना जिला के उपर्युक्त 7 प्रखंड भी शामिल है। आज इसकी तैयारियों की समीक्षा की गई है। पूरे भव्य, उत्साह एवं उत्सवी माहौल में 1 जुलाई से पढ़ाई शुरू की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान में इन डिग्री कॉलेजों के संचालन हेतु अस्थायी तौर पर भवनों का चयन किया गया है। इन भवनों में सभी आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी। इसके लिए आज संबंधित स्टेकहोल्डर्स के साथ विस्तार से समीक्षा की गई है।पटना सदर, दानापुर, बाढ़ एवं पटना सिटी के अनुमंडल पदाधिकारियों को संबंधित प्राचार्यों एवं शिक्षा विभाग के जिला में पदस्थापित पदाधिकारियों के साथ भवनों का स्वयं निरीक्षण करने का निदेश दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि इन डिग्री कॉलेजों के सुचारू रूप से संचालन हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पदाधिकारियों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकता के अनुरूप फर्नीचर/उपस्कर, कम्प्यूटर, वाईफाई, अस्थायी संचालन हेतु चयनित भवनों की मरम्मति, रंग-रोगन, शुद्ध पेयजल, वाटर कूलर, आरओ, महिला एवं पुरूष के लिए अलग शौचालय, बिजली, प्रकाश, पंखा, कूलर, एसी, स्टेशनरी आइटम्स, कॉलेज आने के रास्ते को सुगम रखना, परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई सहित अन्य सभी प्रबंध वित्तीय नियमों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए करने का निदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। पदाधिकारीगण इसे सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि इन डिग्री कॉलेज के स्थायी भवनों हेतु जिला प्रशासन द्वारा समयबद्ध ढंग से काम किया जा रहा है। सरकार के निदेश के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में न्यूनतम 5 एकड़ तथा नगर क्षेत्रों में न्यूनतम 2.5 एकड़ जमीन खोजने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। अपर समाहर्ता को संबंधित अंचल अधिकारियों के माध्यम से दिनांक 30 जून, 2026 तक उपयुक्त भूमि चिन्हित कर उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया है ताकि स्थायी भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाए। अनुमंडल पदाधिकारियों को पर्यवेक्षण करने एवं उप विकास आयुक्त, पटना को नियमित समीक्षा करने का निदेश दिया गया है।

जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सम्पूर्ण प्रशासनिक तंत्र सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध है।

पटना में एएचए प्रमाणित इमरजेंसी केयर ट्रेनिंग सेंटर की शुरूआत

- एएचए सेंटर केवल इमरजेंसी केयर को मजबूत करने तक सीमित नहीं बल्कि स्वास्थ्य क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगी : जितेंद्र शर्मा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना । पूर्वी भारत के लिए बिहार को एक हेल्थकेयर हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत की अग्रणी इमरजेंसी और हेल्थकेयर सेवा प्रदाता कंपनी जेनप्लस ने पटना के एजी कॉलोनी में बिहार के पहले अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) इंटरनेशनल ट्रेनिंग सेंटर की शुरूआत की है। यह पहल आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, प्री-हॉस्पिटल केयर में सुधार लाने और क्षेत्र में कुशल स्वास्थ्यकर्मियों की नई पीढ़ी तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

अब बिहार तथा पड़ोसी राज्यों के डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिक्स, मेडिकल छात्र और इमरजेंसी रिस्पॉन्डर्स को एडवांस इमरजेंसी केयर ट्रेनिंग के लिए बड़े महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर बल दिया है।

किदवईपुरी स्थित होटल रेड वेलवेट में आयोजित लॉन्चिंग कार्यक्रम में जेनप्लस के सीईओ जितेंद्र शर्मा, दीपक श्रीवास्तव, स्वेता मंगल, डॉ. एन अरोलकर, एवं बिहार के प्रसिद्द चिकित्सक डॉ. दिवेन्दु भूषण व डॉ. बी बी भारती मौजूद रहे। जेनप्लस के सीईओ जितेंद्र शर्मा ने कहा कि कई वर्षों से बिहार और पूर्वी भारत के स्वास्थ्यकर्मियों को एडवांस इमरजेंसी केयर सर्टिफिकेशन के लिए बड़े शहरों की यात्रा करनी पड़ती थी।

आज यह स्थिति बदल रही है। इस एएचए प्रमाणित ट्रेनिंग सेंटर के माध्यम से हम वैश्विक स्तर की शिक्षा और मानकों को पटना तक ला रहे हैं। हमारा उद्देश्य केवल लाइफसेवर्स को प्रशिक्षित करना नहीं, बल्कि रोजगार के अवसर पैदा करना और बिहार को पूर्वी भारत के हेल्थकेयर हब के रूप में विकसित करने में योगदान देना भी है।

संक्षिप्त खबरें

मंत्री नीतीश मिश्रा व मंत्री सह विधायक रामकृपाल यादव उद्घाटन करेंगे

दानापुर। नगर के अंतर्गत नगर परिषद के विकास की दिशा में किए गए कार्य एवं नए कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर नगर परिषद तैयारी में जुटा है। गुरुवार को गोलारोड के पंचशील नगर में आयोजित कार्यक्रम में नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा एवं सहकारिता मंत्री सह विधायक रामकृपाल यादव करेंगे। जिसमें करीब बारह करोड़ की राशि से पुरा हुए कार्यो का उद्घाटन एवं करीब 23 करोड़ की योजना का शिलान्यास किया जाएगा। जिसमें राज्य योजना के पांच एवं नगर निधि के 46 योजनाओं का उद्घाटन एवं नगर निधि 100 योजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा।

खेदलपुरा गांव में सांप के डसने से एक युवती की मौत

दानापुर। शाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सरारी खेदलपुरा गांव में सर्पदंश की दर्दनाक घटना में 13 वर्षीय आरती कुमारी की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

परिजनों के अनुसार आरती घर में झाड़ू लगा रही थी, तभी अचानक एक सांप ने उसे डस लिया। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

बताया जाता है कि सोमवार को आरती के चाचा मुन्ना महतो 46 की भी सर्पदंश से मौत हुई थी। परिजन उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। इसी दौरान घर पर मौजूद आरती को भी सांप ने काट लिया। परिवार का दावा है कि दोनों घटनाओं में एक ही सांप शामिल है। सूचना पर पहुंची शाहपुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लगातार हुई दो मौतों से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

एक अज्ञात युवक का शव किया गया बरामद

दानापुर खगौल। रेल पुलिस ने दानापुर के यार्ड के पश्चिमी छोड़ पर एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया। मृतक काला रंग का फूल पैंट एवं क्रीम कलर का हाफ टीशर्ट पहना है। प्रथम दृष्टया किसी ट्रेन की चपेट में आने से मौत प्रतीत होता है। मृतका की उम्र करीब पच्चीस वर्ष के आसपास बताई जा रही है। रेल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा सुरक्षित रखा है। थानाध्यक्ष ने बताया दानापुर यार्ड के पश्चिमी छोड़ पर अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया है, जिसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पहचान के लिए सुरक्षित रखा गया है।

फरक्का एक्सप्रेस से कछुआ तस्कर एक दंपती गिरफ्तार

दानापुर खगौल। रेल पुलिस ने विशेष चेकिंग के दौरान ट्रेन संख्या 15744 फरक्का एक्सप्रेस से कछु-आ तस्कर एक दंपती को गिरफ्तार किया। उसके पास से 19 कछुआ बरामद किया। इस संबंध में का-र्रवाई करते हुए कछुआ एवं उसके तस्कर को वन विभाग के हवाले कर दिया गया। बताया जाता है कि रेल पुलिस सुरक्षा के दृष्टिकोण से विशेष अभियान चला रही थी। प्राअनि गौतम कुमार साथ विशेष छापेमारी टीम प्लेटफार्म संख्या एक पर आई गाड़ी संख्या-15744 फरक्का एक्सप्रेस में गस्त के दौरान कोच नं० एस/2 के शौचालय के पास से संदिग्ध अवस्था में एक दंपत्ति को देखा। छानबीन और पूछताछ के बाद उसके पास से 19 कछुआ बरामद किया गया। पकड़े गए दंपती की पहचान उत्तर प्रदेश हनुमानगढ़ थाना के पगड़ी निवासी बबलु एवं वितिया के रूप में की गई।

ट्रामा सेंटर के सुदृढ़ीकरण के लिए विभाग प्रतिबद्ध: प्रशासी पदाधिकारी

- सड़क सुरक्षा और आकस्मिक सेवाओं पर स्वास्थ्यकर्मियों का हुआ उन्मुखीकरण
- राज्य स्वास्थ्य समिति एवं बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में कार्यशाला का हुआ आयोजन
- बापू टावर सभागार में आयोजित किया गया कार्यक्रम

प्रातः किरण संवाददाता

पटना- राज्य में सड़क सुरक्षा और आकस्मिक सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर पटना स्थित बापू टावर सभागार में राज्य स्वास्थ्य समिति एवं बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में प्रशासी पदाधिकारी, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार, राजेश कुमार, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, हेल्थ सिस्टम सुदृढ़ीकरण और गुणवत्ता यकीन कार्यक्रम सह नोडल सड़क सुरक्षा, डॉ. अभिषेक कुमार सिन्हा, राज्य के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, यातायात, मोहम्मद अली अंसारी, डॉ. हिमांशु भूषण, पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट और भूतपूर्व सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, केंद्र सरकार, बिहार विद्यापीठ के निदेशक जन स्वास्थ्य, अजीत कुमार सिंह, राज्य के सभी क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक, जिला शहरी स्वास्थ्य सलाहकार, जिला सलाहकार, गुणवत्ता यकीन सहित सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद रहे.

सभी ट्रामा सेंटर का किया जाएगा गैप अस्सेस्मेंट :

कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रशासी पदाधिकारी, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार, राजेश कुमार ने कहा कि विभाग राज्य के सभी ट्रामा सेंटर के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि माननीय मंत्री, स्वास्थ्य का यह स्पष्ट निर्देश है कि सभी ट्रामा सेंटर की गुणवत्तापूर्ण संचालन सुनिश्चित किया जाए. उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को कहा कि अगले 15 दिनों के अंदर अपने क्षेत्र के सभी ट्रामा सेंटर का भ्रमण कर उशी रिपोर्ट राज्य को दें.

विद्याधन बिहार छात्रवृत्ति कार्यक्रम 2026 का आवेदन प्रक्रिया शुरू

पटना। कुमारी शिबुलाल एवं एस-डी शिबुलाल द्वारा स्थापित सरोजिनी दामोदरन फाउंडेशन अपने विद्याधन छात्रवृत्ति कार्यक्रम 2026 के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।यह छात्-रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर परि-वारों के उन छात्रों के लिए है जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 2 लाख से कम है। आवेदक ने वर्ष 2026 में बिहार राज्य से मैट्रिक (10वीं) पर-ीक्षा उत्तीर्ण की हो तथा 10वीं कक्षा में न्यूनतम 75% अंक या 7.5 प्राप्त किया हो। दिव्यांग छात्रों के लिए न्यूनतम पात्रता 65% अंक या 6.5 है।चयनित छात्रों को इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए 10,000 प्रति वर्ष तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए 15,000 प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। आगे की पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने पर उन्हें स्नातक (डिग्री) पाठ्यक्रमों के लिए 25,000 से 75,000 प्रति वर्ष तक की छात्रवृत्ति भी दी जाएगी। पात्र छात्र 7 जुलाई 2026 तक वेबसाइट पर लॉगिन करके अथवा ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया पर ईमेल करें या हेल्प डेस्क नंबर +91 8068333500 पर संपर्क करें।सरोजिनी दामोदरन फाउंडेशन (रऊ्र) झ विद्याधन छात्-रवृत्ति कार्यक्रम, जिसकी स्थापना श्रीमती कुमारी शिबुलाल (संरक्षक) एवं एस. डी. शिबुलाल (सह-संस्थापक, इन्फोसिस) द्वारा की गई है, वर्ष 1999 से अब तक देश के 26 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में 78,000 से अधिक छात्रवृत्तियाँ प्रदान कर चुका है।

01 से 31 मई, 2026 तक चेन पुलिंग करने वाले 1175 लोग तथा महिला डिब्बे में यात्रा करने वाले 3061 पुरुष यात्री लिए गए हिरासत में

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल द्वारा बिना पर्याप्त कारण अवैध रूप से चेन पुलिंग करके रेल गाड़ियों को जहां-तहां रोकने वालों के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जाती रही है । इसी क्रम पूर्व मध्य रेल के सुरक्षा बलों द्वारा ऑपरेशन समय पालनके तहत ऐसे लोगों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है ताकि ट्रेनें अनावश्यक रूप से विलंब ना हो । ऑपरेशन ह्यह्यसमय पालनह्यह्य के तहत मई माह में 01.05.2026 से 31.05.2026 तक रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों में बिना उचित कारण के चेन पुलिंग करने के आरोप में 1175 लोगों को हिरासत में लिया गया तथा इनसे जुमार्ने के रूप में 05 लाख 02 हजार रुपये वसूल किये गए । इन लोगों के विरूद्ध रेल अधिनियम की धारा 141 के तहत कार्रवाई की गई । ऑपरेशन ह्यह्यसमय पालनह्यह्य के तहत इस दौरान सर्वाधिक 602 लोग दानापुर मंडल में पकड़े गये जबकि समस्तीपुर मंडल में 239, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 147, सोनपुर मंडल में 100 तथा धनबाद मंडल में 87 लोगों को हिरासत में लिया गया । इसी तरह महिलाओं की सुरक्षा के मद्देनजर ऑपरेशन महिला सुरक्षा के तहत महिला कोच में यात्रा करने वाले पुरुष यात्रियों के खिलाफ भी धर-पकड़ अभियान चलाया गया । ऑपरेशन ह्यह्यमहिला सुरक्षाह्यह्य मे तहत मई माह में 01.05.2026 से 31.05.2026 तक रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों पर महिला कोच में यात्रा करने के आरोप में रेल अधिनियम की धारा 162 के तहत 3061 पुरुष यात्रियों को हिरासत में लिया गया तथा इनसे जुमार्ने के रूप में 08 लाख 79 हजार रुपये वसूल किये गए । इनमें सर्वाधिक 1442 लोग दानापुर मंडल में पकड़े गये जबकि पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 865, धनबाद मंडल में 333, समस्तीपुर मंडल में 290 तथा सोनपुर मंडल में 131 पुरुष यात्रियों को हिरासत में लिया गया ।

डॉ प्रेम कुमार ने बिहार विधान सभा की समितियों के पदाधिकारियों के साथ की बैठक

हाजीपुर। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ० प्रेम कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में बिहार विधान सभा की समितियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

इस बैठक में लोक लेखा समिति, सरकारी उपक्रमों से संबंधित समिति, प्राक्कलन समिति, शून्यकाल समिति, याचिका समिति, निवेदन समिति, कारा सुधार समिति, गैर सरकारी संकल्प समिति, बिहार विरासत विकास समिति सहित अन्य समितियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान पाया गया कि लोक लेखा समिति एवं सरकारी उपक्रमों से संबंधित समिति में कई मामले वर्ष 2008 से ही लंबित हैं। माननीय अध्यक्ष ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे वित्त विभाग तथा महालेखाकार कार्यालय के बीच समन्वय स्थापित कर लंबित कंडिकाओं को शीघ्र निष्पादित कराएं। जहां जरूरत पड़े वहां दोषी पदाधिकारी पर उचित कार्रवाई की जाए ताकि कंडिकाओं को लंबित रखने की प्रवृत्ति न पनपे। उन्होंने बड़ी समितियों की उप समिति बनाकर कार्य को निष्पादित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। माननीय अध्यक्ष ने कहा कि जल्द ही वे सभी समितियों के सभापति के साथ बैठक कर समितियों की कार्य प्रणाली को और सुदृढ़ बनाने हेतु विचार विमर्श करेंगे।

माननीय अध्यक्ष ने विभागीय बैठकों में विभाग के प्रधान के स्वयं उपस्थित रहने संबंधित हाल ही में मुख्य सचिव द्वारा निर्गत पत्र का हवाला देते हुए कहा कि इस पत्र का विधिवत अनुपालन सुनिश्चित हो, इसका समिति के पदाधिकारीगण ध्यान रखेंगे। उन्होंने प्रभारी सचिव को निर्देश दिया कि वे सभी समिति के पदाधिकारियों के साथ नियमित रूप से समीक्षा बैठक करें ताकि समितियों की कार्य प्रणाली में अपेक्षित सुधार लाया जा सके।

निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए ऊर्जा सचिव सख्त, भीषण गर्मी में सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। ऊर्जा विभाग के सचिव एवं बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (इरढलउछ) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री अजय यादव (भा.प्र.से.) ने बुधवार को राज्य में बिजली आपूर्ति की स्थिति तथा ट्रिपिंग की घटनाओं को लेकर फील्ड अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में श्री अजय यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्युत आपूर्ति से संबंधित सभी कार्य निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (रडढ) के अनुसार किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की बिजली बाधा या ट्रिपिंग की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा उपभोक्ताओं को असुविधा न हो, इसके लिए प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए।

उन्होंने वितरण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर (उ्ळ), विद्युत पोल, लाइनों एवं अन्य विद्युत अवसंरचनाओं के नियमित निरीक्षण एवं समयबद्ध रखरखाव पर विशेष जोर दिया। साथ ही, फील्ड स्तर पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित निष्पादन और बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

ऊर्जा सचिव ने अधिकारियों से कहा कि भीषण गर्मी के दौरान बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए सभी आवश्यक संसाधनों एवं मानवबल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पूर्ण तैयारी रखने का भी निर्देश दिया। बैठक में साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड एवं नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी

दो दिवसीय बिहार दौरा के क्रम में उज्ज्वल कुमार सिंह ने पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राम शंकर सिन्हा, अपर सचिव (पशुधन स्वास्थ्य), पशुपालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार, का 3 जून एवं 4 जून को दो दिवसीय बिहार दौरा के क्रम में उज्ज्वल कुमार सिंह, निदेशक, पशुपालन, बिहार,पटना, निदेशक, पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, संयुक्त निदेशक (पशु स्वास्थ्य) तथा पशुपालन निदेशालय तथा इछऊअ, पटना के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई।ल बैठक में विभिन्न टीकाकरण कार्यक्रमों और रअरउक के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

प्रेम प्रसंग मामले में की गई थी गैस वेंडर की हत्या:एसपी

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत गैस वेंडर इंदल साव की हत्या एक महिला से प्रेम प्रसंग मामले में की गई थी। पुलिस ने घटना का उद्भेदन दो दिन में करते हुए घटना के मुख्य दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित कै पास से घटना में उपयोग किए गए देशी कट्टा एक,खोखा एक, मोबाईल एक और बाईक एक बरामद किया है। सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने बताया कि 31 मई को देर रात को दानापुर नासरीगंज बिस्कुट फैक्ट्री रोड में तक्षशीला कॉलोनी के पास गैस वेंडर इंदल साव की हत्या बाईक सवार दो अपराधियों ने गोली मारकर कर दिया था। मृतक सीतामढ़ी के रूनीसैदपुर के बनसपति निवासी राम कुमार साव का पुत्र था और गोला रोड में अपने भाई संजीत कुमार के साथ रहता था।संजीत ने एक मामला दर्ज कराया था। एसपी ने बताया कि कांड की गंभीरता को देखते हुए एएसपी शिवम धाकड़ और थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज के नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठन किया गया था। घटना में मुख्य आरोपी भोजपुर के सहार थाना के सेवथा निवासी आलोक कुमार यादव उर्फ बप्पी कुमार सिंह, जो फुलवारी शरीफ के न्यू सबजपुरा में रहता था, गिरफ्तार कर लिया गया। आलोक के खिलाफ पहले से बिदुपुर (वैशाली) थाना में हत्या का मामला दर्ज था, गिरफ्तार कर लिया गया। उसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हथियार एक देशी कट्टा, एक खोखा, एक मोबाईल एवं एक बाईक बरामद किया गया।फिल दूसरे आरोपी आलोक के भाई विश्वजीत कुमार उर्फ छोटु को गिरफ्तार किया गया। बताया जाता है कि गिरफ्तार आरोपी के परिवार में एक महिला से मृतक का पहले अवैध संबंध था। जिसको लेकर दोनों में पहले भी मारपीट और कहासुनी हुई थी।

जैवविविधता एवं पारंपरिक ज्ञान महत्वपूर्ण:अरविंद सिंह

प्रातः किरण संवाददाता

पटना ।भारतीय प्राणि सर्वेक्षण गंगा समभूमि प्रादेशिक केंद्र पटना की ओर से पारंपरिक ज्ञान एवं जैवविविधता के विषय पर कार्यक्रम का आयोजन एमएल रूनवाल बहुउद्देशीय हॉल, जीपीआरसी, जेडएसआई, पटना राष्ट्र की 111 साल की सेवाओं के अवसर पर, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण ने भाप्रास मुख्यालय और 16 क्षेत्रीय केंद्रों में पूरे भारत में 111 घंटे लंबी प्रस्तुति का आयोजन किया है। ह्वबिहार और झारखंड में पारंपरिक ज्ञानह्व विषय पर आधारित हैकथॉन 2026 (लेवल 1 स्क्रीनिंग) का आयोजन एम. एल. रूनवाल बहुउद्देशीय हॉल, गंगा समभूमि प्रादेशिक केंद्र, भाप्रास, पटना में किया गया था। कुल पांच टीमों ने भाग लिया और विशेष रूप से बिहार और झारखंड के क्षेत्र में जीव-जंतुओं के अध्ययन के लिए जीव-जंतुओं की विविधता की बहाली और संरक्षण, नीतियों के कार्यान्वयन, पीपीपी और एआई के उपयोग के तहत जनजातीय भोजन के संरक्षण के लिए अभिनव प्रस्ताव रखे। विभिन्न विश्वविद्यालयों (पटना विश्वविद्यालय, नालंदा विश्वविद्यालय, दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, बिहार विश्वविद्यालय) और संस्थानों (आईआईटी-धनबाद और एसआरएम विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान आदि) के प्रतिभागियों ने अलग- अलग विषयों पर अपनी प्रस्तुति रखी।

इस अवसर पर बिहार सरकार के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) पर्यावरण अरविंदर सिंह, वन एवं जलवायु परिवर्तन, बिहार ने दीप प्रज्वलित कर इस अवसर की शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन के दौरान, उन्होंने जैव विविधता संरक्षण, वनों की कटाई और शहरीकरण में पारंपरिक ज्ञान की प्रथाओं पर जोर दिया। उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं को जैव विविधता संरक्षण अभियानों से जोड़ने की भी वकालत की। सम्मानित अतिथि के रूप में, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रधानमंत्री प्रोफेसर प्रो. विनोद कुमार ने 111 घंटे के हैकथॉन का संचालन करने और जैव विविधता अभियान से भारत के युवाओं को जोड़ने के लिए भाप्रास, पटना के नेक पहल की सराहना की। डॉ. अनिल कुमार , वैज्ञानिक-ई, प्रभारी अधिकारी, भाप्रास(पटना) ने डॉ. एम.ई. हसन वैज्ञानिक-ई, नोडल अधिकारी के साथ कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा उपस्थित लोगों को हैकथॉन-2026 कार्यक्रम का परिचय दिया। पांच न्यायाधीशों के एक पैनल की अध्यक्षता डॉ. अनिल कुमार , वैज्ञानिक-ई, प्रभारी अधिकारी, भाप्रास(पटना) के द्वारा की गई। इस पैनल के सदस्य डॉ. एम. ई. हसन (वैज्ञानिक-ई), डॉ. वी. एम. सतीश कुमार (वैज्ञानिक-सी), प्रतिष्ठित बाहरी न्यायाधीशों, प्रोफेसर राम प्रताप सिंह, जीवन विज्ञान विभाग, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रोफेसर प्रभात कुमार सिंह, कृषि विभाग, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, और श्री फैज अहमद, सहायक प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, एमआईटी, मुजफ्फरपुर प्रस्तावों का मूल्यांकन करने और अपनी विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए उपस्थित थे।

4 लाख आय सीमा तक के मरीज अब होंगे मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष के दायरे में: निशांत

- गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता का दायरा बढ़ा:निशांत

प्रातः किरण संवाददाता

बिहार सरकार के माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित बिहार मंत्रिपरिषद की बैठक में स्वास्थ्य विभाग के एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रिपरिषद ने मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष के तहत अनुदान प्राप्त करने के लिए निर्धारित वार्षिक आय सीमा को 2.50 लाख से बढ़ाकर 4 लाख करने की मंजूरी दी है। इस निर्णय से राज्य के अधिक संख्या में जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता प्राप्त हो सकेगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को गंभीर एवं महंगे इलाज के लिए सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में वर्ष 2006 से मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष का संचालन किया जा रहा है।

इस योजना के माध्यम से हजारों मरीजों को उपचार के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान कर उन्हें नया जीवन देने का कार्य किया जा रहा है।

श्री निशांत ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष के माध्यम से 27,890 मरीजों को 216.75 करोड़ की सहायता राशि प्रदान की गई। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में मार्च 2026 तक 25,731 मरीजों को 202.63 करोड़ की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है। इसके अतिरिक्त अप्रैल 2026 में 2,028 मरीजों को 17.79 करोड़ की सहायता राशि प्रदान की गई।

स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत ने माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय जनहित में लिया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। अब अधिक से अधिक पात्र परिवार मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष का लाभ प्राप्त कर सकेंगे और बेहतर इलाज करा सकेंगे। राज्य सरकार गंभीर एवं असाध्य रोगों से पीड़ित मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

दरभंगा अंतरराज्यीय बस टर्मिनल के आधुनिकीकरण का रास्ता साफ, सैरात विमुक्ति की स्वीकृति

- 8.67 एकड़ भूमि पर विकसित हो रहा अत्याधुनिक बस टर्मिनल,
- विश्रामालय, सौंदर्यीकरण एवं आधुनिक सुविधाओं का होगा निर्माण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। उत्तर बिहार के सबसे महत्वपूर्ण परिवहन केंद्रों में शामिल दरभंगा अंतरराज्यीय बस टर्मिनल के आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ी प्रशासनिक बाधा दूर हो गई है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने दरभंगा बस पड़ाव की सैरात की भूमि को सैरात सूची से विमुक्त करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके साथ ही बस टर्मिनल के व्यापक विकास, सौंदर्यीकरण तथा आधुनिक सुविधाओं के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार आम नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। दरभंगा का अंतरराज्यीय बस टर्मिनल उत्तर बिहार के लाखों यात्रियों की आवाजाही का प्रमुख केंद्र है। इसके आधुनिकीकरण से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा क्षेत्रीय विकास को भी नई गति प्राप्त होगी। विभागीय स्तर पर सैरात विमुक्ति से संबंधित सभी निर्धारित बिंदुओं की गहन जांच एवं सत्यापन के उपरांत यह स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रस्ताव में सैरात भूमि का संपूर्ण विवरण, मौजा, थाना संख्या, खाता एवं खेसरा संख्या, कुल रकबा, विमुक्ति के कारण, नजरी नक्शा, स्थल जांच प्रतिवेदन, चेकस्लिप तथा अनुमंडल पदाधिकारी एवं भूमि सुधार उप समाहर्त्ता का संयुक्त जांच प्रतिवेदन संलग्न किया गया था।

इसके अतिरिक्त समाहर्त्ता एवं प्रमंडलीय आयुक्त की स्पष्ट अनुशंसा भी प्राप्त हुई थी। मंत्री ने बताया कि नगर विकास एवं आवास विभाग को बस पड़ाव के सौंदर्यीकरण, आधुनिक विकास, विशिष्ट अत्याधुनिक विश्रामालय सहित अन्य आवश्यक संरचनाओं के निर्माण हेतु विभाग द्वारा पूर्व में सशर्त सैद्धांतिक सहमति प्रदान की जा चुकी है। अब सैरात विमुक्ति की स्वीकृति मिलने के बाद परियोजना को आगे बढ़ाने में प्रशासनिक स्तर पर किसी प्रकार की बाधा नहीं रहेगी। लगभग 8.67 एकड़ भूमि पर निमार्णाधीन इस अंतरराज्यीय बस टर्मिनल को आधुनिक सुविधाओं से युक्त विकसित किया जाएगा। परियोजना के तहत यात्रियों के लिए बेहतर प्रतीक्षालय, विश्रामालय, सुगम यातायात व्यवस्था, स्वच्छ परिसर तथा आधुनिक शहरी मानकों के अनुरूप बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

डॉ. जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों में अनावश्यक प्रशासनिक बाधाओं को दूर करते हुए जनहित की परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। दरभंगा बस टर्मिनल के आधुनिकीकरण से न केवल यात्रियों को लाभ मिलेगा बल्कि शहर के समग्र शहरी विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

खानापूर्ति नहीं, परिणाम चाहिए : कृषि मंत्री

- कृषि विभाग की समीक्षा में मंत्री का स्पष्ट संदेश
- हर छिड़काव की होगी वैज्ञानिक पड़ताल, किसानों से सीधे फीडबैक लेगा विभाग

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कृषि भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में पौधा संरक्षण संभाग एवं मिट्टी जाँच प्रयोगशाला, बिहार, पटन की समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पौधा संरक्षण, कीट प्रबंधन, ड्रोन आधारित छिड़काव, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा प्रयोगशालाओं के संचालन एवं सुदृढ़ीकरण से संबंधित योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान श्री सिन्हा ने कहा कि फसलों में कीट प्रबंधन के लिए ड्रोन आधारित छिड़काव आधुनिक कृषि की आवश्यकता है, लेकिन इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विभागीय स्तर पर बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि ड्रोन से किए जाने वाले कीटनाशी एवं तरल उर्वरक छिड़काव की नियमित जांच की जाए तथा इससे कीटों और पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन करने के लिए विशेषज्ञों की टीम गठित की जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ड्रोन छिड़काव के बाद संबंधित किसानों का वीडियो रिकॉर्ड तैयार किया जाए तथा सत्यापन किया जाए कि निर्धारित क्षेत्र में वास्तव में छिड़काव हुआ है या नहीं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में केवल खानापूर्ति से काम नहीं चलेगा, बल्कि जमीनी स्तर पर परिणाम दिखाई देने चाहिए।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में पौधा संरक्षण से संबंधित विभिन्न योजनाओं पर कुल 1,982.60 लाख रुपये व्यय किए गए हैं। इनमें ड्रोन से फसलों पर कीटनाशी एवं तरल उर्वरक छिड़काव योजना, बगीचों एवं फसलों में कीट प्रबंधन योजना, उपादान वितरण योजना, पौधा संरक्षण परामर्श योजना, पौधा संरक्षण परामर्श एवं उपादान योजना तथा पीपीपी मोड में ड्रोन द्वारा कीटनाशी एवं तरल उर्वरक के एरियल स्प्रे की योजना शामिल हैं। श्री सिन्हा ने कीटनाशक दवा विक्रेताओं की दुकानों की ग्रेडिंग व्यवस्था विकसित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दुकानों की गुणवत्ता, किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं तथा बिक्री के आधार पर उनका मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिससे किसानों को गुणवत्तापूर्ण कीटनाशी दवाएं उपलब्ध हो सके।

मिट्टी जाँच प्रयोगशालाओं की समीक्षा के दौरान मंत्री ने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कृषि उत्पादन की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि राज्य योजना अंतर्गत मिट्टी जाँच, बीज विश्लेषण एवं गुण नियंत्रण प्रयोगशालाओं के संचालन एवं सुदृढ़ीकरण की योजना के तहत वर्ष 2025-26 में 774.21 लाख रुपये व्यय किए गए हैं। वहीं, केंद्र प्रायोजित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना पर 5,062.84 लाख रुपये व्यय किए गए हैं।

श्री सिन्हा ने कहा कि वे स्वयं गांवों का दौरा कर मिट्टी जांच की प्रक्रिया, प्रयोगशालाओं की कार्यप्रणाली तथा किसानों को मिल रहे लाभों का प्रत्यक्ष निरीक्षण करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं का लाभ अधिकाधिक किसानों तक पहुंचाने तथा कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

जदयू कार्यालय पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने कार्यालय परिसर का निरीक्षण कर समस्त व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही, उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकताओं से आत्मीय मुलाकात की तथा संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जनसुनवाई कार्यक्रम के संबंध में फीडबैक प्राप्त करते हुए जन समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। श्री नीतीश कुमार के आगमन पर बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकताओं द्वारा जोरदार नारों के साथ उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, मंत्री रत्नेश सदा, विधान परिषद में सत्तारूढ़.दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, प्रो. नवीन आर्य चंद्रवंशी, अनिल कुमार, अरविंद कुमार उर्फ छोटू सिंह, लोकप्रकाश सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में स्वास्थ्य मंत्री ने सुनीं आमजन की समस्याएँ

- अधिकारियों को दिए शीघ्र समाधान के दिशा-निर्देश
- मंत्री दामोदर रावत एवं रत्नेश सदा भी रहे मौजूद

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू मुख्यालय में बुधवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुँचे।

कार्यक्रम के दौरान बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके विधिसम्मत एवं त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, जनसुनवाई कार्यक्रम में परिवहन मंत्री दामोदर रावत एवं आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा ने भी उपस्थित लोगों की विभागीय समस्याओं को सुनकर उनके शीघ्र निष्पादन हेतु आवश्यक पहल की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा एवं विधान परिषद में सत्तारूढ़.दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई कार्यक्रम से निकलने के बाद उपस्थित सभी फरियादियों ने संतोष व्यक्त किया तथा जनहित एवं त्वरित समाधान के प्रति इस संवेदनशील पहल की सराहना की।

राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन से अन्नदाता बदल रहे बिहार में कृषि की तकदीर : मंगल

पटना। पूर्व स्वास्थ्य व कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित "राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन" से बिहार के कृषि परिदृश्य और किसानों की आय में क्रांतिकारी बदलाव हो रहे हैं। इसके तहत दलहन उत्पादन का लक्ष्य 3.93 से बढ़ाकर 11.27 लाख टन किया गया है। इससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज, 25 लाख तक की दाल मिल सब्सिडी और सुनिश्चित खरीद का बड़ा लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच से केंद्र सरकार द्वारा धारातल पर फरवरी 2026 में शुरू किए गए राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशनहुह से बिहार के किसानों के जीवन में ऐतिहासिक बदलाव आ रहा है। इस मिशन के तहत बिहार को 93.75 करोड़ रुपये की विशेष सहायता राशि दी गई है, जिसके लिए मैं पीएम श्री नरेंद्र मोदी जी का सिवान सदर समेत समस्त बिहार की जनता व विशेषकर अन्नदाता किसान भाईयों की ओर से हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह मिशन पोषण सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन की घोषणा केंद्रीय बजट 2025-26 में की गई थी और इसे केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1 अक्टूबर 2025 को मंजूरी दी गई थी। श्री पांडेय ने कहा कि मध्य प्रदेश के सीहोर स्थित दलहन अनुसंधान केंद्र में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा फरवरी माह में बिहार के कृषि मंत्री को योजना की राशि का चेक सौंपा गया था। यह केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि बिहार को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प है। वर्तमान में बिहार का दलहन उत्पादन 3.93 लाख मीट्रिक टन है। अगले 5 वर्षों में इसे बढ़ाकर 11.27 लाख मीट्रिक टन किया जाएगा। इससे बिहार न केवल अपनी जरूरत पूरी करेगा, बल्कि दूसरे राज्यों को भी दाल भेजेगा। बिहार की मिट्टी और जलवायु के अनुकूल अरहर, चना, मसूर, उड़द और मूंग को विशेष फसल के रूप में चिह्नित किया गया है। इन फसलों पर विशेष ध्यान देकर उत्पादकता बढ़ाई जाएगी। बिहार में राष्ट्रीय स्तर का सीड हब स्थापित होगा। इससे बीज की गुणवत्ता और उपलब्धता दोनों सुनिश्चित होगी। साथ ही प्रशिक्षण, भंडारण और दाल प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना होगी, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा। श्री पांडेय ने कहा कि बिहार का किसान हर साल बाढ़ और सुखाड़ से परेशान रहता है। इस मिशन के तहत दलहन फसलों के लिए कम प्रीमियम पर व्यापक फसल बीमा और मौसम जनित नुकसान पर तुरंत क्षतिपूर्ति की व्यवस्था की गई है। मैं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बधाई देता हूं, जिनके अथक प्रयासों और केंद्र के साथ बेहतर समन्वय के कारण बिहार को यह बड़ी सौगात मिली है। डबल इंजन की सरकार में बिहार का चहुंमुखी विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास का मंत्र आज बिहार के खेत-खलिहान तक पहुंच रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का आवास खाली कराने का फैसला निंदनीय: भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने बिहार विधान परिषद में प्रतिपक्ष की नेता व पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास खाली कराने का राज्य सरकार के फैसले की कड़ी निंदा की है। पूर्व मुख्यमंत्री को सर्कुलर रोड स्थित 10 नम्बर का आवास नेता प्रतिपक्ष की हैसियत से आवंटित किया गया था। आज भी वे बिहार विधान परिषद में प्रतिपक्ष की नेता हैं और उसकी हैसियत में कोई कमी नहीं आई है। इसके बावजूद राज्य सरकार द्वारा बार-बार आवास खाली करने का नोटिस जारी करना दुर्भावना से प्रेरित प्रतीत होता है। मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी को बताना चाहिए कि बिहार सरकार के मंत्री और विपक्ष की नेता के आवास आवंटन के लिए अलग अलग नियम है क्या ? सत्ता पक्ष के कई सांसद किस हैसियत से पटना के सरकारी आवास में रह रहे है ? भाकपा राज्य सचिव ने मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी के बयान की निंदा करते हुए कहा कि सरकार को आवास का राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। बिहार की जनता कई ज्वलंत सवालों को झेल रही है, लेकिन राज्य सरकार जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दा से हटाने के लिए नेता प्रतिपक्ष के आवास का मुद्दा उछाल रही है। नेता प्रतिपक्ष श्रीमती राबड़ी देवी का आवास खाली कराने का राज्य सरकार का फैसला भेदभावपूर्ण है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राज्य सरकार के इस फैसले का विरोध करती है और तत्काल प्रभाव से इसे वापस लेने की मांग करती है।

नीतीश कुमार की नीतियों से युवाओं में बढ़ा आत्मविश्वास, विकास को मिली नई गति : अंजुम

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा ने जारी बयान में कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार में विकास और सुशासन के जिस मॉडल को स्थापित किया, उसका सबसे बड़ा लाभ राज्य के युवाओं को मिला है। शिक्षा के क्षेत्र में संस्थागत विस्तार, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा, छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा बेहतर बुनियादी सुविधाओं ने युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोले हैं। आज बिहार का युवा आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और राज्य के विकास में सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। इसी विकास यात्रा को आगे बढ़ाते हुए स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, प्रभावी और जनकेंद्रित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। स्वास्थ्य व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता तथा आम लोगों तक गुणवत्तापूर्ण इलाज पहुंचाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। एनडीए सरकार का उद्देश्य है कि राज्य का प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवा वर्ग, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सके और स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सके।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के पटना आगमन से कार्यकर्ताओं में उत्साह एवं नई ऊर्जा का संचार : प्रभाकर मिश्रा

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री प्रभाकर कुमार मिश्रा ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी के पटना आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके आगमन से बिहार भाजपा के कार्यकताओं में नई ऊर्जा, उत्साह और जोश का संचार हुआ है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है और राष्ट्रीय अध्यक्ष का मार्गदर्शन कार्यकताओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहा है। उनके पटना आगमन को लेकर प्रदेशभर के कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है तथा सभी कार्यकर्ता संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प के साथ जुटे हुए हैं। श्री मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बिहार भाजपा ओबीसी मोर्चा के नव नियुक्त अध्यक्ष प्रमोद चंदवंशी ने संभाला पदभार

- भाजपा के संगठनात्मक विस्तार में ओबीसी मोर्चा निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका : प्रमोद चंद्रवंशी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा, बिहार प्रदेश के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद चंद्रवंशी ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, मोर्चा के नेताओं तथा विभिन्न जिलों से पहुंचे हजारों कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद चंद्रवंशी ने पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है, वह केवल एक पद नहीं बल्कि संगठन और समाज के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा पिछड़े, अति पिछड़े और वंचित वर्गों के सम्मान, सशक्तिकरण और विकास को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि ओबीसी मोर्चा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने के लिए कार्य करेगा तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का अभियान चलाएगा। पदभार ग्रहण समारोह में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष रंजन, प्रदेश मंत्री प्रभाकर मिश्रा सहित ओबीसी मोर्चा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिवपूजन राम, संजय निषाद, संतोष पटेल, रमन चंद्रवंशी, विकास सैनी, मुन्ना चौहान, भूपेंद्र यादव, विवेक सैनी, चंदन जायसवाल, भावना शर्मा, प्रीति सिंह चंद्रवंशी, जय शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने भाग लिया। इसके अलावा प्रीति सिंह, अमरनाथ शर्मा, अभय सिंह, चंपा देवी, संजय गुप्ता, अनीता शर्मा और बिट्टू सोनी भी उपस्थित रहे।

जॉर्ज फर्नांडिस साहब एक निर्भीक और जनप्रिय नेता थे : श्रवण

- सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के मंत्री ने प्रख्यात समाजवादी नेता स्व. जॉर्ज फर्नांडिस की जयंती समारोह में हुए शामिल

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, ग्रामीण विकास विभाग मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार बुधवार को स्व. जॉर्ज फर्नांडिस की जयंती समारोह में शामिल हुए। मुजफ्फपुर स्थित सिटी पार्क में पूर्व केन्द्रीय रक्षामंत्री, प्रखर समाजवादी नेता, सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित स्वर्गीय जॉर्ज फर्नांडिस साहब की जयंती राजकीय समारोह के तौर पर मनाई गई। इस मौके पर माननीय मंत्री श्री कुमार ने कहा कि श्रद्धेय जॉर्ज फर्नांडिस साहब मेरे करीबियों में एक थे। राष्ट्र निर्माण, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पित जीवन को याद करते हुए श्री कुमार ने कहा कि जॉर्ज फर्नांडिस साहब एक निर्भीक और जनप्रिय नेता थे। उन्होंने आपातकाल के विरोध से लेकर, उद्योग, रेल और भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय तक, पोखरण-2 सफल परमाणु परीक्षण, कारगिल युद्ध में विजयी दिलाने जैसे देश की सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने वाले ऐसे अनेक ऐतिहासिक कार्यों में अहम भूमिका अदा की हैं। इनके योगदाम को राष्ट्र कभी भूला नहीं सकता। उनका सम्पूर्ण जीवन, लोकतंत्र, सामाजिक समानता और जनसेवा के आदर्शों का प्रतीक रहा है। मंत्री श्री श्रवण कुमार ने जॉर्ज फर्नांडिस की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। माननीय मंत्री के साथ मीनापुर के विधायक अजय कुमार, रून्नी सैदपुर के विधायक पंकज मिश्रा ने भी पुष्प माला अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। यहां मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन, पुलिस अधीक्षक कंटेश कुमार, उप विकास आयुक्त श्रेष्ट अनुपम, नगर आयुक्त ऋतुराज प्रताप सिंह, उप समाहर्ता विधि व्यवस्था सह विशेष कार्य पदाधिकारी सुधीर कुमार सिन्हा, जिला सूचना एवं जन-सम्पर्क पदाधिकारी प्रमोद कुमार सहित जिला के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी पुष्प अर्पित कर स्वर्गीय जॉर्ज फर्नांडिस को श्रद्धांजली दी।

जदयू महासदस्यता अभियान 2025-28 में 1 करोड़.का आंकड़ा पार : उमेश

- नीतीश कुमार के नेतृत्व में पार्टी ने रचा नया इतिहास

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बुधवार को बयान जारी करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संचालित जदयू महासदस्यता अभियान 2025-28 ने ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। पार्टी ने निर्धारित 1 करोड़.प्राथमिक सदस्य बनाने के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है तथा महासदस्यता अभियान के अंतर्गत 1 करोड़ 1 हजार 925 प्राथमिक सदस्य बनाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि जनता के अटूट विश्वास, कार्यकताओं के समर्पण और संगठन की जमीनी मजबूती का प्रत्यक्ष एवं सशक्त प्रमाण है। साथ ही, नीतीश कुमार के नेतृत्व में बीते वर्षों में हुए विकास, सुशासन एवं सामाजिक न्याय की नीतियों के प्रति जनता के व्यापक समर्थन को भी यह दशार्ती है। श्री कुशवाहा ने कहा कि इस कीर्तिमान के असली नायक बूथ से लेकर पंचायत, प्रखंड, जिला और प्रदेश स्तर तक कार्यरत लाखों समर्पित कार्यकताओं की अथक मेहनत और निरंतर प्रयास शामिल हैं, जिन्होंने संगठन को मजबूत आधार प्रदान किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जदयू का हर कार्यकर्ता संगठन की असली ताकत है और यही ताकत आने वाले समय में संगठन को और ऊँचाइयों तक ले जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जदयू परिवार जनआकांक्षाओं की पूर्ति एवं न्याय के साथ विकास की धारा को और अधिक गति देने के लिए संकल्पित और प्रतिबद्ध है।

बच्चों और युवाओं की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभाग प्रतिबद्ध : मंत्री

- आठ दिवसीय ग्रीष्मकालीन चाक्षुष कला कार्यशाला का मंत्री ने किया शुभारंभ
- बच्चों को पेपर मेशी, वेस्ट मैटेरियल क्राफ्ट एवं टेराकोटा कला का दिया जाएगा प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा है कि विभाग बच्चों और युवाओं की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों में अनेक प्रतिभाएं मौजूद हैं, जिन्हें उचित मंच और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। इस दिशा में विभाग निरंतर कार्य कर रहा है। कला एवं संस्कृति विभाग के अंतर्गत बिहार ललित कला अकादमी के सौजन्य से आठ दिवसीय ग्रीष्मकालीन चाक्षुष कला कार्यशाला-2026 का शुभारंभ बुधवार को हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन कला एवं संस्कृति विभाग के माननीय मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने पटना बिहार ललित कला अकादमी के बहुद्देशीय हॉल में किया। इस मौके पर माननीय मंत्री ने सुझाव दिया कि भविष्य में कम से कम एक माह की अवधि की आवासीय कला कार्यशाला आयोजित की जाए, जिसमें बिहार के विभिन्न जिलों के बच्चे भी भाग ले सकें।

महंगाई, बेरोजगारी,संगठित भ्रष्टाचार, विधि व्यवस्था और ज्वलंत मुद्दों पर राजद करेगा आंदोलन: मंगनी

बोलें-9 जून को सभी प्रखंड मुख्यालयों और 17 जून को जिला मुख्यालयों पर धरना दिया जाएगा

- बिहार में बकैती, फेकेती और लठैती वाली सरकार चल रही है : राजद

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ तनवीर हसन, प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद एवं अरूण कुमार यादव की उपस्थिति में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, संगठित भ्रष्टाचार, विधि व्यवस्था और आम जनों के ज्वलंत मुद्दे के सवाल पर 09 जून को सभी प्रखंड मुख्यालयों पर एवं 17 जून को राज्य भर के सभी जिला मुख्यालयों पर व्यापक एवं प्रभावकारी रूप से धरना दिया जाएगा। इस अवसर पर मंगनी लाल मंडल ने कहा कि बिहार में कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि 72000 करोड़ रुपये का बिहार सरकार हिसाब नहीं दे रही है। बिहार में जिस तरह से वित्तीय गबन और और वित्तीय अपराध का मामला है उस पर सरकार चुप है। आखिर यह गड़बड़ी कैसे हुई इसके संबंध में जानकारी क्यों नहीं दी जा रही है,यह जनता का पैसा था आखिर कहां गया यह सरकार में बैठे हुए लोगों को बताना चाहिए। सरकार के वित्तीय प्रबंधन में कमी के कारण आम जनों को जो परेशानी झेलना पड़ रहा है उसके संबंध में सरकार जानकारी नहीं दे रही है। महंगाई बढ़ रही है पेट्रोल -डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं जिसके कारण भाड़ा और माल भाड़ा में वृद्धि हो रही है। चुनाव बाद अबोध और अवयस्क बालिकाओं पर दरिंदगी और अत्याचार की घटनाओं में सर्वाधिक वृद्धि हुई है। सरकार इस तरह की अत्याचार की घटनाओं को रोकने में पूरी तरह से विफल है। श्री मंडल ने आगे कहा कि राष्ट्रीय जनता दल बिहार में महंगाई ,बेरोजगारी, संगठित भ्रष्टाचार ,विधि व्यवस्था और आम जनों के ज्वलंत मुद्दे के सवाल पर राज्य भर में पहले चरण में 9 जून को प्रखंड स्तर पर सभी प्रखंड मुख्यालयों पर धरना दिया जाएगा । और दूसरे चरण में 17 जून 2026 को राज्य भर के सभी जिला मुख्यालयों पर धरना दिया जाएगा। और आंदोलन के अगले चरण में धरना, प्रदर्शन के साथ गिरफ्तारी का कार्यक्रम भी व्यापक रूप से किया जाएगा ,जिसकी घोषणा बाद में की जाएगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ने कहा कि देश और राज्य में हिडेन इमरजेंसी जैसे हालात हैं। जो बोलेगा वह गिरफ्तार होगा जो लिखेगा उसपर हमला होगा। बिहार में सरकार अडानी को खुश करने वाली कार्रवाई में लगी हुई है। जिस कारण वैसे लोगों को तंग किया जा रहा है, जो अडानी को चैलेंज कर रहे हैं।

पटना में लाखों गरीब परिवार को उजाड़ दिया गया है। इतनी भीषण गर्मी में लोग सड़कों पर रहने के लिए मजबूर हैं, सरकार की मानवीय संवेदना समाप्त हो गई है। जो भी इस तरह के जनविरोधी कार्यो का विरोध करता है उसकी पिटाई की जाती है और उसपर मुकदमे दर्ज किए जाते हैं। बिहार में गरीबों को तंग करने वाली सरकार है। प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ तनवीर हसन ने कहा कि संगठन और संघर्ष के माध्यम से हम जनता के बीच मुद्दों के आधार पर जाएंगे और धरना ,प्रदर्शन के माध्यम से लोगों के बीच सरकार के जन विरोधी कार्यो को उजागर करेंगे। प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने कहा कि एनडीए सरकार को गरीबों की चिंता नहीं है कई राज्यों में पेट्रोलियम पदार्थों का सरचार्ज घटा दिया गया है लेकिन बिहार में सबसे महंगे दामों पर पेट्रोल और डीजल आम लोगों को उपलब्ध करा रही है। प्रदेश राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि जनहित के मुद्दों पर आंदोलन किया जाएगा जो जोरदार और असरदार होगा। सरकार से पूछा की रिशु किसका शिशु है यह बताया जाए। राष्ट्रीय जनता दल विचारधारा के आधार पर जनहित के मुद्दों पर आंदोलन और संघर्ष का कार्यक्रम चलाती है। बिहार में बकैती, फेकेती और लठैती वाली सरकार चल रही है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, गुरूवार, 04 जून, 2026

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

संक्षिप्त खबरें

द्वितीय पुण्यतिथि पर याद किए गए प्रोफेसर गणेश प्रसाद यादव

विभूतिपुर समस्तीपुर। बीआरएनकेएस कल्याणपुर के पूर्व प्राचार्य गणेश प्रसाद यादव का द्वितीय पुण्यतिथि उनके आवासीय परिसर वाजिदपुर बम्बैया वार्ड 14 में मनाया गया। मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य सूर्य देव प्रसाद सिंह, प्रोफेसर परमवीर कुमार, चंद्रवीर कुमार, हृदय नारायण सिंह, तृप्ति नारायण सिंह, अनामिका देवी, जितेंद्र कुमार, सुशील चौधरी, प्रवीण कुमार झा आदि ने दिवंगत गणेश प्रसाद यादव के फोटो पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मौके दर्जनों लोग मौजूद थे।

ग्रामीण बच्चों को शिक्षा से जोड़ रहे दूर देहात संस्था के इंटर्न, खेल-खेल में सिखाई नैतिक शिक्षा

विभूतिपुर/ समस्तीपुर। दूर देहात संस्था द्वारा संचालित समर इंटर्नशिप कार्यक्रम के तीसरे दिन बुधवार को इंटर्न के एक समूह ने सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान इंटर्नों ने स्थानीय और ग्रामीण बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए विशेष सत्र आयोजित किए। खेल-आधारित शिक्षण और समूह चर्चा के माध्यम से बच्चों को गणित, सामान्य ज्ञान, स्वच्छता, नैतिक शिक्षा और जीवन कौशल की महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।संस्था के इंटर्नशिप सुपरवाइजर मनीष कुमार ने बताया कि इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि जगाना है। इसके साथ ही यह इंटर्न्स को सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक नेतृत्व का व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए सामुदायिक सेवा और इंटर्नशिप को विशेष महत्व दिया गया है।कार्यक्रम के समापन पर सभी इंटर्न्स ने आगामी 20 जून तक बच्चों के साथ नियमित रूप से जुड़कर उनकी शैक्षणिक प्रगति में सहयोग करने का संकल्प लिया। स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों ने संस्था की इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए बेहद उपयोगी बताया।

लनामिवि के कुलपति की अध्यक्षता में विद्वत परिषद् की बैठक आयोजित

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में विद्वत परिषद् की बैठक हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई, जिसमें विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो दिलीप कुमार चौधरी, सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो ध्रुव कुमार एवं सदस्य सचिव डॉ दिव्या रानी हंसदा ऑफलाइन, जबकि 40 ऑफलाइन सदस्यों में अन्य संकायाध्यक्ष, स्नातकोत्तर विभागाध्यक्ष तथा चक्रानुसार सदस्य प्रधानाचार्य शामिल हुए। सदस्यों का स्वागत कुलपति प्रोफेसर चौधरी ने किया, जबकि बैठक का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ हांसदा ने किया। बैठक में मेरू के अंतर्गत एवं राज्यपाल सचिवालय की अधिसूचना के आलोक में विश्वविद्यालय में अप्रेंटिसशिप एबेंडेड डिग्री प्रोग्राम यूजीसी के मानक के अनुसार विश्वविद्यालय क्षेत्रातर्गत नैक मूल्यांकित 5 अंगीभूत महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से 7 पाठ्यक्रमों को संचालित करने की सहमति दी गई, जिनमें वाणिज्य संकाय में मेजर के अंतर्गत सीएम कॉलेज एवं बीआरबी कॉलेज में ई-कॉमर्स, बीआरबी कॉलेज एवं यूपी कॉलेज में रिटेल ऑपरेशंस, सीएम कॉलेज, यूपी कॉलेज एवं बीआरबी कॉलेज में बैंकिंग फाइनेंशियल सर्विस एंड इंश्योरेंस तथा सीएम कॉलेज, बीआरबी कॉलेज एवं यूपी कॉलेज में ह्यूमन रिसोर्स ऑपरेशन, विज्ञान संकाय में मेजर के अंतर्गत आरबी कॉलेज एवं बीआरबी कॉलेज में डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स तथा मिल्लत कॉलेज एवं यूपी कॉलेज में हेल्थ केयर मैनेजमेंट तथा मानविकी संकाय में मेजर के अंतर्गत यूपी कॉलेज, सीएम कॉलेज एवं मिल्लत कॉलेज में कंटेंट एण्ड क्रिएटिव राइटिंग कोर्स संचालन की स्वीकृति दी गई। सीबीसीएस के अंतर्गत 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के मैथिली विषय में सेमेस्टर तीसरे से आठवें तक के तथा मनोविज्ञान विषय में सेमेस्टर तीसरे से आठवें तक के एमआईसी के संशोधित पाठ्यक्रमों अनुमोदन किया गया। वहीं विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में कम्युनिटी हेल्थ एंड वेलनेस सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करने हेतु मैन्युअल एवं ऑर्डिनेंस एंड रेगुलेशन्स का अनुमोदन किया गया। बैठक में लनामीवि को डॉ अवधेश कुमार मिश्र, पूर्व प्रोफेसर, भाषा विज्ञान विभाग अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय का आईसीएसएसआर सीनियर फैलोशिप प्रोजेक्ट में कार्य करने हेतु कार्यस्थल के रूप में स्वीकृति प्रदान किया गया। आरके कॉलेज में स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रम के अंतर्गत एमबीए पाठ्यक्रम तथा स्नातकोत्तर रसायनशास्त्र विभाग में एम फर्मा पाठ्यक्रम को शुरू करने की सैद्धांतिक अनुमति दी गई।

मुहर्रम पर्व पर विधि व्यवस्था को लेकर डीएम ने संबंधित अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

सभी थाना प्रभारी शांति समिति की बैठक एवं संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी करेंगे

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। मुहर्रम पर्व को लेकर विधि-व्यवस्था संधारण एवं पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से दरभंगा एनआईसी से जिलाधिकारी कौशल कुमार एवं वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रड्डी की संयुक्त अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीडीपीओ सभी थाना प्रभारियों एवं अंचलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।जिसमें पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि मुहर्रम का पर्व संवेदनशील होता है, इसलिए सभी संबंधित अधिकारी विशेष सतर्कता बरतें।उन्होंने निर्देश दिया कि मुहर्रम जुलूस के निर्धारित मार्गों का भौतिक सत्यापन अवश्य करें तथा संभावित समस्याओं का पूर्व आकलन कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सभी थाना प्रभारियों को निरोधात्मक कार्रवाई तेज करने का शख्त निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारियों को वारंटियों को बाउंड डाउन कराने, शांति समिति की बैठक आयोजित करने तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया। अपराधी एवं असामाजिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126 के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रड्डी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र की अखाड़ा समितियों की सूची तैयार कर उनके साथ बैठक करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुहर्रम जुलूस के लिए विधिवत लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होगा तथा डीजे का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।उन्होंने संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थलों की पहचान कर वहां पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, बैरिकेडिंग लगाने तथा सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजेश कुमार गुप्ता, उप निदेशक जनसंपर्क सत्येंद्र प्रसाद, जिला पंचायती राज पदाधिकारी पवन कुमार यादव सहित पुलिस विभाग एवं जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मधुबनी में ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़, एलपीजी एवं पेट्रोलियम पदार्थो का पर्याप्त भंडार उपलब्ध

● गैस और ईंधन आपूर्ति को लेकर प्रशासन सतर्क, जिले में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

● गैस सिलेंडरो का सुरक्षित स्टॉक, उपभोक्ता हितों से खिलवाड़ करने वालों पर प्रशासन का कड़ा शिकंजा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जिले में संचालित 99 गैस एजेंसियो की गतिविधियों पर प्रशासन लगातार नजर रख रहा है। पूर्व मेंअनियमितता पाए जाने पर चार गैस एजेंसियों को सील भी किया जा चुका है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के हितों के साथ किसी प्रकार की लापरवाही या मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन के अनुसार 2 जून को जिले में 15,454 गैस बुकिंग प्राप्त हुईं, जबकि उसी दिन 18,773 सिलेंडरों की आपूर्ति की गई। सभी गैस वितरकों को शत-प्रतिशत होम डिलीवरी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। अतिरिक्त राशि वसूली, अनावश्यक विलंब या उपभोक्ताओं को परेशान करने की शिकायत मिलने पर संबंधित एजेंसी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने आमजनों से अनावश्यक गैस बुकिंग, जमाखोरी एवं कालाबाजारी से बचने तथा किसी भी अनियमितता की सूचना नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 06276-222576 पर देने की अपील की है।वही जिले के पेट्रोल पंपों पर भी ईंधन का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। वर्तमान में 902.6 हजार लीटर पेट्रोल तथा 1053.2 हजार लीटर हाई स्पीड डीजल का स्टॉक उपलब्ध है। प्रशासन ने लोगों से पेट्रोल-डीजल का अनावश्यक भंडारण नहीं करने की अपील करते हुए कहा है कि संपूर्ण स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

प्रधान जिला जज ने किया उपकारा बेनीपुर का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। प्रधान जिला जज सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार दरभंगा अजय कुमार शर्मा ने उपकारा बेनीपुर का निरीक्षण कर बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने महिला एवं पुरुष वार्डों में बंदियों से बात कर भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवा सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने पाकशाला में तैयार हो रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की तथा कारा चिकित्सालय में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में पूछताछ की। महिला वार्ड का निरीक्षण करते हुए उन्होंने महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों के लिए खेल सामग्री उपलब्ध कराने का निर्देश जेल प्रशासन को दिया। भीषण गर्मी को देखते हुए प्रधान जिला जज ने जेल परिसर में विभिन्न स्थानों पर स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही बंदियों को नि:शुल्क विधिक सहायता, परिजनों से मुलाकात एवं टेलिफोन पर बातचीत की उपलब्ध सुविधाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने जेल प्रशासन को सभी व्यवस्थाएं जेल मैनुअल के अनुरूप संचालित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान एडीजे-1 ऋषि गुप्ता, कारा अधीक्षक वीरेंद्र कुमार राय, उपाधीक्षक रत्नेश कुमार राय, जेल विजिटिंग अधिवक्ता मोहम्मद हैदर अली तथा कारा चिकित्सक डॉ. सलमान रजा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वन एवं पर्यावरण मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान को सफल बनाने का किया आह्वान

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। केंद्र सरकार के सफल, जनहितकारी एवं विकासोन्मुखी 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी जिला पश्चिमी, दरभंगा द्वारा लहेरियासराय स्थित प्रेक्षागृह में पर्यावरण दिवस सह जन संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य नारायण मन्ना ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरणीय चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं, जिनसे निपटने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाए जा रहे पर्यावरण संरक्षण अभियानों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि भारत आज वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केवटी विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी केंद्र सरकार द्वारा अनेक ऐतिहासिक एवं दूरगामी कदम उठाए गए हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव समाज एवं प्रकृति दोनों पर दिखाई दे रहा है। सभा को पूर्व विधायक अमरनाथ गामी, जिला अध्यक्ष आदित्य नारायण मन्ना ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री द्वारा फलदार एवं छायादार पौधों का वितरण किया गया। इनमें आम, कटहल, लीची, शरीफा, नींबू, बेल, नीम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री संतोष पोद्दार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री सुजीत मल्लिक ने किया।इस अवसर जीवछ सहनी, प्रदेश सह कोषाध्यक्ष अंकुर गुप्ता, मीना झा, जिला उपाध्यक्ष अभयनन्द चौधरी, तनुज तिवारी,राजेश रंजन, विकास चौधरी,सोनी पुर्वे, श्रवण मिश्र, सुनील चौधरी,संगीता साह, जिला मंत्री राहुल पासवान, मीरा मेहता,बालेन्दु झा , जिला मीडिया प्रभारी मुकुंद चौधरी,अमरनाथ सिंह, कोषाध्यक्ष संतोष सिंह,प्रवक्ता राजेश चौधरी, गुलशन चौधरी,रौशन कुंवर,सपना भारती, मुकेश महासेठ,विरेन्द्र पासवान, रामभरोस साह, गुलशन, नथुनी पासवान,कल्पना झा, वरिष्ठ कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

जन समस्याओं से रूबरू हुई विधायक मीना कामत, विकास कार्यों में तेजी का दिया भरोसा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। बाबूबरही विधानसभा क्षेत्र की विधायक मीना कामत ने बुधवार को महेशवारा पंचायत के मैनापट्टी गांव स्थित उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में एनडीए कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ बैठक कर क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी ली। बैठक की अध्यक्षता जदयू पंचायत अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ बिंदेश्वर ने की। बैठक के दौरान ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने सड़क, बिजली, शिक्षा तथा आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के संबंध में विधायक को लिखित आवेदन सौंपा। लोगों ने विभिन्न विकास योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू कराने की मांग की। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका डॉ. विभा कुमारी ने मुख्य सड़क से विद्यालय परिसर तक पीसीसी सड़क निर्माण की आवश्यकता से विधायक को अवगत कराया। विधायक ने संबंधित समस्याओं के समाधान का आश्वासन देते हुए सड़क, बिजली, विद्यालय की घेराबंदी, सामुदायिक भवन निर्माण तथा जर्जर ट्रांसफार्मर के प्रतिस्थापन सहित अन्य विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही।बैठक के बाद विधायक ने मैनापट्टी स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय (दक्षिण) के जर्जर भवन का निरीक्षण किया तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को शीघ्र नया भवन निर्माण कराने का निर्देश देने की बात कही। मौके पर जदयू नेता अमरेश जायसवाल, मुखिया जय प्रकाश मंडल, पूर्व मुखिया सत्येंद्र कुमार सिंह, उपमुखिया संजय कुमार सिंह, अमरेंद्र कुमार सिंह, उदय सिंह, धनिक लाल शर्मा, राजकुमार सिंह, अजय कुमार सिंह, दिनेश कुमार सिंह, प्रभात रंजन कुमार, शिव कुमार सिंह, कारी ठाकुर, वीरेंद्र कामत, हरिओम सिंह, रामवृक्ष सिंह, दुखी पासवान, संजय सिंह, रामएकवाल यादव, बिंदेश्वर पंडित, गोपी यादव सहित बड़ी संख्या में एनडीए कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

अवतरण-दिवस पर उमड़ी श्रद्धा

मंत्री अरुण शंकर प्रसाद समेत कई गणमान्य अतिथि रहे मौजूद

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। परम पूज्य राजऋषि आचार्यश्री सुदर्शन जी महाराज का अवतरण-दिवस समारोह मंगलवार को पटना स्थित श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। समारोह में बिहार सरकार के मंत्री डॉ. अरुण शंकर प्रसाद समेत अनेक गणमान्य अतिथि, शिक्षाविद्, श्रद्धालु एवं विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षक-विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए।अपने आशीर्वचन में आचार्यश्री सुदर्शन जी महाराज ने कहा कि मानव-कल्याण ही जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य है। केवल भौतिक उपलब्धियों से व्यक्ति को वास्तविक सुख और शांति नहीं मिल सकती। समाज और विश्व के कल्याण के लिए नैतिक मूल्यों तथा आध्यात्मिक चेतना का विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि संस्कारवान और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है।समारोह का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पद-पूजन, अर्चन एवं वंदन के साथ हुआ। इस अवसर पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि आचार्यश्री ने आध्यात्मिक जागरण के साथ-साथ शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने आचार्यश्री द्वारा संचालित हमें भी पढ़ाओ अभियान की सराहना करते हुए इसे वंचित बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की प्रभावी पहल बताया।कार्यक्रम में उच्च शिक्षा एवं कानून मंत्री संजय सिंह टाइगर, विधान परिषद सदस्य विजय कुमार सिंह, विधायक संजय गुप्ता, पटना की महापौर सीता साहू, पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) अजय कुमार सिंह, निफ्ट के निदेशक कर्नल राहुल शर्मा, सीआईएमपी के निदेशक डॉ. राणा सिंह सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।समारोह के सांस्कृतिक सत्र में विद्यार्थियों ने भक्ति-गीत, नृत्य और संगीत की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। आचार्यश्री द्वारा रचित गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। भजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे सभागार को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दियाअवतरण-दिवस समारोह श्रद्धा, संस्कार, शिक्षा और मानव-सेवा के आदर्शों का प्रेरणादायी संगम बनकर उभरा, जिसने उपस्थित लोगों को नैतिकता, आत्मविकास और लोककल्याण के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

बाढ़-आपदा से निपटने की तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

● आपदा की स्थिति में त्वरित राहत-बचाव सुनिश्चित करने पर बल

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। संभावित बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने बेनीपट्टी के महमदपुर स्थित डिस्ट्रिक्ट इमरजेंसी रिस्पांस कम फैसिलिटी सेंटर का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने नाव, आउटबोर्ड मोटर, लाइफ जैकेट, लाइफ ब्वॉय, रस्सी तथा सर्च एंड रेस्क्यू उपकरणों की कार्यशीलता का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने एसडीआरएफ टीम को सभी नावों एवं ओबीएम की नियमित जांच कर उन्हें हर समय कार्यशील रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ जैसी आपदाओं में त्वरित प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, इसलिए सभी संसाधनों की उपलब्धता और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए।निरीक्षण के दौरान डीएम ने जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी रजनीश कुमार को आपदा मित्रों के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण में डूबने की घटनाओं की रोकथाम, सुरक्षित तैराकी, वज्रपात से बचाव, बाढ़ पूर्व तैयारी, प्राथमिक उपचार एवं सामुदायिक सहयोग जैसे विषय शामिल किए जाएंगे। साथ ही पंचायत एवं गांव स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सामुदायिक सहभागिता और जागरूकता के माध्यम से आपदा से होने वाली जन-धन की क्षति को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को संभावित बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए पूरी सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने तथा सभी तैयारियां समय पर पूरी करने का निर्देश दिया।

दूलीपट्टी में ग्राम सभा आयोजित, विशेष सर्वेक्षण कार्य को लेकर रैयतों को दी गई जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर प्रखंड क्षेत्र के राजस्व ग्राम शिलानाथ दूलीपट्टी स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में बिहार विशेष सर्वेक्षण अभियान के तहत ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दूलीपट्टी पंचायत की मुखिया रूपम कुमारी ने की।ग्राम सभा में सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह, प्रधान लेखापाल शभी कुमार, कानूनगो शिबेन्दु शेखर, अमीन अंजली कुमारी, समाजसेवी विरेंद्र यादव, स्वच्छता पर्यवेक्षक मोनू कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में रैयत एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विशेष सर्वेक्षण कार्य की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए रैयतों से सर्वेक्षण के दौरान अपने-अपने प्लॉट पर उपस्थित रहने तथा कार्य में पूर्ण सहयोग करने की अपील की। बताया गया कि सर्वेक्षण के दौरान किसी प्रकार के दस्तावेजों की जांच नहीं की जाएगी। कागजातों की जांच के लिए अलग से प्रक्रिया निर्धारित है।बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि सर्वेक्षण कार्य में बाधा उत्पन्न करने, विवाद या अव्यवस्था फैलाने तथा सहयोग नहीं करने की स्थिति में विधिसम्मत कार्रवाई की जा सकती है। अधिकारियों ने कहा कि बिहार विशेष सर्वेक्षण राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, जिसके सफल क्रियान्वयन में सभी रैयतों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।ग्राम सभा में उपस्थित लोगों को बताया गया कि ॠकिस्तवार सर्वेक्षणॠ के तहत प्रत्येक प्लॉट पर जाकर क्रमवार नया प्लॉट नंबर निर्धारित किया जाएगा। इस अवसर पर चंद्रमोहन सिंह, गंगा गुप्ता, ओम प्रसाद गुप्ता, रामकुमार दास, महानंद साह सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

सैदपुर में डीवाईएफआई का शाखा सम्मेलन संपन्न, रंजीत कुमार राम बने सचिव

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के सैदपुर में भारत की जनवादी नौजवान सभा का शाखा सम्मेलन घुरन महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सम्मेलन में मुख्य रूप से मौजूद जिला अध्यक्ष महेश कुमार और अंचल अध्यक्ष बबलू कुमार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नई कमेटी क्षेत्र में शिक्षा, रोजगार और महंगाई जैसे जनमुद्दों पर संघर्ष तेज करेगी।सम्मेलन के दौरान सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें रंजीत कुमार राम को शाखा सचिव और मोहम्मद पैगाम को अध्यक्ष चुना गया। इनके अलावा धीरज कुमार राम को उपाध्यक्ष, धीरज कुमार को कोषाध्यक्ष और मोहम्मद वसीम अकरम को संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी दी गई। नवनिर्वाचित सचिव रंजीत कुमार राम ने कहा कि संगठन को गांव-गांव तक मजबूत कर युवाओं को उनके अधिकारों के लिए एकजुट किया जाएगा।

वर्षा में अशोक बाजार बना जलभराव का केंद्र व्यापारियों व राहगीरों की बढ़ी परेशानी

नाला निर्माण और बाजार व्यवस्था सुधारने को लेकर भाकपा-माले ने सौंपा मांगपत्र

● अशोक बाजार बदहाल जल निकासी की स्थायी व्यवस्था जरूरी: भूषण सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। भाकपा-माले जयनगर के प्रखंड सचिव भूषण सिंह ने जिला परिषद, मधुबनी के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर नगर पंचायत जयनगर स्थित जिला परिषद के अधीन संचालित अशोक बाजार की गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया है। उन्होंने कहा कि अशोक बाजार जयनगर एवं आसपास के क्षेत्रों का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान, व्यापारी एवं आम नागरिक आते हैं। भूषण सिंह ने बताया कि इस बाजार में आलू, प्याज, बैंगन, गोभी, कद्दू, तरबूज, खीरा, टमाटर, आम सहित विभिन्न प्रकार के फल एवं हरी सब्जियों का बड़े पैमाने पर क्रय-विक्रय होता है। स्थानीय किसानों के अलावा समस्तीपुर, पश्चिम बंगाल तथा अन्य क्षेत्रों से भी किसान अपनी उपज बेचने यहां पहुंचते हैं। इसके अतिरिक्त बाजार में दवा, कपड़ा, किराना, मोबाइल एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की अनेक दुकानें संचालित हैं तथा चिकित्सकों के क्लिनिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी स्थित हैं। उन्होंने कहा कि बाजार में वर्षा कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हल्की बारिश में भी पूरा बाजार जलमग्न हो जाता है। जलजमाव के कारण दुकानदारों, किसानों एवं आम लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई दिनों तक गंदा पानी जमा रहने से दुर्गंध एवं अस्वच्छता का वातावरण बना रहता है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। साथ ही व्यापार प्रभावित होने से दुकानदारों एवं किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। भूषण सिंह ने कहा कि जिला परिषद द्वारा बाजार के दुकानदारों से किराया तथा किसानों से निर्धारित शुल्क नियमित रूप से वसूला जाता है, लेकिन इसके बावजूद बाजार में मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। उन्होंने मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी से अशोक बाजार का शीघ्र स्थलीय निरीक्षण कराकर वर्षा की जल निकासी हेतु स्थायी नाला निर्माण कराने तथा बाजार को सुव्यवस्थित एवं सुचारु रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जनहित एवं किसानों, दुकानदारों तथा आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला परिषद इस गंभीर समस्या के समाधान हेतु अविलंब सकारात्मक पहल करने कि मांग कि है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान व सम्मान समारोह की तैयारी तेज

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर जिले में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर बुधवार को जिला परियोजना पदाधिकारी (नमामि गंगे) आनंद अंकित की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, प्रतियोगिताओं तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विशेष कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।बैठक में निर्णय लिया गया कि कोर्ट परिसर, डीआरडीए, समाहरणालय परिसर समेत जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। साथ ही छात्र-छात्राओं के बीच निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन होगा। शहर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण के प्रति जागरूक किया जाएगा।जल एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच जल योद्धाओं और पर्यावरण मित्रों को सम्मानित करने का भी निर्णय लिया गया। अधिकारियों ने कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया।बैठक में वन विभाग के परिसर पदाधिकारी अनूप कुमार, उप परिसर पदाधिकारी सिकंदर रविदास, आईसीडीएस के जिला समन्वयक स्मित प्रतीक सहित अन्यपदाधिकारी उपस्थित थे। नगर निगम के स्वच्छता पदाधिकारी अमिताभ गुंजन एवं क्षेत्र पदाधिकारी संजय कुमार वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

सेवानिवृत्ति पर दी गई भावभीनी विदाई

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। डीबीकेएन कॉलेज, नरहन के पुस्तकालयाध्यक्ष तेज नारायण यादव बुधवार को अपनी लंबी और सराहनीय सेवाओं के बाद सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जहां शिक्षक, कर्मचारी और छात्र भावुक नजर आए।समारोह में उपस्थित प्रभारी प्राचार्य सुमित कुमार और छात्र नेता केशव झा, पतंजलि कुमार, अनिल महाराज, प्रोफेसर राम विनय, सुरेश झा, मुन्ना, दीपक राम सहित अन्य वक्ताओं ने तेज नारायण यादव की कर्तव्यनिष्ठा, सादगी और छात्रों के प्रति उनके आत्मीय व्यवहार की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि उनके द्वारा शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में दिया गया योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिवार ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके सुखद, स्वस्थ और दीघार्यु जीवन की कामना की।

हाईटेक होंगे समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड के रेल फाटक, बढ़ेगी सुरक्षा और खूबसूरती

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। रेलवे द्वारा रेल समपार फाटकों को अधिक सुरक्षित, आधुनिक और आकर्षक बनाने के उद्देश्य से व्यापक आधुनिकीकरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड के विभिन्न रेल फाटकों के मरम्मत, सौंदर्यीकरण और सुरक्षा उन्नयन के लिए 1 करोड़ 61 लाख 87 हजार 135 रुपये 60 पैसे की योजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना की निगरानी वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर, मुजफ्फरपुर के अधीन की जाएगी। रेलवे प्रशासन जल्द ही इसके लिए टेंडर जारी करेगा। चयनित एजेंसी को कार्यादेश मिलने के बाद छह माह के भीतर सभी कार्य पूरे करने होंगे। योजना के तहत रेल फाटकों पर सड़क सतह की मरम्मत, गेट लॉज का नवीनीकरण, फेंसिंग, पेंटिंग तथा अन्य विकास कार्य कराए जाएंगे। निविदा में भाग लेने वाले संवेदकों के लिए 3 लाख 23 हजार 800 रुपये की बयाना राशि निर्धारित की गई है। रेलवे के इस आधुनिकीकरण अभियान में सुरक्षा के साथ-साथ सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। समपार फाटकों के दोनों ओर हरियाली विकसित की जाएगी तथा खाली पड़ी भूमि पर आकर्षक पौधे, घास और औषधीय उद्यान लगाए जाएंगे। वहीं गेट लॉज और आसपास की दीवारों पर स्थानीय कला, संस्कृति और रेलवे सुरक्षा से जुड़े चित्र उकेरकर उन्हें नया स्वरूप दिया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए फाटकों पर सीसीटीवी कैमरे, आधुनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम, एलईडी लाइट, सायरन एवं हूटर लगाए जाएंगे। इसके अलावा गेटमैन और स्टेशन मास्टर के बीच बेहतर समन्वय के लिए आधुनिक दूरसंचार व्यवस्था भी विकसित की जाएगी, ताकि ट्रेन आगमन से पहले सड़क यातायात को समय रहते सतर्क किया जा सके। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना के पूरा होने के बाद समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड के रेल फाटक न केवल अधिक सुरक्षित बनेंगे, बल्कि उनका स्वरूप भी आधुनिक और आकर्षक दिखाई देगा। इससे यात्रियों और आम लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ दुर्घटनाओं की आशंका में भी कमी आएगी।

गोविन्द शर्मा हत्याकांड का खुलासा, नामजद आरोपी गिरफ्तार,कई अहम दस्तावेज और कारतूस बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नगर थाना क्षेत्र के चर्चित गोविंद शर्मा हत्याकांड में मुजफ्फरपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले के नामजद अभियुक्त कुमार रूनजय ओंकार को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में बुधवार को वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय, मरीन ड्राइव, सिकंदरपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में पूरे मामले का खुलासा किया गया। जानकारी के अनुसार, 31 मई की रात नगर थाना क्षेत्र स्थित आइकॉन टॉवर अपार्टमेंट में गोविंद शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक की पत्नी के आवेदन पर नगर थाना कांड संख्या-321/26 दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ,नगर एवं अपर पुलिस अधीक्षक ,नगर-01 के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी एवं मानवीय आसूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने नामजद आरोपी कुमार रूनजय ओंकार, निवासी मीनापुर थाना क्षेत्र, को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक गोविंद शर्मा और आरोपी के बीच भूमि कारोबार, आपसी रंजिश तथा वर्चस्व स्थापित करने को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। दोनों पक्षों के बीच एक फॉर्च्यूनर वाहन के स्वामित्व और हस्तांतरण को लेकर भी विवाद था, जिसका उल्लेख प्राथमिकी में किया गया है। पुलिस ने आरोपी के घर की तलाशी के दौरान भूमि से जुड़े 30 से अधिक महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। इसके अलावा घटना स्थल एवं आसपास से एक फॉर्च्यूनर वाहन, दो मोबाइल फोन, मृतक का मोबाइल, 36 हजार 700 रुपये नकद, पांच कारतूस, पांच मिसफायर कारतूस तथा नौ खोखे भी बरामद किए गए हैं। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि मृतक और गिरफ्तार आरोपी दोनों पूर्व में कई आपराधिक मामलों में अभियुक्त रह चुके हैं। पुलिस का कहना है कि इस हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। फिलहाल मामले में अग्रेतर विधिसम्मत कार्रवाई जारी है और पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है।

एमएलसी दिनेश प्रसाद सिंह का व्हाट्सएप अकाउंट हैक, लोगों से पैसे मांग रहे साइबर ठग

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। साइबर अपराधियों ने अब जनप्रतिनिधियों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। बिहार विधान परिषद सदस्य दिनेश प्रसाद सिंह का व्हाट्सएप अकाउंट हैक कर लिया गया है। हैकर उनके नाम और पहचान का दुरुपयोग करते हुए लोगों को मैसेज भेजकर आर्थिक सहायता और रुपये की मांग कर रहे हैं। मामले की जानकारी मिलते ही एमएलसी दिनेश प्रसाद सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से आम लोगों, समर्थकों और परिचितों को सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने अपने आधिकारिक संदेश में बताया कि उनका व्हाट्सएप नंबर हैक हो गया है और साइबर अपराधी उनके नाम से लोगों को भ्रामक संदेश भेज रहे हैं। एमएलसी ने स्पष्ट कहा कि यदि उनके नाम से किसी को रुपये भेजने, आर्थिक सहायता करने या किसी प्रकार के वित्तीय लेन-देन से संबंधित संदेश प्राप्त होता है, तो उस पर बिल्कुल भी विश्वास न करें। साथ ही ऐसे संदेशों का जवाब देने या किसी प्रकार की धनराशि भेजने से बचें। उन्होंने कहा कि साइबर ठग लोगों को धोखाधड़ी का शिकार बनाने के लिए नई-नई तरकीबें अपना रहे हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध संदेश की तुरंत सूचना देने की आवश्यकता है। इस घटना के बाद क्षेत्र में साइबर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों से अपील की गई है कि किसी भी व्यक्ति की पहचान केवल व्हाट्सएप संदेश के आधार पर न मानें और आर्थिक लेन-देन से पहले संबंधित व्यक्ति से सीधे संपर्क कर सत्यापन अवश्य कर लें। साइबर विशेषज्ञों का भी मानना है कि इस तरह के मामलों में सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। किसी अनजान लिंक पर क्लिक करने, ओटीपी साझा करने या बिना पुष्टि के पैसे भेजने से बचना चाहिए।

शहर के बीचों-बीच कबाड़ में लगी आग हाईवे किनारे धुएं से बढ़ा प्रदूषण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के व्यस्त इलाके में मुख्य हाईवे किनारे कबाड़ में आग लगने से आसपास के क्षेत्र में प्रदूषण का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। जानकारी के अनुसार संजय सिनेमा हॉल के बगल में स्थित एक फोर व्हीलर एजेंसी के पास कबाड़ के ढेर में आग लग दी गई, जिससे घना धुआं निकलने लगा और पूरे इलाके में प्रदूषण फैल गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के बीचों-बीच इस तरह खुले में कबाड़ जलाने से वातावरण दूषित हो रहा है। धुएं के कारण राहगीरों, वाहन चालकों और आसपास के दुकानदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा खुले में कचरा और कबाड़ जलाने पर रोक लगाने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि पहले से ही गर्मी और प्रदूषण की मार झेल रहे शहर में इस तरह की घटनाएं स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। स्थानीय प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर आग बुझाने और प्रदूषण फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है।

अमेरिकी ट्रैवल ब्लॉगर मुजफ्फरपुर के हुए मुरीद, बोले 2026 की ट्रैवल लिस्ट में इस शहर को जरूर शामिल करें

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। आमतौर पर भारत आने वाले विदेशी पर्यटक ताजमहल, जयपुर, ऋषिकेश और गोवा जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की ओर आकर्षित होते हैं, लेकिन एक अमेरिकी कंटेंट क्रिएटर ने अपनी यात्रा के लिए अलग राह चुनी और बिहार के मुजफ्फरपुर पहुंच गए। यहां के अनुभवों से प्रभावित होकर उन्होंने सोशल मीडिया पर शहर की खुलकर तारीफ की, जिसका वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है। अमेरिकी कंटेंट क्रिएटर टोनी क्लोर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा करते हुए लोगों से अपील की कि वे अपनी वर्ष 2026 की ट्रैवल लिस्ट में मुजफ्फरपुर को जरूर शामिल करें। उन्होंने कहा कि यह शहर उन खास जगहों में शामिल है, जहां पहुंचकर भारत की असली संस्कृति, आत्मीयता और मानवीय रिश्तों को करीब से महसूस किया जा सकता है। टोनी क्लोर ने कहा कि मुजफ्फरपुर का माहौल और यहां के लोगों का अपनापन किसी भी यात्री को अपना बना लेता है। उन्होंने विशेष रूप से शहरवासियों के व्यवहार की सराहना करते हुए कहा कि यहां के लोग बेहद मिलनसार, सहयोगी और मददगार हैं। अपने वीडियो में उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि मुजफ्फरपुर में कहीं जाने के लिए लिफ्ट मांगने की जरूरत ही नहीं पड़ती, क्योंकि यहां के लोग खुद आगे बढ़कर मदद करने को तैयार रहते हैं। उनके अनुसार, शहर का भाईचारा, सादगी और लोगों की गर्मजोशी ही इसकी सबसे बड़ी पहचान है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो के बाद मुजफ्फरपुर एक बार फिर चर्चा में आ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विदेशी पर्यटक द्वारा शहर की सराहना करना पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। इससे न केवल मुजफ्फरपुर की सकारात्मक छवि देश-दुनिया तक पहुंचेगी, बल्कि पर्यटन को भी नया बढ़ावा मिल सकता है।

पताही एयरपोर्ट से जल्द शुरू होगी विमान सेवा

मुजफ्फरपुर। जिलेवासियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घोषणा की है कि मुजफ्फरपुर के पताही हवाईअड्डे से जल्द ही विमान सेवा शुरू की जाएगी। इसके लिए हवाईअड्डे के जीर्णोद्धार और रनवे निर्माण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। दरअसल मंगलवार को मोतीपुर प्रखंड के परसौनीनाथ पंचायत अंतर्गत गोसाईपुर स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पताही हवाईअड्डे को शुरू करने का जो वादा किया गया था, उसे अब धरातल पर उतारने का समय आ गया है। उन्होंने बताया कि हवाईअड्डे के जीर्णोद्धार कार्य के लिए टेंडर हो चुका है, जबकि रनवे निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही केंद्र सरकार के किसी वरिष्ठ मंत्री अथवा देश के गृह मंत्री के साथ वे पुनः मुजफ्फरपुर आएंगे और पताही हवाईअड्डा परियोजना का शिलान्यास करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि विमान सेवा शुरू होने से मुजफ्फरपुर और आसपास के क्षेत्रों के विकास को नई गति मिलेगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि मुजफ्फरपुर और मोतीपुर आज निवेश और व्यवसाय के प्रमुख केंद्र बनते जा रहे हैं। बाहरी राज्यों के व्यवसायी यहां निवेश करने में रुचि दिखा रहे हैं और जमीन की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में रोजगार और उद्योग की अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। पताही हवाईअड्डे से विमान सेवा शुरू होने के बाद उत्तर बिहार के लोगों को हवाई यात्रा के लिए पटना पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इससे व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

दो रेल मंडलों की समन्वयहीनता से गोबरसही गुमटी पर घंटों फंसी मालगाड़ी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। दो रेल मंडलों के बीच समन्वय की कमी का खामियाजा मंगलवार को आम लोगों और यात्रियों को भुगतना पड़ा। मुजफ्फरपुर से छपरा की ओर जा रही एक मालगाड़ी गोबरसही गुमटी पर एक घंटे से अधिक समय तक खड़ी रही, जिससे गोबरसही-सर्किट हाउस रोड पर लंबा जाम लग गया। घंटों तक गुमटी बंद रहने से राहगीरों का धैर्य जवाब दे गया और उन्होंने गेटमैन के पास पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कई लोग जान जोखिम में डालकर मालगाड़ी के नीचे से निकलते नजर आए। इस दौरान गेटमैन और स्थानीय लोगों के बीच नोकझोंक भी हुई। मौके पर तैनात आरपीएफ जवान मुकेश मीना ने लोगों को शांत कराया और मामले की सूचना वरीय अधिकारियों को दी। आरपीएफ इंस्पेक्टर मनीष कुमार के निर्देश पर जमादार आनंद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को तकनीकी कारणों की जानकारी देकर समझाने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार मालगाड़ी शाम 6:45 बजे से गोबरसही गुमटी पर खड़ी थी। मामले की सूचना शाम करीब 6:45 बजे के बाद समस्तीपुर मंडल को दी गई, जिसके बाद अधिकारियों में हड़कंप मच गया। समस्तीपुर मुख्यालय के वरीय अधिकारियों ने तत्काल मॉनिटरिंग शुरू की और मुजफ्फरपुर एरिया मैनेजर रविशंकर महतो तथा स्टेशन प्रबंधक शिवदास ने सोनपुर मंडल के कंट्रोल से समन्वय स्थापित किया। इसके बाद रात 7:55 बजे मालगाड़ी को आगे बढ़ाया जा सका, जिससे सड़क जाम समाप्त हुआ और लोगों ने राहत की सांस ली। मालगाड़ी के खड़े रहने का असर रेल यातायात पर भी पड़ा। मुजफ्फरपुर-रामदयालु नगर रेलखंड पर लाइन बाधित होने के कारण 55121 समस्तीपुर-सीवान पैसेंजर ट्रेन को मुजफ्फरपुर जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या दो पर लगभग 70 मिनट तक रोके रखना पड़ा। ट्रेन शाम 6:53 बजे जंक्शन पहुंची थी, लेकिन मालगाड़ी के हटने के बाद ही रात 8:04 बजे उसे रामदयालु नगर के लिए रवाना किया जा सका। इस दौरान यात्रियों ने भी रेलवे कर्मियों से नाराजगी जताई। रेलवे सूत्रों के अनुसार बगहा-पनियहवा रेलखंड पर चल रहे नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) कार्य के कारण कई मालगाड़ियों का रूट बदला गया है। इसी क्रम में मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-छपरा होकर गोरखपुर जाने वाली मालगाड़ियों का परिचालन किया जा रहा था। बताया गया कि हाजीपुर सेक्शन पर अधिक लोड होने के कारण एक मालगाड़ी को रामदयालु नगर स्टेशन पर रोक दिया गया था, जबकि तीसरी मालगाड़ी के परिचालन को लेकर सोनपुर मंडल ने अनुमति नहीं दी थी। इसके बावजूद समस्तीपुर मंडल के डिप्टी कंट्रोलर (गुड्स) ने मालगाड़ी को मुजफ्फरपुर से रामदयालु नगर तक चलाने की अनुमति दे दी।

तिरहुत के अपर निदेशक स्वास्थ्य रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने बुधवार सुबह तिरहुत प्रमंडल के अपर निदेशक (स्वास्थ्य) डॉ. अजय कुमार को 40 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई पटना स्थित उनके आवास के पास एक चाय दुकान से की गई। मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता की पत्नी मुजफ्फरपुर में तैनात हैं और वह अपनी वर्तमान ड्यूटी वहीं बनाए रखना चाहती थीं। इसी एवज में डॉ. अजय कुमार ने 50 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। इसकी शिकायत मिलने के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने मामले का सत्यापन कराया। शिकायत सही पाए जाने पर टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। बुधवार सुबह करीब सात बजे निगरानी टीम ने जाल बिछाकर डॉ. अजय कुमार को 40 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मुजफ्फरपुर स्थित क्षेत्रीय उप निदेशक कार्यालय में भी निगरानी टीम जांच में जुटी हुई है। डीएसपी रीता सिन्हा के नेतृत्व में डीएसपी पवन कुमार सहित कई अधिकारी कार्यालय से संबंधित दस्तावेजों और अन्य अभिलेखों की जांच कर रहे हैं। निगरानी विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है और जांच के आधार पर अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जाएगी।

मुजफ्फरपुर के लाल बने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश गांव में जश्न का माहौल ,बंटे 51 किलो लड्डू

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के लिए गर्व का क्षण है। जिले के मड़वन प्रखंड अंतर्गत चैनपुर गांव के निवासी चंद्रशेखर देश की सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीश बने हैं। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त होने की खबर मिलते ही उनके पैतृक गांव में खुशी की लहर दौड़ गई और ग्रामीणों ने इस उपलब्धि का भव्य उत्सव मनाया। श्री चंद्रशेखर इससे पहले रांची, जयपुर और मुंबई हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अब सुप्रीम कोर्ट में उनकी नियुक्ति को लेकर पूरे क्षेत्र में गौरव और उत्साह का माहौल है। हालांकि उनका परिवार वर्तमान में गांव से बाहर रहता है, लेकिन गांव की मिट्टी और लोगों से उनका जुड़ाव आज भी बरकरार है। मंगलवार को जैसे ही ग्रामीणों को उनके सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनने की जानकारी मिली, गांव के शुभचिंतक, रिश्तेदार और मित्र एकत्रित हो गए। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और बधाई देकर खुशी का इजहार किया। ग्रामीणों का कहना है कि जस्टिस चंद्रशेखर ने अपनी मेहनत, ईमानदारी और लगन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जिससे पूरे मुजफ्फरपुर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। जस्टिस चंद्रशेखर के फुफेरे भाई उमेश सिंह ने बताया कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पैतृक आवास पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। साथ ही ग्रामीणों और आगंतुकों के बीच 51 किलो लड्डू वितरित कर खुशी साझा की गई। पैक्स अध्यक्ष निरंजन सुमन सहित कई गणमान्य लोगों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए सम्मान और गर्व का विषय बताया। इस अवसर पर युगल किशोर सिंह, विनोद कुमार सिंह, विजय कुमार सिंह, रमेश सिंह, बागेश्वर तिवारी, धीरज कुमार सिंह, सुमंत सिंह, धीरज सिंह, जितेंद्र सिंह, नवल किशोर सिंह, अनिल साह, पंकज कुमार सिंह तथा बिहार बार एसोसिएशन के सदस्य उमेश प्रसाद सिंह समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने बताया कि जस्टिस चंद्रशेखर की प्रारंभिक शिक्षा गांव में हुई, जबकि मैट्रिक तक की पढ़ाई मीनापुर हाईस्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने एल.एस. कॉलेज, मुजफ्फरपुर से स्नातक की डिग्री हासिल की और आगे चलकर दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की। उनकी यह सफलता आज क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

तिहुत सैटेलाइट टाउनशीप परियोजना किसान व जनविरोधी : माले

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।तिरहुत सैटेलाइट परियोजना कॉरपोरेट पूंजीपति घरानों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाई गई है। मुजफ्फरपुर शहर के चारोओर किसानों व आमलोगों से 22 हजार एकड़ जमीन अधिग्रहण करने की घोषणा से किसान व आमलोगों में भारी विक्षोभ है। उनकी जमीन की खरीद-ब्रिक्री पर रोक लगा देना और मोतीपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा फिर से ऐलान करने से लोग भयभीत हैं। भाकपा-माले सैटेलाइट टाउनशीप के खिलाफ किसानों व किसान संगठनों, आमलोगों तथा सामाजिक शक्तियों को गोलबंद कर जनआंदोलन तेज करेगी। माले जिला सचिव जितेन्द्र यादव और पूर्व जिला सचिव सह मुजफ्फरपुर महानगर प्रभारी कृष्णमोहन ने बयान जारी कर यह घोषणा की है। माले नेताओं ने कहा है कि मुख्यमंत्री ने मोतीपुर चीनी मिल और पताही हवाई एयरपोर्ट को फिर से चालू करने की घोषणा की है जिसपर जनता को भरोसा नहीं हो रहा है। पिछले कई वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोतीपुर और पताही हवाई अड्डा मैदान में लोकसभा और विधान सभा चुनाव के दौरान आयोजित सभा से इस तरह की घोषणा करते रहें हैं, लेकिन चालू नहीं हो सका। मुजफ्फरपुर वासियों को मुख्यमंत्री की फिर से घोषणा महज छलावा लग रहा है। माले नेताओं ने कहा है कि बिहार में भाजपा सरकार बनने के साथ ही अपराध, हत्या व लूट की घटनाएं बेतहाशा बढी.है। शहर से गांव तक बेखौफ अपराधियों से लोग भयभीत हैं। सभी सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार चरम पर है। आमलोग परेशान हैं। मुख्यमंत्री द्वारा अपराधियों और भ्रष्टाचारियों पर कारवाई करने की बार-बार घोषणा हास्यास्पद है। बढ़ते अपराध, लूट, हत्या और भ्रष्टाचार के खिलाफ शहर से गांव तक लोगों को सड़क पर उतर कर आंदोलन तेज करना होगा।

अंकपत्र के लिए भटक रहे 80 हजार छात्र डीआरसीसी का पोर्टल ठप होने से बढ़ी परेशानी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मैट्रिक और इंटर के अंकपत्र एवं प्रमाणपत्र लेने पहुंचे हजारों छात्र-छात्राओं को इन दिनों भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दो दिनों से विद्यार्थी स्कूलों और जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र (डीआरसीसी) के बीच चक्कर काट रहे हैं, लेकिन न तो उनका निबंधन हो पा रहा है और न ही उन्हें अंकपत्र व प्रमाणपत्र मिल पा रहे हैं। जिले के 80 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं इस समस्या से प्रभावित हैं। शिक्षा विभाग के निर्देश के अनुसार अब मैट्रिक और इंटर के विद्यार्थियों को अंकपत्र एवं प्रमाणपत्र प्राप्त करने से पहले डीआरसीसी में कुशल युवा कार्यक्रम के तहत निबंधन कराना अनिवार्य कर दिया गया है। निबंधन के बाद मिलने वाली पावती रसीद स्कूल या कॉलेज में जमा करने पर ही प्रमाणपत्र वितरित किए जाएंगे। बिना पावती रसीद के किसी भी छात्र को अंकपत्र या प्रमाणपत्र देने पर रोक लगा दी गई है। हालांकि, स्थिति यह है कि डीआरसीसी का पोर्टल पिछले दो दिनों से सही तरीके से काम नहीं कर रहा है। भीषण गर्मी के बीच बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं निबंधन कराने केंद्र पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें यह कहकर वापस लौटा दिया जा रहा है कि तकनीकी कारणों से निबंधन संभव नहीं है। इससे छात्रों और अभिभावकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। कल कई छात्र और अभिभावक अपनी शिकायत लेकर अधिकारियों के पास भी पहुंचे। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय की ओर से सभी स्कूलों और कॉलेजों को निर्देश दिया गया है कि स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता और कुशल युवा योजना का लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है। औपबंधिक प्रमाणपत्र, अंकपत्र और अन्य दस्तावेजों का वितरण भी इसी पावती रसीद के आधार पर किया जाना है। डीआरसीसी अधिकारियों के अनुसार तकनीकी कारणों से निबंधन फॉर्म डाउनलोड नहीं हो पा रहा था, जिससे प्रक्रिया प्रभावित हुई। अधिकारियों ने बताया कि अब पोर्टल को संशोधित कर दिया गया है और उम्मीद है कि कल से छात्रों का निबंधन सुचारू रूप से शुरू हो जाएगा। फिलहाल छात्र-छात्राएं और अभिभावक इस उम्मीद में हैं कि जल्द ही तकनीकी समस्या दूर होगी और उन्हें आवश्यक दस्तावेज प्राप्त हो सकेंगे।

बिजली पोल से तार की चोरी , आपूर्ति ठप

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।जिले के बंदरा प्रखंड स्थित मुन्नी चौड़ में अज्ञात चोरों ने सोमवार रात बिजली के तार चुरा लिए। करीब 30 बिजली के खंभों से हाईवोल्टेज और लो वोल्टेज के तार काटे गए हैं। इस घटना से बिजली विभाग को लगभग तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ है। बंदरा के कनीय विद्युत अभियंता अभिषेक रंजन ने बताया कि मुन्नी बैंगरी पंचायत के मुन्नी चौड़ में कृषि कार्य के लिए लगाए गए बिजली के तार अज्ञात चोरों द्वारा काट लिए गए। उन्होंने इस संबंध में हत्था थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। हत्था थानाध्यक्ष लोकेश कुमार चौधरी ने पुष्टि की कि उन्हें बिजली तार चोरी की लिखित शिकायत मिली है। उन्होंने बताया कि आवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

चोरों का आतंक : एक ही रात में चार घरों को बनाया निशाना

मुजफ्फरपुर। जिले के बंदरा प्रखंड अंतर्गत हत्था पंचायत के लोहरखा गांव में चोरों ने एक ही रात में चार घरों को निशाना बनाकर सनसनी फैला दी। घटना वार्ड संख्या 2 एवं 3 की है, जहां देर रात करीब 1:30 बजे अज्ञात चोरों ने कई घरों में घुसकर सोना-चांदी, नकदी और मोबाइल फोन की चोरी कर ली। पीड़ितों में उमेश राय , नागेंद्र राय , चंदन राय तथा रामसंजोग राय शामिल हैं। बताया जा रहा है कि परिवार के लोग रात में सो रहे थे, इसी दौरान चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। सुबह घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तत्काल हत्था थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा चोरी में शामिल अपराधियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल है। लोगों ने क्षेत्र में रात्रि गश्ती बढ़ाने और जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

समारोह पूर्वक मनाई गई पूर्व रक्षामंत्री समाजवादी नेता जार्ज फर्नांडिस की जयंती

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।महान समाजवादी नेता एवं देश के पूर्व रक्षा मंत्री स्व. जॉर्ज फर्नांडिस की जयंती आज कंपनीबाग स्थित जॉर्ज स्मृति उद्यान में समारोहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित समारोह में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत जॉर्ज फर्नांडिस की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। मंत्री श्रवण कुमार के साथ जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन, वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा एवं अन्य अतिथियों ने उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा निवेदित की ।मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने महान समाजवादी नेता स्व.जॉर्ज फर्नांडिस के जीवन संघर्ष और देश के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि जॉर्ज फर्नांडिस का व्यक्तित्व और कृतित्व दोनों ही अनुकरणीय हैं। आज की नई पीढ़ी को उनके आदर्शों, विचारों और मूल्यों को आत्मसात करने तथा उनके बताये रास्ते पर चलने की जरूरत है। समारोह में उपस्थित लोगों ने महान समाजवादी नेता के संघर्षशील व्यक्तित्व एवं देश के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान को याद करते हुए उनके बताये रास्ते पर चलने का संकल्प व्यक्त किया ।इस अवसर पर रून्नीसैदपुर के विधायक पंकज मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक कुमार, पूर्व मेयर सुरेश कुमार, पूर्व जदयू जिलाध्यक्ष रामबाबू कुशवाहा, महानगर जदयू अध्यक्ष अरूण सिन्हा, वार्ड पार्षद के पी पप्पु सहित कई सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिला प्रशासन की ओर से जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन, वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा, उप विकास आयुक्त श्रेष्ठ अनुपम, नगर आयुक्त ऋतुराज प्रताप सिंह सहित जिले के कई वरीय अधिकारी भी श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। सभी अधिकारियो ने स्व.जॉर्ज फर्नांडिस की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धा निवेदित की।

प्रचंड गर्मी में डॉ. ब्रह्मानंद सहनी ने लगाया निःशुल्क चिकित्सा शिविर

मुजफ्फरपुर। जिले के कुढ़नी प्रखंड स्थित एक दलित बस्ती में भीषण गर्मी और बढ़ते स्वास्थ्य संकट को देखते हुए समाजसेवी डॉ. ब्रह्मानंद सहनी के नेतृत्व में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया और स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। कार्यक्रम की शुरूआत स्थानीय ग्रामीणों द्वारा डॉ. सहनी का माला पहनाकर स्वागत करने के साथ हुई। इसके बाद करीब 200 लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। मरीजों को आवश्यक दवाएं मुफ्त उपलब्ध कराई गईं तथा गर्मी से बचाव के लिए ओआरएस के पैकेट भी वितरित किए गए। डॉ. ब्रह्मानंद सहनी ने बताया कि वह पिछले पांच वर्षों से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जरूरतमंद लोगों के बीच निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ती हैं, ऐसे में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लोग अक्सर नियमित स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते हैं। ऐसे लोगों तक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया है। शिविर के माध्यम से मरीजों को जांच, परामर्श और दवा उपलब्ध कराई गई है। डॉ. सहनी ने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी जरूरतमंदों के बीच इस तरह के जनहितकारी और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे। शिविर के आयोजन से स्थानीय लोगों में खुशी देखी गई और उन्होंने इस पहल की सराहना की।

मलेशिया का फैसला - 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रतिबंध

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

डिजिटल युग में सोशल मीडिया मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। आज फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म न केवल मनोरंजन और संवाद के माध्यम हैं, बल्कि सूचना, शिक्षा और व्यवसाय के भी महत्वपूर्ण साधन बन गए हैं। लेकिन इन प्लेटफॉर्मों के बढ़ते प्रभाव ने बच्चों और किशोरों के मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंताएं भी पैदा की हैं। इसी चिंता को ध्यान में रखते हुए मलेशिया ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट रखने पर प्रतिबंध लगाने वाले नए नियम लागू कर दिए हैं। यह फैसला केवल मलेशिया तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर में बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर चल रही बहस और प्रयासों का हिस्सा है। इस कदम ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या सोशल मीडिया बच्चों के लिए लाभकारी है या फिर यह उनके विकास के लिए खतरा बनता जा रहा है। पिछले एक दशक में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच में जबरदस्त वृद्धि हुई है। बच्चों के हाथों में मोबाइल फोन आ चुके हैं और कम उम्र में ही वे सोशल मीडिया की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। कई सर्वेक्षणों से पता चला है कि 10 से 15 वर्ष के बच्चे प्रतिदिन कई घंटे सोशल मीडिया पर बिताते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अत्यधिक सोशल मीडिया उपयोग से बच्चों में अवसाद, चिंता, आत्मविश्वास की कमी, साइबर बुलिंग, नींद की समस्या और पढ़ाई में गिरावट जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। इसके अलावा ऑनलाइन शोषण, फर्जी सूचनाओं और हानिकारक सामग्री तक पहुंच का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। मलेशिया सरकार का कहना है कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए केवल अभिभावकों की निगरानी पर्याप्त नहीं है। तकनीकी कंपनियों को भी जिम्मेदारी उठानी होगी। मलेशिया में लागू किए गए नए नियमों के तहत 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाने की अनुमति नहीं होगी। इन नियमों की प्रमुख विशेषताएं हैं- सोशल मीडिया कंपनियों को अनिवार्य रूप से आयु सत्यापन प्रणाली लागू करनी होगी। 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नए अकाउंट बनने से रोकना होगा। पहले से मौजूद अकाउंट्स की भी समीक्षा की जाएगी। नियम उन प्लेटफॉर्मों पर लागू होंगे जिनके कम से कम 80 लाख उपयोगकर्ता हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, यूट्यूब और अन्य बड़े प्लेटफॉर्म इसके दायरे में आएंगे। नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर एक करोड़ रिंगिट तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सोशल मीडिया कंपनियां केवल लाभ कमाने तक सीमित न रहें, बल्कि बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी निभाएं। मलेशिया पहला देश नहीं है जिसने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर कड़े कदम उठाए हैं। दुनिया के कई देशों में इस दिशा में कानून बनाए जा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने भी किशोरों के सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करने के लिए सख्त नियमों पर काम शुरू किया है। वहां बच्चों की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को सोशल मीडिया से जोड़कर देखा जा रहा है। यूरोपीय संघ का डिजिटल सर्विसेज एक्ट तकनीकी कंपनियों को बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष उपाय लागू करने के लिए बाध्य करता है। अमेरिका के कई राज्यों में ऐसे कानूनों पर चर्चा चल रही है जिनके तहत बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग के लिए अभिभावकों की अनुमति आवश्यक हो सकती है। चीन पहले से ही इंटरनेट और सोशल मीडिया के उपयोग पर काफी सख्त नियंत्रण रखता है। वहां बच्चों के ऑनलाइन गेमिंग समय पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। मलेशिया का नया कानून इसी वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा माना जा रहा है। सोशल मीडिया के कुछ सकारात्मक पहलू अवश्य हैं, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार इसके कई गंभीर दुष्प्रभाव भी हैं। लगातार दूसरों की जीवनशैली, सुंदरता और सफलता देखकर बच्चों में हीन भावना विकसित हो सकती है। लाइक और फॉलोअर्स की संस्कृति आत्मसम्मान को प्रभावित करती है। ऑनलाइन उत्पीड़न आज दुनिया भर में बड़ी समस्या बन चुका है। कई बच्चे सोशल मीडिया पर अपमान, धमकी और मानसिक प्रताड़ना का शिकार होते हैं। बच्चे अक्सर सत्य और असत्य में अंतर नहीं कर पाते। इससे वे अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं के प्रभाव में आ सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों को अपराधियों, ठगों और यौन शोषण करने वाले लोगों से खतरा रहता है।

केवल एक पृथ्वी

27 अप्रैल 2026 को एक कीर्तिमान स्थापित हुआ। उस दिन पूरी दुनिया में के 50 सर्वाधिक तापमान वाले शहर भारत में थे । उत्तर प्रदेश में 21, महाराष्ट्र में 10, मध्यप्रदेश में 6 राजस्थान में 6, हरियाणा में 4 ओर शेष दिल्ली, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में । बिजली की मांग इतनी बढ़ गई कि हाहाकार हो गया। समाचार पत्र के अनुसार बांदा में विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा करीब 1400 ट्रांसफार्मर पर पानी डालकर उन्हें ठंडा रखने का प्रयास किया गया जिससे कि वो इस असहनीय गर्मी के फलस्वरूप जल ना जाए । 50 डिग्री सेल्सियस, क्या अब नया सामान्य है ? स्विजरलैंड की संस्था द्वारा किए गए सर्वेक्षण में विश्व के 117 देशों के 6500 शहरों में से 35 सबसे प्रदूषित शहर भारत में है और चौथी बार लगातार दिल्ली विश्व का सबसे प्रदूषित शहर रहा । दिल्ली में सॉलिड पार्टिकुलेट मैटर (SPM) 15% बढ़ा। यह रक्त कोशिकाओं में जाकर स्वास्थ्य को अत्यधिक नुकसान पहुंचाते हैं। उत्तराखंड में जमीन धंसने से मकानों को खतरा। समुद्र तल से करीब 10000 फीट ऊपर हवा में,पहाड़ों से निकलती अलकनंदा नदी में पाई गई मछलियों, समुद्र से प्राप्त नमक में भी प्लास्टिक के कण मिले। असंतुलित जलवायु और अत्यधिक के तापमान के कारण सिकुड़ी हुए कोई गेहूं की उपज 23 कुंटल के स्थान पर 16 कुंटल हुई' क्या यह सब टेलीविजन या अखबार के समाचारों की सुर्खियां मात्र है या इनका प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ रहा है? हर वर्ष हम पर्यावरण दिवस मनाते है। यद्यपि की हर साल थीम अलग-अलग होती है परन्तु उन सभी मैं केवल एक ही संदेश अंतर्निहित है - हमारे पास "केवल एक पृथ्वी" है। अरबों गैलेक्सीयों के बावजूद भी हमारी जानकारी अनुसार जीवन तो केवल अपनी पृथ्वी पर ही है। "हम सब" यानी मनुष्य,पेड़-पौधे, जीव जंतु,आदि "केवल इस पृथ्वी" पर ही जीवित रह सकते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का सिलसिला यूएनईपी के द्वारा वर्ष 1974 में प्रारंभ किया गया था। आज 48 वर्षों के उपरांत मनुष्य की गतिविधियों के परिणाम स्वरूप पर्यावरण की स्थिति बद से बदतर हो गई है। अब "पर्यावरण आपदा" हेतु यह माना जा रहा है कि वर्तमान पीढ़ी ही है जो युद्ध स्तर पर कदम उठाकर पृथ्वी को सहेज सकती है। अगर हमारी पृथ्वी स्वस्थ व संरक्षित नहीं रही तो हमारे अपने बच्चों वह उनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। हम विरासत में कैसी पृथ्वी देना चाहते हैं? अपनी एक पृथ्वी के संरक्षण की आवश्यकता क्यों? वर्तमान में प्रजातियों के विलुप्तकरण की गति सामान्य से 10 हजार गुना अधिक है। 25 वर्षों में 8462 प्रजातियां सदैव के लिए विलुप्त हो गई हैं जिनमें पशु- पक्षी,वृक्ष आदि सभी सम्मिलित हैं' गिद्ध गायब हो गए हैं और हर स्थान पर पाने वाली स्पैरो के लिए अब हम वर्ल्ड स्पैरो डे बनाते हैं। वर्तमान में 4415 प्रजातियां आईयूसीएन की रेड सूची में हैं यानी उनका अस्तित्व अत्यधिक खतरे में है। यदि इन सब के अस्तित्व पर प्रभाव पड़ रहा है तो मनुष्य कैसे बच सकता है? यह साइंस फिल्म की काल्पनिक बात नहीं है की अब एंटार्कटिका में भी हीट वेव आई। माइनस 51 डिग्री सेंटीग्रेड के स्थान पर सामान्य से 40 डिग्री अधिक तापमान रहा। 200 वर्ग किलोमीटर का आइस बर्ग जो कि हजारों वर्ष में बना था चकनाचूर होकर समुद्र में मिल गया। विभिन्न स्थानों पर ग्लेशियर भयानक गति से पिघल रहे हैं और समुद्रों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। 80 करोड़ लोग समुद्र से 100 किलोमीटर की दूरी में रहते हैं। क्लाइमेट रिफ्यूजी शब्द ने जन्म लिया है और यह अनुमानित है कि 2050 तक इनकी संख्या डेढ़ करोड़ होगी। यह भी अनुमानित है कि समुद्र में जा रहे कूड़े और प्रदूषण के कारण 700 से अधिक प्रजातियां प्रभावित हैं और कदाचित 2050 तक मछलियां बचेगी ही नहीं। गर्म होते हुए समुद्रों के कारण जलवायु पर भयंकर प्रभाव पड़ा है। 2016 के उपरांत भारत में साइक्लोन की संख्या तेजी से बढ़ी है। मॉनसून की अवधि पर भी प्रभाव पड़ा है, अक्टूबर-नवंबर तक 60% से अधिक वर्षा हुई और मॉनसून देर से समाप्त हुआ।

मोदी सरकार के बेमिसाल 12 साल : सशक्त व समर्थ भारत का निर्माण

आज पूरी दुनिया यह मान रही है कि भारत का नेतृत्व मजबूत और प्रभावी है। दुनिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मजबूत और प्रभावी नेतृत्व का एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जो अपने वादों को पूरा करते हैं। मोदीजी के नेतृत्व में दस वर्षों का शासनकाल ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है, जहां उन्होंने न सिर्फ अपने द्वारा दिए गये वचनों को पूरा किया है, बल्कि 1951-52 में देश के साथ किये गये वायदों को भी पूरा किया है। कश्मीर से धारा 370 को हटाने के लिए हमारे श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने जीवन तक का बलिदान दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धारा 370 को हटाकर सिद्ध किया कि मोदी यानी हर गारंटी के पूरे होने की गारंटी। पांच सदी तक देश के लोग मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम की जन्मस्थली पर मंदिर का सपना देख रहे थे, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने साकार करते हुए यह सिद्ध किया कि भारत की संस्कृति और इतिहास के सुरक्षित रहने की भी गारंटी सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के पास है। मोदी की गारंटी देश के आमजन की आकांक्षाओं के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह उनकी सरकार के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा करने के दृढ़ संकल्प को भी दर्शाती है।

डॉ. धर्मशीला गुप्ता

लेखक

भारत की राजनीति में एक धारणा सी बन गई थी कि चुनाव के समय सिर्फ लोक लुभावने वायदे करो और सत्ता में आते ही उसे भूल जाओ। सरकार भी अपने वायदे और कार्यों को किसी गारंटी के अधीन नहीं मानती थी। जनता सरकारों को देश के विकास एवं सेवाएं प्रदान करने का काम सौंपती थी, सरकारी जवाबदेही स्वाभाविक रूप से गारंटी के अधीन नहीं होती थी। आज पूरी दुनिया यह मान रही है कि भारत का नेतृत्व मजबूत और प्रभावी है। दुनिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मजबूत और प्रभावी नेतृत्व का एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जो अपने वादों को पूरा करते हैं। मोदीजी के नेतृत्व में दस वर्षों का शासनकाल ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है, जहां उन्होंने न सिर्फ अपने द्वारा दिए गये वचनों को पूरा किया है, बल्कि 1951-52 में देश के साथ किये गये वायदों को भी पूरा किया है। कश्मीर से धारा 370 को हटाने के लिए हमारे श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने जीवन तक का बलिदान दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धारा 370 को हटाकर सिद्ध किया कि मोदी यानी हर गारंटी के पूरे होने की गारंटी। पांच सदी तक देश के लोग मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम की जन्मस्थली पर मंदिर का सपना देख रहे थे, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने साकार करते हुए यह सिद्ध किया कि भारत की संस्कृति और इतिहास के सुरक्षित रहने की भी गारंटी सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के पास है। मोदी की गारंटी देश के आमजन की आकांक्षाओं के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह उनकी सरकार के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा करने के दृढ़ संकल्प को भी दर्शाती है। यह हमें एक ऐसी राजनीतिक घटना का साक्षी बनाती है, जिसका अब तक अभाव था, जहां वादों का अर्थ होता है, उन्हें सार्थक रूप से लागू करने की गारंटी। हम इस सच्चाई के साक्षी रहे हैं कि आजादी के दशकों तक हमारे देश में ज्यादातर लोग जीवन यापन के लिए बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहे हैं। 2014 से जो बदलावों का एक सिलसिला शुरू हुआ, जिसने हमें उम्मीद दी और बुनियादी चिंताओं से परे सपने देखने का साहस दिया। इसके कारण हमें भारत में हुए जबरदस्त बदलाव दुनिया के लिए मिशाल बनने लगा है। 60 के दशक में खाद्यान्न के लिए निर्भर रहने वाला भारत आज दुनिया के सबसे बड़े अनाज निर्यातकों में से एक बन गया है। वंचित लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा कवच देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने समाज के अंतिम व्यक्ति को भूखे नहीं सोने देने की जो गारंटी दी वह पूरी हो रही है। प्रधानमंत्री जी ने फैसला किया था कि वे किसी भी गरीब को भूखा नहीं सोने देंगे तो प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ भारतीयों को मुफ्त राशन मिलता है और इसे अगले पांच सालों के लिए बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा, देश के अन्नदाताओं, किसानों को हर दृष्टि से सहयोग समर्थन दिया गया है, जो आज 11 करोड़ से अधिक किसानों को लाभान्वित करता है। मोदी जी के नेतृत्व में सरकार के प्रयास से 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। यह एक ऐसी उपलब्धि है जो कभी पिछली सरकारों में "गरीबी हटाओ" जैसे नारों तक सीमित थी। वंचितों के लिए प्रधानमंत्री की चिंता, उनके वर्षों के सार्वजनिक जीवन के अनुभव और देश भर में उनकी व्यापक यात्राओं से उपजी है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी जी के शब्दों में उनकी सरकार ने गरीबों को सेवाओं की घर-घर डिलीवरी को, अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में सेवा की भावना के साथ अपना काम शुरू किया। मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण होने के बाद तीन करोड़ और पक्के मकान बनाने की घोषणा सभी के लिए आवास की दिशा में एक अनूठी गारंटी। मोदी सरकार ने आसान लक्ष्यों को चुनने के बजाय लंबे समय से अटके मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की सोच ने सरकार को जनकल्याणकारी कार्यों को हकीकत बनाने में मदद की है। जो गांव पहले गुमनामी में जीने को अभिशप्त थे, उनका शत-प्रतिशत विद्युतीकरण, सड़कों से जोड़कर सुविधा संपन्न बनाना इस सोच का एक सटीक उदाहरण है। आजादी के कई सालों बाद भी बीमारी और स्वास्थ्यगत मुश्किलों के दौरान पानी ढोने में महिलाएं सबसे आगे थीं। प्रधानमंत्री ने हर घर को पानी उपलब्ध कराने के लिए ऐतिहासिक कार्य किया है, जल-जीवन मिशन इसका प्रमाण है। आज घरों में नल-जल का कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में केंद्र में नई सरकार बनी, तब देश भ्रष्टाचार, धीमी अर्थव्यवस्था और सिस्टम की सुस्ती जैसे मुद्दों से जूझ रहा था। 2026 में जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो पाते हैं कि बीते 12 साल सिर्फ एक सरकार के कार्यकाल के नहीं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था और उसकी वैश्विक साख व धाक में बड़ा बदलाव आया है। मोदी सरकार ने कई ऐसे फैसले लिए, जिससे भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर करने और विकसित भारत की बुनियाद रखने में बड़ी भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री जन धन योजना के माध्यम से आम लोगों को बैंक से जोड़ा गया। इसके बाद आधार कार्ड को मोबाइल और बैंक खातों से जोड़ा गया। 2016 में यूपीआई लॉन्च हुआ, जिसने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल भुगतान तंत्र बना दिया। भारत में बैंकिंग व्यवस्था का लोकतांत्रीकरण हो गया। अब सरकारी सब्सिडी और मदद बिचौलियों के हाथों से गुजरने के बजाय सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में पहुंचने लगी, जिससे भ्रष्टाचार पर करारी चोट लगी। देश कैश-आधारित अर्थव्यवस्था से तेजी से डिजिटल-फर्स्ट इकोनॉमी की तरफ बढ़ गया। मोदी सरकार ने देश के विकास की रफ्तार बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा। प्रधानमंत्री गतिशक्ति मास्टरप्लान और नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन के जरिए देश के कोने-कोने को जोड़ने का काम शुरू हुआ। नेशनल हाईवे बनाने की रफ्तार को बढ़ाकर 30-40 किलोमीटर प्रतिदिन तक पहुंचाया गया।

आखिर योगी आदित्यनाथ ने आततायियों को दिया सख्त संदेश

उधर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने सूर्या प्रताप चौहान हत्याकांड का जिक्र करते हुए स्पष्ट और सख्त लहजे में कहा है कि दोस्ती की आड़ में छुरेबाजी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। बिजनौर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने इस मामले पर कड़े निर्देश दिए उन्होंने शोहदों और ऐसे अपराध करने वाले युवाओं को नसीहत देते हुए कहा कि नालायक औलादों को समझाना जरूरी है, वरना अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें। सरकार कानून का पालन करने वाले आम नागरिकों के साथ खड़ी है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा संदेश साफ है कि यूपी को बांग्लादेश या पाकिस्तान समझना भूल होगी। बर्बरता और जघन्यता का माकूल जबाव पुलिस बिना देरी के देगी। आपको बता दें देश के कई इलाकों में जिस तरह की सांप्रदायिक नफरत और प्रतिशोध से भरी वारदातें सामने आती हैं उस से लगता है कि इन वारदातों के पीछे कोई ऐसी पूरी सुनियोजित साजिश रहती है जो नफरत और खूनी दरिंदगी भरी मानसिकता का बीजारोपण करती है

मनोज कुमार अग्रवाल

लेखक

आखिर यूपी पुलिस ने बकरीद के दिन एक सत्रह साल के हिन्दू छात्र की चाकू घोंप कर नृशंसता भरी बर्बर हत्या करने वाले मुख्य हत्यारे असद का एनकाउंटर कर अराजक हिंसक तत्वों को कड़ा संदेश दे दिया है। उधर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने सूर्या प्रताप चौहान हत्याकांड का जिक्र करते हुए स्पष्ट और सख्त लहजे में कहा है कि दोस्ती की आड़ में छुरेबाजी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। बिजनौर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने इस मामले पर कड़े निर्देश दिए उन्होंने शोहदों और ऐसे अपराध करने वाले युवाओं को नसीहत देते हुए कहा कि नालायक औलादों को समझाना जरूरी है, वरना अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें। सरकार कानून का पालन करने वाले आम नागरिकों के साथ खड़ी है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा संदेश साफ है कि यूपी को बांग्लादेश या पाकिस्तान समझना भूल होगी। बर्बरता और जघन्यता का माकूल जबाव पुलिस बिना देरी के देगी। आपको बता दें देश के कई इलाकों में जिस तरह की सांप्रदायिक नफरत और प्रतिशोध से भरी वारदातें सामने आती हैं उस से लगता है कि इन वारदातों के पीछे कोई ऐसी पूरी सुनियोजित साजिश रहती है जो नफरत और खूनी दरिंदगी भरी मानसिकता का बीजारोपण करती है पिछले कुछ समय में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और इस से सटे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में ऐसी कई बर्बरता भरी वारदातों को अंजाम दिया जा चुका है जिनसे लगता है कि कानूनी सख्ती के बावजूद दरिंदों में पुलिस और कानून का रंचमात्र भय नहीं है। ताजा घटनाक्रम में गाजियाबाद से एक बेहद सनसनीखेज और कलेजा कँपा देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ खोड़ा थाना क्षेत्र में बकरीद के दिन एक 17 वर्षीय हिंदू किशोर, सूर्या चौहान की उसके ही पूर्व परिचित मुस्लिम दोस्तों ने बेरहमी से चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने से ठीक पहले कट्टरपंथी हमलावरों ने पीड़ित से पूछा, क्या तुमने कभी बकरा हलाल होते देखा है? आज तुझे दिखाते हैं। आरोप है कि यह कहते ही उन्होंने सूर्या पर ताबड़तोड़ चाकुओं से हमला कर दिया। नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने रविवार के तड़के मुख्य आरोपी असद को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है इस से पहले 3 नामजद आरोपितों को गिरफ्तार किया और 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया । आपको बता दें मृतक सूर्या चौहान मूल रूप से एटा का रहने वाला था। वह नवनीत विहार, खोड़ा में अपनी माँ, बड़े भाई यश चौहान और छोटी बहन के साथ रहता था। उसके पिता कौशलेंद्र की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। सूर्या 11वीं कक्षा का छात्र था। जानकारी के मुताबिक, करीब 8 महीने पहले सूर्या का पड़ोस में रहने वाले असद नाम के युवक से किसी बात पर मामूली विवाद हुआ था। इसी पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए असद ने बकरीद के पवित्र दिन को चुना। 28 मई की दोपहर को असद ने सूर्या को फोन किया। उसने सूर्या को बकरीद की पार्टी के बहाने मिलने के लिए चौधरी स्कूल के पास वाली गली नंबर 2 में बुलाया।सूर्या अपने दोस्त आयुष और विक्की के साथ असद से मिलने पहुँचा था। विक्की और आयुष ने आँखों देखा हाल बताते हुए बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया। विक्की ने बताया कि जैसे ही वे गली में पहुँचे, वहाँ पहले से ही असद, नवाब, फरहान, आतिफ और सारिक समेत 5 से 6 मुस्लिम युवक हथियारों के साथ घात लगाकर बैठे थे बताया जा रहा है कि आते ही उन्होंने सूर्या को चारों तरफ से दबोच लिया। इसके बाद उन्होंने सांप्रदायिक और हिंसक टिप्पणी करते हुए पूछा कि क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है? बताया गया है कि आरोपितों ने चिल्लाते हुए कहा कि आज बकरीद है और आज कुबार्नी इस हिंदू लड़के की देंगे। यह कहते ही सभी आरोपितों ने सूर्या पर बड़े चाकुओं से हमला बोल दिया। उन्होंने सूर्या के पेट, सीने और शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ कई वार किए। हमला इतना बर्बर था कि चाकुओं की गोदने की वजह से सूर्या की आंतें तक बाहर आ गई।मौके पर चीख-पुकार और शोर मच गया। शोर सुनकर पास ही मौजूद सूर्या का भाई यश चौहान और उसकी माँ दौड़ते हुए घटना स्थल की तरफ भागे। परिजनों को अपनी तरफ आता देख सभी मुस्लिम हमलावर खून से लथपथ सूर्या को तड़पता हुआ छोड़कर मौके से फरार हो गएपरिजन आनन-फानन में गंभीर रूप से घायल सूर्या को नोएडा के सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल लेकर पहुँचे। वहाँ डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद अगले दिन यानी 29 मई को दोपहर करीब 12 बजे सूर्या ने दम तोड़ दिया। सूर्या की मौत की खबर जैसे ही खोड़ा इलाके में फैली, वहाँ भारी रोष और सांप्रदायिक तनाव की स्थिति बन गई। हिंदू समाज का कहना है कि यह केवल दो गुटों की लड़ाई नहीं, बल्कि बहुसंख्यक समाज की सुरक्षा पर सीधा प्रहार है। आपको बता दें कि यूपी के गाजियाबाद और इस से सटे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों में हत्या के कुछ हालिया मामलों में मुस्लिम समुदाय से जुड़े आरोपियों के नाम सामने आए हैं। हालांकि, पुलिस जांच और आधिकारिक रिपोर्टों में इन घटनाओं को सुनियोजित या समुदाय-विशिष्ट घृणा के बजाय मुख्य रूप से आकस्मिक विवादों, पुरानी दुश्मनी या आपसी रंजिश का परिणाम बताया गया है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

चीन ने अंतरिक्ष में भेजा आर्टिफिशियल इंसानी भ्रूण

मानव सभ्यता हजारों वर्षों से पृथ्वी पर विकसित हुई है। यहां का गुरुत्वाकर्षण, वातावरण, जलवायु और जैविक परिस्थितियां इंसानी जीवन की बुनियाद रही हैं। लेकिन जैसे-जैसे विज्ञान आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे यह सवाल भी गहराता जा रहा है कि क्या मानव जाति हमेशा पृथ्वी तक सीमित रहेगी? यदि भविष्य में पृथ्वी किसी वैश्विक आपदा, जलवायु संकट, क्षुद्रग्रह टकराव या संसाधनों की कमी का सामना करे, तो क्या इंसान किसी दूसरे ग्रह पर जाकर अपनी सभ्यता कायम रख सकेगा? इसी सवाल का जवाब खोजने के लिए चीन ने एक ऐसा प्रयोग शुरू किया है जिसने दुनिया के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। अब तक अंतरिक्ष में इंसान, रोबोट, उपग्रह और प्रयोगशालाएं भेजी जाती थी, लेकिन पहली बार चीन ने आर्टिफिशियल इंसानी भ्रूण को अंतरिक्ष में भेजा है। यह प्रयोग केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा नहीं है बल्कि मानव इतिहास की दिशा बदलने वाला कदम माना जा रहा है। चीन ने अपने कार्गो अंतरिक्ष मिशन तियानझोऊ-10 के जरिए कई वैज्ञानिक प्रयोगों को अपने स्पेस स्टेशन तक पहुंचाया। इन्हीं प्रयोगों में सबसे चर्चित रहा कृत्रिम मानव भ्रूण पर अध्ययन। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य केवल अंतरिक्ष स्टेशन को खाद्य सामग्री या उपकरण पहुंचाना नहीं था, बल्कि भविष्य की अंतरिक्ष सभ्यता की संभावनाओं को जांचना भी था। वैज्ञानिक यह समझना चाहते हैं कि क्या अंतरिक्ष में मानव विकास संभव है? क्या शून्य गुरुत्वाकर्षण में भ्रूण सामान्य रूप से विकसित हो सकता है? कॉस्मिक रेडिएशन का प्रभाव क्या होगा? क्या भविष्य में चंद्रमा या मंगल ग्रह पर जन्म संभव होगा? ये प्रश्न आज विज्ञान कथा जैसे लगते हैं, लेकिन चीन इन्हें प्रयोगशाला में बदल रहा है। इस प्रयोग को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यही है कि चीन ने "असली मानव बच्चा" अंतरिक्ष में भेज दिया है। ऐसा नहीं है। प्रोजेक्ट मैनेजर यू लेकियान के अनुसार, वैज्ञानिक स्टेम सेल्स की मदद से एक ऐसा ढांचा तैयार करते हैं जो शुरूआती मानव भ्रूण जैसा व्यवहार करता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में ह्लऐु१८ङ्ग-ॅ'ी र३१४३४१ीह्व कहा जाता है। इनकी कुछ विशेषताएं होती हैं. यह शुरूआती भ्रूण की तरह कोशिकीय गतिविधि दिखाता है। कोशिकाओं का विभाजन होता है। जैविक संकेत उत्पन्न होते हैं और विकास के शुरूआती चरणों की नकल करता है। लेकिन इनमें वास्तविक इंसान बनने की क्षमता नहीं होती है। इसलिए यह नैतिक और कानूनी विवादों से कुछ हद तक बच जाता है। स्टेम सेल्स मानव शरीर की ऐसी कोशिकाएं हैं जो विभिन्न प्रकार की कोशिकाओं में बदल सकती हैं। इन्हें शरीर की "मास्टर सेल्स" भी कहा जाता है। वैज्ञानिक विशेष परिस्थितियों में इन्हें नियंत्रित करके विभिन्न जैविक संरचनाएं तैयार कर सकते हैं। प्रक्रिया कुछ इस प्रकार काम करती है कि पहले स्टेम सेल्स को लैब में विकसित किया जाता है। फिर उन्हें खास जैव-रासायनिक संकेत दिए जाते हैं। इसके बाद कोशिकाएं स्वयं एक संरचना बनाने लगती हैं जो प्राकृतिक भ्रूण जैसी दिखती है। यहीं से वैज्ञानिक मानव विकास के शुरूआती रहस्य समझने लगते हैं। धरती पर हर जीव गुरुत्वाकर्षण के साथ विकसित हुआ है। लगभग 3.7 अरब वर्षों के विकासक्रम में शरीर की प्रत्येक कोशिका पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुरूप ढली है। लेकिन अंतरिक्ष में स्थिति पूरी तरह बदल जाती है। मुख्य चुनौतियां हैं अंतरिक्ष में वस्तुएं लगभग भारहीन हो जाती हैं। जबकि शरीर में रक्त प्रवाह बदल जाता है। हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। मांसपेशियां सिकुड़ती हैं और कोशिकाओं का व्यवहार बदलता है। यदि वयस्क शरीर प्रभावित होता है तो भ्रूण पर प्रभाव और भी गहरा हो सकता है। पृथ्वी को उसका चुंबकीय क्षेत्र खतरनाक विकिरण से बचाता है। अंतरिक्ष में सौर विकिरण, गैलेक्सीय कॉस्मिक किरणें और उच्च ऊर्जा कण, सीधे जैविक संरचनाओं से टकराते हैं। ये डीएनए को नुकसान पहुंचा सकते हैं। भ्रूण जैसी संवेदनशील संरचना पर इसका असर बेहद गंभीर हो सकता है। धरती पर प्रयोगशाला में वैज्ञानिक तुरंत हस्तक्षेप कर सकते हैं। लेकिन अंतरिक्ष स्टेशन पर जगह सीमित, उपकरण सीमित और समय सीमित होता है। इसलिए वहां प्रयोग करना बहुत कठिन है। यदि भविष्य में मानव जाति को मंगल या चंद्रमा पर बसना है, तो केवल लोगों को वहां भेजना पर्याप्त नहीं होगा। सभ्यता तब टिकेगी जब नई पीढ़ियां जन्म लें, बच्चे बड़े हों, समाज विकसित हो। यदि अगली पीढ़ी पैदा नहीं हो सकती, तो किसी ग्रह पर स्थायी बसावट संभव नहीं होगी।

सारण में प्रशासन अलर्ट मोड पर: डीएम की सख्ती, हर सुबह 10 बजे होगी बीडीओ-सीओ की समीक्षा बैठक

- बाढ़-सुखाड़ तैयारी पर डीएम का बड़ा निर्देश: खराब चापाकल, नल-जल योजना और तटबंधों का होगा जमीनी सत्यापन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ की चुनौती को देखते हुए सारण जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक कर विकास योजनाओं, जन कल्याणकारी कार्यों एवं आपदा पूर्व तैयारियों की गहन समीक्षा की। बैठक में डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अब प्रतिदिन सुबह 10 बजे सभी बीडीओ एवं सीओ के साथ संक्षिप्त समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग एवं समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को समय पर कार्यालय पहुंचने, क्षेत्रीय भ्रमण बढ़ाने तथा जनहित से जुड़े कार्यों का प्रभावी एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ को लेकर जिलाधिकारी ने विशेष सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने सभी प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर फीडबैक लेने तथा उसी आधार पर पूर्व तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीएम ने खराब चापाकलों एवं नल-जल योजनाओं की स्थिति का सत्यापन कराने का भी आदेश दिया। बताया गया कि पीएचईडी विभाग द्वारा जिले में लगभग 1800 खराब चापाकलों की मरम्मत की जा चुकी है। इसके बावजूद यदि कहीं समस्या शेष है तो उसकी सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने को कहा गया। तटबंधों की सुरक्षा एवं कटाव निरोधी कार्यों को लेकर भी जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश दिए। चिन्हित संवेदनशील स्थलों पर जिओ बैग, बालू सहित अन्य आवश्यक सामग्रियों की उपलब्धता का संयुक्त भौतिक सत्यापन कर जिला मुख्यालय को रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा आपदा संपूर्ति पोर्टल पर पारिवारिक सूची को 15 जून तक अद्यतन करने, तथा सहयोग शिविरों से प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला पंचायत राज पदाधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि सभी बीडीओ एवं सीओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

सारण के हर प्रखंड तक पहुंचेगी उच्च शिक्षा: 01 जुलाई से 9 नए डिग्री कॉलेजों में शुरू होगा पठन-पाठन

छपरा। बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के तहत सारण जिले में उच्च शिक्षा के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में यह तय किया गया कि जिले के डिग्री कॉलेज विहीन सभी 9 प्रखंडों में आगामी 01 जुलाई 2026 से डिग्री कॉलेजों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। जिले के 11 प्रखंडों में पहले से डिग्री कॉलेज संचालित हैं, जबकि अब तरैया, मकेर, एकमा, दरियापुर, मढ़ौरा, मशरख, लहलादपुर, पानापुर एवं इसुआपुर प्रखंडों में भी उच्च शिक्षा का मार्ग प्रशस्त होने जा रहा है। इससे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपने ही प्रखंड में स्नातक स्तर की पढ़ाई की सुविधा मिल सकेगी। बैठक में बताया गया कि नए कॉलेजों के संचालन हेतु तात्कालिक व्यवस्था के रूप में उपयुक्त विद्यालय भवनों को चिन्हित किया गया है, जहां अस्थाई रूप से पठन-पाठन शुरू कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन एवं भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया कि दो दिनों के भीतर आवश्यक कार्यों का प्राक्कलन तैयार कर कार्य प्रारंभ करें। साथ ही 20 जून 2026 तक भवनों की मरम्मत, रंग-रोगन, छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय, शुद्ध पेयजल एवं बिजली वायरिंग सहित सभी बुनियादी कार्य हर हाल में पूर्ण करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने संबंधित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं वरीय प्रभारी अधिकारियों को प्रतिदिन मॉनिटरिंग कर प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि 01 जुलाई से शैक्षणिक सत्र सुचारू रूप से प्रारंभ हो सके। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, निदेशक एनईपी, भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व साइकिल दिवस: सेहत का पर्यावरण वाहन और सादगी की पहचान

- साइकिल अपनाइए, स्वास्थ्य और पर्यावरण बचाए : विश्व साइकिल दिवस पर जागरूकता का संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। आज पूरी दुनिया में विश्व साइकिल दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस केवल एक साधारण वाहन के महत्व को बताने का अवसर नहीं है, बल्कि स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सादगीपूर्ण संस्कृति को बढ़ावा देने का संदेश भी देता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2018 में 3 जून को आधिकारिक रूप से ह्वविश्व साइकिल दिवसह्व घोषित किया था। इस प्रस्ताव को विशेष रूप से पोलैंड-अमेरिका के समाज वैज्ञानिक प्रोफेसर लेस्जक सिबिलस्की के प्रयासों से वैश्विक समर्थन मिला, जिसके बाद पूरी दुनिया में यह दिवस मनाया जाने लगा। बता दें कि साइकिल को दुनिया का सबसे सरल, सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल यातायात साधन माना जाता है। एक समय था जब गांव से लेकर शहर तक साइकिल लोगों की जिंदगी का महत्वपूर्ण हिस्सा हुआ करती थी। छात्र विद्यालय जाने, किसान खेतों तक पहुंचने, कर्मचारी दफ्तर जाने और छोटे व्यापारी अपने कार्यों के लिए साइकिल का ही उपयोग करते थे। उस दौर में साइकिल केवल एक साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और मेहनतकश जीवन की पहचान मानी जाती थी। पुराने समय में किसी घर में साइकिल होना गर्व और सुविधा की बात मानी जाती थी। गांवों में लोग घंटों साइकिल चलाकर बाजार, स्कूल और कार्यालय तक पहुंचते थे। इससे शरीर स्वस्थ रहता था और खर्च भी कम होता था। आज भी बुजुर्गों को वह दौर याद है जब सुबह-सुबह सड़कों पर साइकिलों की लंबी कतारें दिखाई देती थीं। लेकिन बदलते समय और आधुनिकता की चमक में साइकिल की अहमियत धीरे-धीरे कम होती जा रही है। दुपहिया और चारपहिया वाहनों की बढ़ती संख्या ने लोगों को तेज और आरामदायक सफर की आदत डाल दी है। आज अधिकांश लोग छोटी दूरी तय करने के लिए भी मोटरसाइकिल या कार का उपयोग करने लगे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि साइकिल अब केवल सीमित वर्ग, खासकर स्कूली छात्रों तक सिमटती जा रही है। वाहनों की बढ़ती संख्या ने जहां एक ओर ट्रैफिक जाम और सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाया है, वहीं दूसरी ओर प्रदूषण की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों के धुएं ने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया है। इसके विपरीत साइकिल ऐसा साधन है जिससे न तो प्रदूषण फैलता है और न ही ईंधन की आवश्यकता होती है। यह पूरी तरह पर्यावरण मित्र वाहन है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी नियमित साइकिल चलाने को शरीर के लिए अत्यंत लाभकारी मानते हैं। इससे हृदय मजबूत होता है, मोटापा नियंत्रित रहता है और मानसिक तनाव भी कम होता है। आज जब युवा पीढ़ी मोबाइल और डिजिटल जीवनशैली के कारण शारीरिक गतिविधियों से दूर होती जा रही है, ऐसे समय में साइकिल का महत्व और भी बढ़ जाता है। विश्व साइकिल दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को साइकिल के उपयोग के प्रति जागरूक करना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। कई देशों में सरकारें साइकिल ट्रैक, सार्वजनिक साइकिल योजना और जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इसके उपयोग के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। जरूरत इस बात की है कि आधुनिकता की दौड़ में हम साइकिल जैसी उपयोगी और जीवनदायी परंपरा को पूरी तरह न भूलें।

यदि छोटी दूरी के लिए लोग पुनः साइकिल का उपयोग शुरू करें तो इससे न केवल प्रदूषण कम होगा, बल्कि स्वास्थ्य और आर्थिक बचत दोनों में लाभ मिलेगा। विश्व साइकिल दिवस हमें यही संदेश देता है कि विकास के साथ-साथ प्रकृति और स्वास्थ्य का संतुलन बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

संक्षिप्त खबरें

आर बी एस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी करेंगे देश दर्शन

छपरा सदर। आर बी एस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी करेंगे देश दर्शन। इस कार्यक्रम के लिए बुधवार को आर॰बी॰एस॰पब्लिक स्कूल में विद्यालय की समिति की बैठक आयोजित किया गया।बैठक में यह निर्णय लिया गया कि विद्यालय के छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों को देश - दर्शन कराया जाए। देश- दर्शन में बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड के प्रसिद्ध स्थानों का दर्शन कराया जाएगा। इसके लिए जिलाधिकारी ,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं उचित अधिकारियों के पास स्वीकृति हेतु सूचनार्थ आवेदन प्रेषित किया गया। बताते चले कि विद्यालय के अध्यक्ष राजू कुमार द्वारा सूचनार्थ आवेदन प्रेषित किया गया। विद्यालय के द्वारा भारत दर्शन कार्यक्रम के तहत थावे मंदिर, कुशीनगर, गोरखपुर, अयोध्या, मथुरा, वृन्दावन, फतेहपुरसीकरी,आगरा, हरिद्वार तक भ्रमण कराया जाएगा। बैठक में मुख्यरूप से विद्यालय के सचिव प्रो० सियाशरण प्रसाद अध्यक्ष डॉ राजू कुमार (अधिवक्ता),कोषाध्यक्ष श्रीमती मोनिका देवी , प्राचार्या श्रीमती नीलम कुमारी और विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं तथा वैश्य जागरण मंच के अध्यक्ष सुनिल कुमार ब्याहुत एवं अन्य उपस्थित थे।

दिघवारा के सैदपुर में रास्ते के विवाद ने लिया उग्र रूप, पुलिस ने संभाला मोर्चा

दिघवारा। थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव में बुधवार की सुबह रास्ते के पुराने विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया और करीब एक घंटे तक दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी होती रही। इस घटना में लगभग आधा दर्जन लोग घायल हो गए। पत्थरबाजी के दौरान छपरा-हाजीपुर पुराने एनएच-19 पर सैदपुर के पास अफरातफरी का माहौल बन गया। राहगीर जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे, वहीं सड़क पर वाहनों का परिचालन भी कुछ समय के लिए बाधित हो गया। घटना की सूचना मिलते ही सोनपुर एसडीओ स्निग्धा नेहा, एसडीपीओ सुमित कुमार आर्य, सीओ मिट्ठू प्रसाद और थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को नियंत्रित करने में जुट गए। आक्रोशित लोगों को शांत कराने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर कैंप करना पड़ा। इस दौरान उग्र भीड़ ने लक्ष्मी चाय दुकान को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। साथ ही एक बुलेट मोटरसाइकिल समेत कई अन्य बाइकों को भी निशाना बनाया गया।

अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से महिला की मौत, दो घायल

डोरीगंज। आरा-छपरा पुल पर डोरीगंज थाना क्षेत्र के लोहा टोला के समीप बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहे युवक समेत एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोनवर्षा बिनटोलीया निवासी शिवशंकर बीन, पिता रामाधार बीन ने सदर अस्पताल में दिए गए बयान में बताया कि वह सुबह करीब आठ बजे अपने भाई और भाभी के साथ बाइक से दयालचक जा रहे थे। इसी दौरान डोरीगंज की ओर स्थित लोहा टोला के समीप पीछे से आ रहे एक अज्ञात अनियंत्रित ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

सारण में पैरा विधिक स्वयंसेवकों की चयन प्रक्रिया तेज, 08 जून से शुरू होगा साक्षात्कार

- जिला विधिक सेवा प्राधिकार की तैयारी पूरी: अभ्यर्थियों को 04 जून तक त्रुटि सुधार कराने का अंतिम अवसर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सारण द्वारा पैरा विधिक स्वयंसेवकों के चयन की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के बाद अभ्यर्थियों के साक्षात्कार कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सारण के सचिव ने जानकारी देते हुए बताया कि चयन प्रक्रिया के तहत पात्र अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आगामी 08 जून 2026 से प्रतिदिन पूर्वाह्न 10:00 बजे जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सारण (छपरा) परिसर में आयोजित किया जाएगा। साक्षात्कार से संबंधित विस्तृत सूचना एवं पात्र अभ्यर्थियों की सूची कार्यालय के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित कर दी गई है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे कार्यालय पहुंचकर सूची एवं अन्य आवश्यक निर्देशों का अवलोकन अवश्य कर लें। प्राधिकार की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि जिन अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र में किसी प्रकार की त्रुटि, कमी या आवश्यक संशोधन लंबित है, वे 04 जून 2026 तक कार्यालय में उपस्थित होकर उसका निराकरण सुनिश्चित करा लें। निर्धारित तिथि के बाद किसी प्रकार का संशोधन स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने आवश्यक मूल दस्तावेजों के साथ साक्षात्कार में उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने भरोसा दिलाया है कि पूरी चयन प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराई जाएगी। अभ्यर्थियों को यह भी सलाह दी गई है कि वे साक्षात्कार से संबंधित अद्यतन जानकारी के लिए नियमित रूप से जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सारण कार्यालय के संपर्क में रहें तथा सूचना पट्ट पर जारी सूचनाओं का अवलोकन करते रहें।

फिरोजपुर में मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती घंटों तक चला हाई वोल्टेज ड्रामा

- प्रेम प्रसंग की चर्चा के बीच टावर पर बैठी रही युवती, प्रशासन और ग्रामीणों की हस्तक्षेप के बाद उतरी नीचे

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। प्रखंड क्षेत्र के फिरोजपुर गांव में बुधवार की अहले सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवती गांव स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गई। घटना की खबर फैलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचने लगे और देखते ही देखते घटनास्थल पर हजारों लोगों की भीड़ जुट गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार फिरोजपुर निवासी स्वर्गीय रवीन्द्र राम की 25 वर्षीय पुत्री ममता कुमारी मोबाइल टावर पर चढ़कर काफी ऊंचाई पर जा बैठी। युवती को टावर पर देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और तत्काल इसकी सूचना प्रशासन को दी गई।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। मौके पर नगरा बीडीओ अनुभव कुमार, खैरा थानाध्यक्ष अखिलेश पासवान, स्थानीय मुखिया अशोक साह, ललित प्रसाद यादव, समाजसेवी मोती लाल राय सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग पहुंचे और युवती को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास में जुट गए। ग्रामीणों के बीच चर्चा रही कि युवती का गांव के ही एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था और संबंधित युवक की बुधवार को शादी होने वाली थी। इसी बात से आहत होकर युवती के टावर पर चढ़ने की बात कही जा रही है। हालांकि प्रशासन की ओर से इस संबंध में किसी आधिकारिक कारण की पुष्टि नहीं की गई है। करीब कई घंटों तक चला यह हाई वोल्टेज ड्रामा पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना रहा।

इस दौरान अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण लगातार युवती को समझाने-बुझाने में लगे रहे। बताया जाता है कि युवती अपनी कुछ मांगों को लेकर अड़ी हुई थी। अधिकारियों एवं स्थानीय लोगों ने उसकी बातों को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई एवं समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद युवती सुरक्षित टावर से नीचे उतर आई। घटना के दौरान पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखा और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई।

शिक्षा और रोजी रोजगार से ही मिटेगी बिहार की गरीबी : प्रशांत किशोर

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर। शिक्षा और रोजी रोजगार से ही बिहार की गरीबी मिटेगी। शिक्षित समाज से ही समृद्ध बिहार का निर्माण हो सकता है। उक्त बातें जनसूराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर में मंगलवार को प्रखंड के रामपुर अटौली पंचायत के डोईला गांव स्थित पार्टी के पूर्व जिला युवा अध्यक्ष इंजीनियर कुमार शिवम उर्फ गुड्डू बबुआ के आवासीय परिसर में मंगलवार की देर संध्या आयोजित आत्मीय रात्रि भोज एवं संवाद कार्यक्रम के दौरान एक महती सभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बिहार में सत्ता परिवर्तन कर बिहार के नव निर्माण किए जाने की बात करते हुए कहा कि समाज को शिक्षित बनाकर ही अमीर-गरीब के बीच के खाई को पाटा जा सकता है।

बिहार वासियों को गरीबी से निकलने के पढ़ाई, जमीन और पूंजी जैसे तीन प्रमुख टिप्स भी बताएं। वहीं दावा करते हुए कहा कि बिहार के 60 प्रतिशत लोगों के पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त जमीन और आर्थिक संसाधन नहीं हैं। विगत विधानसभा चुनाव के दौरान जीविका दीदीओं को 10 हजार रुपए देकर उन्हें ठगने एवं वोट खरीदने की बात कही। साथ ही कहा कि भाजपा-जदयू गठबंधन ने रुपए देकर वोट खरीद कर सरकार तो बना लिया। लेकिन बिहार का राजकीय कोष खाली कर दिया। जिससे कई विभागों के राज्य कर्मियों को जहां वेतन के लाले पड़े हुए हैं, वहीं विकास की कई योजनाएं ठप पड़ी हुई हैं। बिहार में शासन को राजतंत्र बताते हुए कहा कि यहां राजा का बेटा ही राजा बनेगा।

नीतीश का बेटा निशांत, लालू का बेटा तेजस्वी और नीतीश के कृपा पात्र मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के शैक्षणिक डिग्रियों पर भी तंज कसा। उन्होंने जनसूराज के अभियान को सामाजिक और राजनीतिक बदलाव की यात्रा बताते हुए लोगों से इसमें सक्रिय भागीदारी की अपील की। साथ ही कहा कि सामूहिक प्रयास और जागरूक नागरिक ही विकास का नया मार्ग प्रशस्त कर सकता हैं। डॉक्टर चंद्रदेव प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता तथा पार्टी के जिला युवा अध्यक्ष नवनीत यादव के संचालन में सभा को मुन्ना भवानी, आनंद मोहन सिंह, पार्टी के जिला मुख्य प्रवक्ता कुलदीप महासेठ,पैक्स अध्यक्ष अनीता देवी, प्रोफेसर आराध्या रौशनी, जयराम राय,सुरेंद्र महतो, मिथिलेश सिंह, विकास सिंह, महेश पंडित, लाल बाबू राय, उदय शंकर सिंह, निरंजन कुमार ओझा, सुरेश सिंह, रानी देवी, अशोक ओझा, सविता देवी व अन्य ने भी संबोधित किया।

नवाचार और परंपरा के संगम से विकसित भारत के निर्माण पर युवाओं का महामंथन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत सारण इकाई एवं मंत्रालय की नोडल एजेंसी फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 झ यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल का आयोजन आज भिखारी ठाकुर प्रेक्षा गृह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का विषय इनोवेशन विद ट्रेडीशन बिल्डिंग ए मॉडर्न भारत रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय निदेशक राष्ट्रीय सेवा योजना बिहार विनय कुमार ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की ऊर्जा, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता स्वामी अतिदेवानंद महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और आधुनिक तकनीक के समन्वय से ही आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत का निर्माण संभव है। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व समन्वयक रासेयो डॉ विद्या वाचस्पति त्रिपाठी ने युवाओं को सामाजिक नेतृत्व, सेवा भावना और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। राउंडटेबल में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के पैनलिस्ट अभिषेक अरुण प्रिया सिंह ने अपने विचार साझा करते हुए नवाचार, उद्यमिता, मीडिया की भूमिका तथा युवाओं की नीति-निर्माण में भागीदारी पर महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन एवं मॉडरेटर रतिकेश पूर्णोदय द्वारा किया गया। उन्होंने संवाद को प्रभावी दिशा देते हुए विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों के विचारों को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, राष्ट्रीय सेवा योजना, सामाजिक संगठनों एवं युवा समूहों के प्रतिनिधियों ने विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में माई भारत फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया के नोडल अधिकारी तथा राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता मंटू कुमार यादव ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे संवाद युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया के सचिव रणजीत कुमार, कोषाध्यक्ष प्रिंस कुमार, अर्पिता राज, रौशनी कुमारी , मंजीत कुमार, कुंदन कुमार, संजय कुमार ,सुमित श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष मकेश्वर पंडित, मेरा युवा भारत सारण इकाई से करण कुमार कुशाग्र कुमार प्रकाश कुमार रवि कुमार कुणाल कुमार विकास कुमार श्रेया श्रुति सुमन कुमारी सचिन कुमार चौरसिया प्रीति कुमारी अविनाश कुमार तिवारी इत्यादि उपस्थित थे ।

कादीपुर पंचायत में सहयोग शिविर आयोजित

- ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान पर दिया गया जोर
- शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं के समाधान एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा ग्रामीण। सारण जिले के नगरा प्रखंड क्षेत्र के कादीपुर पंचायत परिसर में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं के समाधान एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। शिविर में अंचलाधिकारी अभिषेक कुमार, एलईओ विष्णु कुमार, पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि संजय कुमार मिश्रा, उप मुखिया संतोष मिश्रा, सरपंच तमन्ना आलम, वार्ड सदस्य चितरंजन कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

वहीं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगरा थाना की पुलिस भी दलबल के साथ तैनात रही। शिविर के दौरान भूमि, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सरकारी योजनाओं एवं अन्य जनसमस्याओं से संबंधित मामलों पर ग्रामीणों की शिकायतें सुनी गईं।

अधिकारियों ने लोगों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान करना तथा सरकारी सेवाओं को जनता तक पहुंचाना है। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

डीआरएम ने अधिकारियों के साथ छपरा जंक्शन स्टेशन का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मंडल रेल प्रबंधक,वाराणसी आशीष जैन ने मण्डलीय अधिकारियों के साथ बुधवार को छपरा जं रेलवे स्टेशन पर यात्री सुख-सुविधाओं का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्लेटफार्मों, वॉटर बूथों,पैदल उपरिगामी पुल समेत दोनों तरफ के प्रवेश द्वारों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का संज्ञान लिया ।

इसके साथ ही उन्होंने छपरा जं स्टेशन के दीर्घकालिक यात्री सुविधा के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी इन्फ्रास्ट्रक्चर सहित पुनर्विकास कार्य योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए स्थान चिन्हित करने,लक्ष्य निर्धारण करने एवं कार्य योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु संबंधित अधिकारियों से विचार विमर्श किया।

इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने संरक्षा के दृष्टिगत रखते हुए समपार संख्या 41,समपार संख्या 43उ, समपार संख्या 46उ, समपार संख्या 50 का निरीक्षण किया। इसके साथ ही श्री आशीष जैन ने बुधिया माई ढाला, के निकट रेलवे ट्रैक से होकर गुजरने वाले नाले का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने नाले की सफाई, जल प्रवाह की क्षमता, पुलिया एवं ड्रेनेज संरचनाओं की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को मानसून प्रारंभ होने से पूर्व नालों की समुचित सफाई सुनिश्चित करने तथा जल निकासी में बाधा उत्पन्न करने वाले अवरोधों को तत्काल हटाये जाने के लिये निर्देशित किया। इस अवसर पर उनके साथ वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) विकास कुमार सिंह,वरिष्ठ मंडल इंजीनियर विनीत कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री शेख रहमान ,वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री यशवीर सिंह, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(सामान्य) श्री सौरभ राठौर, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री बलेन्द्र पाल, सहायक सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री अशोक कुमार, स्टेशन निदेशक छपरा श्री राजेश कुमार सहित वरिष्ठ पर्वेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस आशय की जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने दी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंत्री ने की समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सारण जिले में संचालित राजस्व कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में विभागीय सचिव जय सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान मंत्री ने सहयोग शिविर के तहत प्राप्त 1767 राजस्व आवेदनों में से 1418 मामलों के निष्पादन पर संतोष जताते हुए शेष लंबित मामलों को समयबद्ध तरीके से निपटाने का निर्देश दिया। ऑनलाइन म्यूटेशन मामलों में गरखा एवं सोनपुर अंचल की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और सभी अंचलाधिकारियों को कार्य में तेजी लाने को कहा। मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए कहा कि आम लोगों को राजस्व सेवाओं का लाभ समय पर मिलना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अंचलाधिकारियों को अपने अधीनस्थ राजस्व कर्मचारियों के कार्यों की नियमित समीक्षा करने एवं प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में परिमार्जन प्लस के लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई। वर्तमान प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए मंत्री ने विशेष अभियान चलाकर मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। वहीं ई-मापी पोर्टल के तहत जलालपुर, मशरक, बनियापुर एवं एकमा अंचलों में अधिक लंबित मामलों पर चिंता जताते हुए भूमि मापी कार्य को पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से कराने तथा उपलब्ध अमीनों की अधिकतम कार्यक्षमता का उपयोग करने को कहा। अभियान बसेरा-2 के अंतर्गत अस्वीकृत आवेदनों की पुनः समीक्षा कराने का निर्देश देते हुए मंत्री ने कहा कि कोई भी पात्र लाभुक योजना से वंचित नहीं रहना चाहिए। मांझी एवं सोनपुर अंचल के 10-10 अस्वीकृत मामलों की रैंडम जांच अपर समाहर्ता द्वारा कराए जाने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में विधायक जनक सिंह, केदार सिंह एवं विधान पार्षद सच्चिदानंद राय ने भी राजस्व सेवाओं से जुड़े सुझाव एवं फीडबैक साझा किए।

संक्षिप्त खबरें

स्नातकोत्तर सेमेस्टर-4 का रिजल्ट जारी

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा ने स्नातकोत्तर सेमेस्टर-4, सत्र 2024-26 का परीक्षा परिणाम ऑनलाइन जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय के परीक्षा पोर्टल पर रिजल्ट उपलब्ध होने के बाद हजारों छात्र-छात्राओं का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार समाप्त हो गया है। अब विद्यार्थी घर बैठे ही अपने अंकपत्र देख और डाउनलोड कर सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार अभ्यर्थियों को आधिकारिक परीक्षा पोर्टल पर जाकर आवश्यक विवरण दर्ज करना होगा, जिसके बाद वे अपना परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। रिजल्ट जारी होने से विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल है और वे अपनी शैक्षणिक प्रगति का आकलन कर रहे हैं।

प्रशासन ने बताया कि यदि किसी छात्र को परिणाम देखने में कोई परेशानी होती है या अंक संबंधी त्रुटि दिखाई देती है, तो वे विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

एचएमएसआई ने मई 2026 में कुल 5.18 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

पटना। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने मई 2026 में कुल 5.18 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जो मई 2025 में बेची गई 4.65 लाख यूनिट्स की तुलना में साल-दर-साल 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। मई 2026 में, घरेलू बिक्री 4.59 लाख यूनिट्स रही, जो पिछले साल इसी महीने बेची गई 4.17 लाख यूनिट्स से 10 प्रतिशत ज्यादा है। मई 2026 में एक्सपोर्ट 0.59 लाख यूनिट्स रहा, जो मई 2025 में एक्सपोर्ट की गई 0.47 लाख यूनिट्स की तुलना में 24 प्रतिशत ज्यादा है। इस महीने टू-व्हीलर मार्केट में लगातार डिमांड देखी गई। अपने अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और देश भर में 7,000 से ज्यादा टचपॉइंट्स के बड़े नेटवर्क के दम पर, एचएमएसआई कस्टमर एक्सेसिबिलिटी को मजबूत करना और मार्केट में अपनी पहुंच बढ़ाना जारी रखे हुए है।

8 जून से वाराणसी में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा शौर्य प्रशिक्षण शिविर

पटना/वाराणसी । हिन्दू समाज स्वयं की रक्षा करने में आत्मनिर्भर हो इस उद्देश्य से, हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा वाराणसी में शौर्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन होगा` यह शिविर 8 जन से 14 जून तक दो स्थानों पर आयोजित किया जाएगा हर घर योद्धा इस विशेष अभियान के अंतर्गत आयोजित यह शिविर सुबह 5.30 से 7.30 बजे श्री कमलाकर चौबे आदर्श सेवा इण्टर कालेज , ईश्वरगंगी में लिया जाएगा` इसी के साथ शाम 5.30 से 7.30 बजे शिवपुरी वाटिका गांगकला भट्ठा, बड़ागांव में इसका आयोजन होगा` 15 से 40 साल की आयु के हिन्दू युवकों एवं युवतियों के लिए आयोजित यह शौर्य प्रशिक्षण शिविर निःशुल्क है। जिन्हे भी इस शिविर में सम्मिलित होना है वे 9324868906 इस संपर्क क्रमांक पर संपर्क करने का आह्वाहन हिन्दू जनजागृति समिति ने किया है।

घर में चोरी की नीयत से घुसे युवक को ग्रामीणों ने दबोचा, देसी पिस्तौल समेत संदिग्ध सामान बरामद

भागलपुर। जिले के सुलतानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत शाहबाद गांव निवासी आशीष कुमार ठाकुर ने एक युवक पर देर रात चोरी की नीयत से घर में घुसने का आरोप लगाया है। आशीष के अनुसार 31 मई की रात करीब 12:30 बजे उनका बच्चा चिल्लाया कि किसी व्यक्ति ने उसके पैर पर पैर रख दिया है। शोर सुनकर जब वे जागे तो एक युवक भागने लगा। उन्होंने चोर-चोर का हल्ला किया, जिसके बाद ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया।

सूचना पर डायल 112 पुलिस को बुलाया गया। ग्रामीणों द्वारा तलाशी लेने पर युवक के पास से कमर में खोंसा हुआ एक देसी पिस्तौल, मैगजीन, लोहे का प्लास तथा मास्टर चाबी जैसा उपकरण बरामद होने का दावा किया गया। घर की जांच में बक्से का ताला भी टूटा मिला। पकड़े गए युवक ने अपना नाम सचिन कुमार (20) बताया। ग्रामीणों के अनुसार युवक के अभद्र व्यवहार और हमले की कोशिश के दौरान हल्की मारपीट में वह घायल हो गया। इस मामले को लेकर थाना अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार ने बताया कि युवक को हिरासत में लेकर उसका इलाज कर उचित कानूनी कार्यवाही कर न्यायिक हिरासत में भागलपुरभेज दिया गया है।

प्रखंडों में खुले 211 नए डिग्री कॉलेज, 1 जुलाई से पढ़ाई शुरू कराने की तैयारी तेज

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। राज्य सरकार ने नवस्थापित 211 डिग्री कॉलेजों में आगामी शैक्षणिक सत्र से पढ़ाई शुरू कराने की तैयारियां तेज कर दी हैं। इन महाविद्यालयों में एक जुलाई से शैक्षणिक गतिविधियां आरंभ करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी उद्देश्य से मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को 30 जून तक सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने का निर्देश दिया है। समीक्षा बैठक में कॉलेजों की आधारभूत संरचना, संसाधनों की उपलब्धता तथा शैक्षणिक तैयारियों का विस्तृत आकलन किया गया। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि किसी भी कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं की कमी नहीं रहनी चाहिए। इसके तहत बिजली, पेयजल, शौचालय, जल निकासी, ब्लैकबोर्ड, डेस्क-बेंच, कंप्यूटर और वाटर कूलर जैसी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रमंडलीय आयुक्त, जिलाधिकारी, उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल हुए। अधिकारियों को कॉलेजों की तैयारियों की नियमित निगरानी करने और तय समयसीमा के भीतर सभी कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि सभी 211 महाविद्यालयों का नाम संबंधित प्रखंडों के नाम पर "राजकीय डिग्री महाविद्यालय" रखा जाएगा। प्रारंभिक चरण में इन कॉलेजों में छह प्रमुख विषयों–हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र–की पढ़ाई शुरू की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार इन विषयों में नामांकन को लेकर छात्रों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। इनमें हिंदी और इतिहास विषयों के लिए सबसे अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह संख्या ग्रामीण और प्रखंड स्तर के छात्रों में उच्च शिक्षा के प्रति बढ़ती रुचि को दशार्ती है। बैठक में यह भी बताया गया कि प्रत्येक नए डिग्री कॉलेज के लिए फर्नीचर, उपकरण और अन्य आवश्यक संसाधनों की खरीद हेतु 50 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त भवनों के रखरखाव, विकास और आवश्यक निर्माण कार्यों के लिए प्रति कॉलेज 20 लाख रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। इन कार्यों की निगरानी के लिए जिला स्तर पर क्रय एवं कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है। सरकार का मानना है कि इन नए डिग्री कॉलेजों के संचालन से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपने प्रखंड में ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इससे उच्च शिक्षा का विस्तार होगा और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा से संबद्ध कॉलेजों में भी नामांकन और शैक्षणिक तैयारियों को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं।

जिलाधिकारी के निदेश पर पटना शहर में लगातार तीसरे दिन भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। जिलाधिकारी, पटना डॉ. त्यागराजन एस.एम. के निदेश पर पटना शहर में जून माह के अग्रिम कैलेण्डर के अनुसार आज लगातार तीसरे दिन भी अतिक्रमण उन्मूलन मल्टी-एजेंसी विशेष अभियान चलाया गया। विभिन्न नगर निकायों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इस पर जिलाधिकारी लगातार नजर रखे हुए हैं एवं नियमित समीक्षा कर रहे हैं। सभी संबंधित एसडीओ एवं एसडीपीओ को निदेश दिया गया है कि अतिक्रमण उन्मूलन अभियान का नियमित पर्यवेक्षण करें। पुनः अतिक्रमण रोकने के लिए फॉलो-अप टीम लगातार सक्रिय रखें। प्रशासन, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस, परिवहन, राजस्व, पथ निर्माण, स्वास्थ्य, पुलिस, अग्निशाम, पुल निर्माण निगम, दूरसंचार, वन प्रमंडल, विद्युत सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी अतिक्रमण हटाओ अभियान में शामिल हैं। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित एसडीओ एवं एसडीपीओ को प्रभावी ढंग से अतिक्रमण उन्मूलन मल्टी-एजेंसी विशेष अभियान चलाने तथा व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई करने का निदेश दिया है। जिला नियंत्रण कक्ष से प्राप्त सूचना के अनुसार आज पटना नगर निगम के नूतन राजधानी अंचल में 10:00 बजे पूर्वाह्न से 02:30 बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चलाया गया। आज यहाँ सुभाष पार्क के पीछे और सिविल कोर्ट के सामने वाले रोड के दोनों तरफ से अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के दौरान 4 पीस चार चक्का ठेला एवं टूटा हुआ बाँस जब्त किया गया। पाटलिपुत्र अंचल में 10:30 बजे पूर्वाह्न से 02:00 बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चलाया गया। आज यहाँ बोरिंग रोड चौराहा, बोरिंग कैनाल रोड, राजापुर पुल सब्जी मंडी के दोनों साईड होते हुए पुनः बोरिंग रोड चौराहा, अशोक राज पथ दुजरा तक स्थायी अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के दौरान लोहा का काउन्टर जब्त किया गया। आज इस अंचल में अतिक्रमण उन्मूलन अभियान में 15,000/- जुर्माना वसूल किया गया। अजीमाबाद अंचल में 10:00 बजे पूर्वाह्न से 02:00 बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चलाया गया। आज यहाँ डंका इमली बैरियर से सब्जी मंडी होते हुए ज्युडिशियल एकेडमी के चारों तरफ एवं अशोक राज पथ गायघाट पुल के नीचे से अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के दौरान 6 खाली कैरेट सब्जी का जब्त किया गया। आज इस अंचल में अतिक्रमण उन्मूलन अभियान में 3,600/- जुर्माना वसूल किया गया। पटना सिटी अंचल में 10:25 बजे पूर्वाह्न से 03:15 बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चलाया गया। आज यहाँ नाला पर यार्ड से आरओबी पुल के नीचे गुरू गोविंद सिंह लिंक पथ होते हुए।

बालू लदे ट्रक की टक्कर से छात्र की गंभीर हालत, पटना रेफर

कोईलवर। भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड क्षेत्र में बालू परिवहन में लगे ट्रकों की तेज रफ्तार और ओवरटेक की होड़ के कारण सड़क दुर्घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला चाँदी थाना क्षेत्र के सकड्डी-नासरीगंज स्टेट हाइवे का है, जहां बुधवार सुबह एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, चाँदी थाना क्षेत्र के भगवतपुर-रतनपुर गांव स्थित पानी टंकी के समीप बुधवार सुबह करीब आठ बजे बालू लदे एक ट्रक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। घायल युवक की पहचान रतनपुर गांव निवासी बबन चौहान के 18 वर्षीय पुत्र सुमित कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सुमित अपने घर से अखगांव बाजार कोचिंग पढ़ने जा रहा था। इसी दौरान ट्रकों के बीच ओवरटेक की होड़ में एक बालू लदे ट्रक ने उसकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक की टक्कर इतनी जोरदार थी कि सुमित के सिर में गंभीर चोट लगी और वह घटनास्थल पर ही बेहोश हो गया। स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से उसे तत्काल एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स रेफर कर दिया। खबर लिखे जाने तक उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल-112 को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए घायल युवक को बेहतर इलाज के लिए पटना भेजने में सहयोग किया। चाँदी थानाध्यक्ष राकेश रौशन ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक का टायर पंक्चर हो गया, जिसके कारण वाहन सड़क पर ही खड़ा है। चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है तथा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों का कहना है कि बालू परिवहन में लगे ट्रक चालक आगे निकलने की होड़ में सड़क के दोनों लेन का इस्तेमाल करते हुए खतरनाक तरीके से ओवरटेक करते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने प्रशासन से बालू वाहनों की गति पर नियंत्रण, ओवरलोडिंग पर रोक तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

कुल्हड़िया टोल प्लाजा पर कैशलेस नियमों की उड़ रही धज्जियां

● फोटो लेने पर विवाद, मोबाइल फोन छीनने का प्रयास

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर 10 अप्रैल से लागू कैशलेस टोल भुगतान व्यवस्था के बावजूद पटना-बक्सर फोरलेन एनएच-922 स्थित कुल्हड़िया टोल प्लाजा पर नगद राशि लेकर वाहनों को छोड़ने का मामला सामने आया है। आरोप है कि टोलकर्मी बालू लदे ट्रकों से नकद पैसे लेकर उन्हें टोल प्लाजा से गुजरने दे रहे हैं, जिससे सरकार और एनएचएआई के राजस्व को नुकसान पहुंच रहा है। मंगलवार दोपहर टोल प्लाजा पर कथित तौर पर हो रही इस वसूली का फोटो और वीडियो कैमरे में कैद हो गया। वीडियो में पटना जाने वाली लेन के टोल गेट संख्या 03 और 04 पर कुछ टोलकर्मी सकड्डी मोड़ की ओर से आने वाले बालू लदे ट्रकों से नगद राशि लेते और फिर उन्हें आगे बढ़ने का संकेत देते दिखाई दे रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब टोलकर्मियों को एहसास हुआ कि उनकी गतिविधियां कैमरे में रिकॉर्ड की जा रही हैं, तो उन्होंने तस्वीर लेने वाले व्यक्ति की ओर बढ़कर उसका मोबाइल छीनने का प्रयास किया और अभद्र व्यवहार भी किया। बाद में जब उन्हें पता चला कि तस्वीर और वीडियो बनाने वाला व्यक्ति पत्रकार है, तो वे वहां से हट गए।मामले में जब कुल्हड़िया टोल प्लाजा के मैनेजर सुधीर सांगवान से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने प्रारंभ में किसी भी प्रकार की नगद वसूली से इनकार किया। हालांकि, जब उन्हें फोटो और वीडियो होने की जानकारी दी गई, तो उन्होंने मामले की जांच कर संबंधित कर्मियों पर कार्रवाई की बात कही। वहीं टोल प्लाजा में कार्यरत कुछ कर्मचारियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि बालू लदे ट्रकों को टोल के सबसे किनारे वाले लेन से नकद राशि लेकर छोड़ा जाता है। उनका दावा है कि रात के समय यह कार्य बड़े पैमाने पर किया जाता है और इसमें कुछ कर्मियों के साथ अधिकारियों की भी मिलीभगत है। गौरतलब है कि 10 अप्रैल से राष्ट्रीय राजमार्गों के टोल प्लाजा पर कैशलेस भुगतान व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया है। इसका उद्देश्य टोल प्लाजा पर लगने वाले समय को कम करना, ट्रैफिक जाम से राहत दिलाना, ईंधन की बचत, प्रदूषण में कमी तथा लेनदेन में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। एनएचएआई के अनुसार फास्टैग और कैशलेस व्यवस्था लागू होने के बाद टोल प्लाजा पर वाहनों का औसत प्रतीक्षा समय 8 मिनट से घटकर लगभग 47 सेकेंड रह गया है। अब कुल्हड़िया टोल प्लाजा पर सामने आए इस कथित नकद वसूली के मामले ने कैशलेस व्यवस्था की पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मनभावन मोड़ के पास सड़क हादसा : चालक की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। भोजपुर जिले के कोईलवर मनभावन मोड़ के समीप हुए एक सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश निवासी एक पिकअप चालक की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल चालक को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के लालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दौलतपुर गांव निवासी 30 वर्षीय अब्दुल करीम के रूप में हुई है। वह मो. नईम का पुत्र था।मृतक के चचेरे भाई मोइनुद्दीन ने बताया कि अब्दुल करीम सोमवार को वाराणसी से पिकअप वाहन पर आम लादकर पटना गया था। पटना में आम उतारने के बाद वह वापस वाराणसी लौट रहा था। इसी दौरान कोईलवर थाना क्षेत्र के मनभावन मोड़ के समीप उसकी पिकअप अनियंत्रित होकर किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर कोईलवर पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद परिवार के सदस्य आरा सदर अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया। परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए अपने पैतृक गांव वाराणसी ले गए। बताया जाता है कि अब्दुल करीम चार बहनों और दो भाइयों में तीसरे स्थान पर था। परिवार में पत्नी शहनाज परवीन सहित अन्य सदस्य हैं। हादसे के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी शहनाज परवीन समेत सभी परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक की लहर व्याप्त है।

विश्वविद्यालय के कॉलेजों में बनेगा इंटर्नशिप सेल, छात्रों को मिलेगा रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। उच्च शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए राज्य सरकार ने सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में इंटर्नशिप सेल स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस नई व्यवस्था का लाभ वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी मिलेगा। नई गाइडलाइन के अनुसार प्रत्येक कॉलेज में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो इंटर्नशिप कार्यक्रमों के संचालन, समन्वय और निगरानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। इस व्यवस्था के तहत स्नातक विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाया जाएगा। विद्यार्थियों को डिग्री प्राप्त करने से पहले निर्धारित अवधि की इंटर्नशिप पूरी करनी होगी। इंटर्नशिप के माध्यम से उन्हें उद्योग, सरकारी संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों, स्थानीय निकायों, गैर-सरकारी संगठनों तथा अन्य संस्थानों में कार्य करने का अवसर मिलेगा। इसका उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान, कायार्नुभव और रोजगार संबंधी कौशल प्रदान करना है। इंटर्नशिप और कौशल विकास को बढ़ावा देने की ऐसी पहलें देशभर के विश्वविद्यालयों में भी अपनाई जा रही हैं। नई व्यवस्था के अनुसार इंटर्नशिप कार्य का मूल्यांकन रिपोर्ट, प्रेजेंटेशन और प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। छात्रों को समय-समय पर अपनी प्रगति रिपोर्ट जमा करनी होगी तथा सफलतापूर्वक इंटर्नशिप पूर्ण करने पर प्रमाण-पत्र भी दिया जाएगा। इससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ेगी और उच्च शिक्षा को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने में मदद मिलेगी।वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि वह अपने सभी अंगीभूत एवं संबद्ध कॉलेजों में इंटर्नशिप सेल की स्थापना सुनिश्चित करे, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और बेहतर करियर अवसर उपलब्ध हो सकें। विश्वविद्यालय पहले से ही क्षेत्र में उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है और इस नई पहल से छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ कार्यस्थल का अनुभव प्राप्त होगा।

विवि में वाणिज्य संकाय को मिला नया संकायाध्यक्ष

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा में वाणिज्य संकाय के नेतृत्व में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, वाणिज्य संकाय के वर्तमान संकायाध्यक्ष प्रोफेसर महेंद्र नाथ पांडेय का कार्यकाल समाप्त होने के उपरांत स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग के वरीयतम प्रो सुनील कुमार को वाणिज्य संकाय का नया संकायाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।विश्वविद्यालय के आदेश के अनुसार प्रो सुनील कुमार की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

वे आगामी दो वर्षों तक अथवा उनकी सेवा निवृत्ति की तिथि तक, जो भी पहले हो, वाणिज्य संकाय के संकायाध्यक्ष पद का दायित्व संभालेंगे। इस नियुक्ति को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रोफेसर सुनील कुमार लंबे समय से स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में अध्यापन और शोध कार्यों से जुड़े रहे हैं।

शिक्षा, शोध तथा प्रशासनिक अनुभव के आधार पर उन्हें वाणिज्य संकाय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उनकी नियुक्ति का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में वाणिज्य संकाय नई उपलब्धियां हासिल करेगा। गौरतलब है कि प्रोफेसर महेंद्र नाथ पांडेय ने अपने कार्यकाल के दौरान संकाय के शैक्षणिक विकास, परीक्षा व्यवस्था और शोध गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब प्रो सुनील कुमार के नेतृत्व में संकाय के समग्र विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा विद्यार्थियों के हित में नई योजनाओं के क्रियान्वयन की अपेक्षा की जा रही है।

जनकल्याण की कामना लिए जंजीरों में जकड़कर बाबा धाम रवाना हुए पूर्व सैनिक

प्रात: किरण संवाददाता

सुल्तानगंज। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले की शुरूआत भले ही 30 जुलाई से होने वाली हो, लेकिन बाबा बैद्यनाथ धाम के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था अभी से देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में सुल्तानगंज के अजगैबीनाथ धाम से एक अनोखी और चर्चा का विषय बनी तस्वीर सामने आई है। भीषण गर्मी के बीच डाक कांवड़ यात्रा पर निकले एक पूर्व सैनिक ने स्वयं को लोहे की जंजीरों में जकड़कर बाबा धाम की ओर प्रस्थान किया है। शेखपुरा जिले के एकड़ा गांव निवासी राम उदय सिंह ने सुल्तानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र जल भरकर देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए यात्रा शुरू की। राम उदय सिंह भारतीय सेना में 18 वर्षों तक सेवा दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद से वह लगातार बाबा धाम की यात्रा कर रहे हैं। पहले वह सुराही कांवड़ के साथ यात्रा करते थे, लेकिन इस बार उन्होंने जनकल्याण, सुख-समृद्धि और समाज की खुशहाली की कामना के लिए स्वयं को जंजीरों में बांधकर डाक कांवड़ यात्रा करने का संकल्प लिया है। कच्ची कांवड़िया पथ पर जंजीरों में जकड़े पूर्व सैनिक को देखकर श्रद्धालुओं की भीड़ जुट पड़ी। उनकी अनोखी भक्ति, कठिन तपस्या और बाबा के प्रति अटूट आस्था लोगों के बीच आकर्षण और चर्चा का केंद्र बनी हुई है।

रोहतास के सासाराम हत्याकांड में पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन

● 24 घंटे के भीतर 3 आरोपी गिरफ्तार पैसों के लेन-देन में गई युवक की जान

प्रात: किरण संवाददाता

रोहतास के सासाराम में चर्चित अभिषेक गोस्वामी उर्फ लुल्लु हत्याकांड का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर बड़ा खुलासा करते हुए तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सासाराम नगर थानाक्षेत्र के नवरत्न बाजार के काजीपुरा मोहल्ले में मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे अभिषेक गोस्वामी उर्फ लुल्लु की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जिससे इलाके में सनसनी फैल गई थी। घटना की सूचना मिलते ही रोहतास एसपी रौशन कुमार के निर्देश पर विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। FSL की टीम के सहयोग से घटनास्थल से दो खोखा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए। सासाराम SDPO -1 विप्लव कुमार ने बताया कि मृतक के भाई अमित गोस्वामी के बयान पर सासाराम नगर थाना में सात नामजद और दो-तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या एवं आर्म्स एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई में मुख्य आरोपी अजय सोनी उर्फ रिंकु सोनी,पंकज सोनी और राजू सोनी को गिरफ्तार कर लिया गया है। तीनों आरोपी काजीपुरा मोहल्ले के रहने वाले हैं। पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे पैसों के लेन-देन का विवाद मुख्य वजह बताई जा रही है। फिलहाल मामले में फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

रोहतास मे प्यास बुझाने निकला हिरण बना कुत्तों का शिकार, इलाज के दौरान तोड़ा दम

रोहतास जिले के नोखा थाना क्षेत्र में इंसान और वन्यजीवों के बीच बढ़ती दूरी की एक मार्मिक तस्वीर सामने आई है। पानी की तलाश में जंगल से भटककर आबादी वाले इलाके में पहुंचे एक हिरण पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। कुत्तों के हमले में हिरण गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके शरीर से काफी खून बह गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने मानवता का परिचय देते हुए किसी तरह हिरण को कुत्तों के चंगुल से बचाया और इसकी सूचना वन विभाग को दी। वन विभाग की टीम ने घायल हिरण को अपने कब्जे में लेकर तत्काल इलाज के लिए पशु अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार शुरू किया गया। लेकिन गहरे जख्म और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण हिरण की हालत लगातार बिगड़ती गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना से क्षेत्र के लोगों में मायूसी है। जिला वन पदाधिकारी स्टालिन फिडेल कुमार ने हिरण की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद वन्यजीव संरक्षण एवं वन अधिनियम के तहत आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से वन्यजीवों के संरक्षण और उनकी सूचना तुरंत वन विभाग को देने की अपील भी की।

अमहरूआ में छात्रों के बीच आदर्श युवा क्लब की ओर खेल सामग्री का वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

अमहरुआ/सहार। सहार प्रखंड के अमहरुआ गांव में आदर्श युवा क्लब में छात्रों के बीच खेल सामग्री का वितरण किया गया। अम्हरूहां में छात्रों युवा क्लब के अध्यक्ष अंजीत कुमार को आदर्श युवा क्लब के मध्यम से नया फुटबॉल दिया गया। युवा क्लब के अधयक्ष अंजीत कुमार उर्फ राज वीर प्रताप सिंह के द्वारा खेल सामग्री का वितरण किया गया। वितरण समारोह में युवा क्लब के सदस्य राजू यादव लाला कुमार , उमेशवर कुमार , शैलेश कुमार,समरेश शर्मा और क्लब के अन्य सदस्य मौजूद थे।

बिहार सरकार

भवन निर्माण विभाग
कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमंडल संख्या–02,
पटना का कार्यालय
अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या– 13 वर्ष 2026–27
(विशेष शर्त्त मद एवं मात्रा के लिए वेबसाईट State.bihar.gov.in/prdbihar देखें)

समुचित श्रेणी मे निबंधित संवेदको/ख्याति प्राप्त फर्मों/कम्पनियों से दिनांक **15.06.2026** के अपराह्न 1.00 बजे तक निर्देशानुसार निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद कोटेशन अधीक्षण अभियंता, दक्षिण बिहार अंचल, पटना का कार्यालय एवं अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्राप्त किया जाएगा और उसी दिन 3.00 बजे अपराह्न मे कोटेशनदात्ताओं या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा।

कोटेशन का मुल्य (रुपये में) – प्रत्येक कार्य क्रमांक के कोटेशन–पत्र के साथ कोटेशन मूल्य ONLINE GOVERNMENT REVENUE AND ACCOUNTING SYSTEM (O-GRAS) के माध्यम से (कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल संख्या–02, पटना) के पदनाम से जमा करना अनिवार्य होगा, जो कोटेशन प्रकाशन की तिथि के बाद का होना चाहिए। कोटेशन प्रकाशन के पूर्व के निर्गत ओ–ग्रास (O-GRAS) का कम्पयूटराईज्ड प्राप्ति रसीद पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। कोटेशन मूल्य संवेदक के द्वारा कुल कोटेड राशि के अनुसार होगा, जो निम्न प्रकार है :– रू0 0 से रू0 50,000 तक– रू0 250/–, रू0 50,001 से रू0 2,50,000 तक– रू0 500/–, रू0 2,50,001 से रू0 5,00,000 तक– रू0 750/–, रू0 5,00,001 से रू0 10,00,000 तक– रू0 1,250/–, रू0 10,00,001 से रू0 15,00,000 तक– रू0 2,500/– कोटेशन कागजात के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा।

कार्य का विवरणी :–

Sl No.	Name of Work/Specifiation
01.	Supply of Cleaning Materials, Regular Cleaning and Maintenance of Main Building (Ground Floor) of C.M Secretariat at Desh Ratan Marg , Patna for the Year 2026 -27
02.	Supply of Cleaning Materials, Regular Cleaning and Maintenance of Main Building (1st Floor & 2nd Floor) of C.M Secretariat at Desh Ratan Marg , Patna for the Year 2026 -27 .
03.	Supply of Cleaning Materials, Regular Cleaning and Maintenance of Campus Area & Terrace Area of C.M Secretariat at Desh Ratan Marg , Patna for the Year 2026 -27
04.	Supply of Cleaning Materials, Regular Cleaning and Maintenance of Residential Office, Janta Darbar and Barrack in the Campus of Residence No.- 05 at Desh Ratan Marg , Patna for the Year 2026-27.
05.	Supply of Cleaning Materials, Regular Cleaning and Maintenance of Main Building, 4Nos Staff Qtr, Kitchen Block, Guest Qtr and Campus in the Campus of Residence No.- 05 at Desh Ratan Marg , Patna for the Year 2026-27.

1. विशेष सूचना के लिए सूचनापट्ट या वेबसाईट www.state.bihar.gov.in/prdbihar देखें या अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में सम्पर्क करें।

कार्यपालक अभियंता,
केन्द्रीय भवन प्रमण्डल संख्या– 02, पटना।

PR. No. 004878 (BCD) 2026-27

नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस पार्टी के द्वारा संगठन सृजन के कार्यक्रम को लेकर पंचानपुर में कॉग्रेस की सदस्यता ग्रहण कराई गई

गया जी।बिहार प्रदेश कांग्रेस पार्टी के द्वारा संगठन सृजन के कार्यक्रम को लेकर गया जिला के टेकारी प्रखंड के पंचानपुर गॉव में और नगर प्रखंड के केवाली गॉव मे अनिल पासवान के घर पर कांग्रेस पार्टी का संगठन सृजन साथी बनाने का कार्यक्रम जिला अध्यक्ष रजनीश कुमार के नेतृत्व मे कीया गया है,संगठन सृजन मे अनेको लोग को कांग्रेस पार्टी मे सदस्यता ग्रहण कराया गया है ,संगठन सृजन का मुख्य उदेश्य अधिक से अधिक लोगो को पार्टी से जोड़ने का उदेश्य है इस अवसर पर प्रदेश के द्वारा मनोनीत गया जिला के प्रभारी आदरणीय बैधनाथ शर्मा जी उपस्थित रहे। उन्होंने संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक कांग्रेस विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया है सृजन साथी कार्यक्रम मे सदस्यता लेने वालो मे टेकारी प्रखंड अध्यक्ष नाथून पासवान और अनिल पासवान ने कई लोगो को सदस्यता ग्रहण कराया मोख्तार खान, रिजवान खान हसीना खातून, पप्पू पासवान, लक्ष्मण मांझी अमर कुमार, संजीत कुमार, रंजन कुमार, सविनंदन पासवान, ईश्वरि पासवान, दुर्गा पासवान, शिवम कुमार, सन्नी कुमार, दीपक कुमार अमित पासवान, सुजीत कुमार शुभम कुमार सहित कई लोग सदस्यता ग्रहण किया इसकी जानकारी जिला प्रवक्ता अशोक प्रसाद भारती ने ब्यान जारी कर दिया है।

गया कॉलेज एनसीसी इकाई के 11 कैडेट बने अग्निवीर, कॉलेज में खुशी की लहर

गया कॉलेज की एनसीसी इकाई इकाई के 11 कैडेट भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में चयनित हुए हैं। कैडेटों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से कॉलेज परिवार में हर्ष और उत्साह का माहौल है।इस अवसर पर गया कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर सतीश सिंह चंद्र ने चयनित कैडेटों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल कैडेटों की मेहनत और लगन का परिणाम है, बल्कि कॉलेज की एनसीसी इकाई के उत्कृष्ट प्रशिक्षण और अनुशासन का भी प्रमाण है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ये युवा देश सेवा के अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे और संस्थान का नाम रोशन करेंगे।गया कॉलेज एनसीसी इकाई के एएनओ लेफ्टिनेंट संजय तिवारी ने भी चयनित कैडेटों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एनसीसी युवाओं में नेतृत्व, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि कैडेटों ने कठिन परिश्रम, नियमित प्रशिक्षण और दृढ़ संकल्प के बल पर यह सफलता प्राप्त की है।कॉलेज प्रशासन, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने चयनित कैडेटों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कैडेटों की इस सफलता से अन्य विद्यार्थियों को भी भारतीय सेना और राष्ट्र सेवा के प्रति प्रेरणा मिलेगी।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रामानुज पांडेय ने औरंगाबाद का नाम आदित्यनगर करने की मांग का किया समर्थन

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था चाणक्य परिषद के संस्थापक अध्यक्ष,भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष,चर्चित वक्ता रामानुज पांडेय ने औरंगाबाद जिला में जोर-शोर से चल रहे जिला का नाम परिवर्तन कर आदित्य नगर रखने की मांग का उन्होंने समर्थन देते हुए कहा कि औरंगाबाद जिले का नाम आदित्य नगर किया जाना सर्वाधिक उपयुक्त है।

इस संदर्भ में उन्होंने बताया कि जिले की पहचान भगवान आदित्य के नाम से पूरी दुनिया में मशहूर है।पौराणिक काल से ही औरंगाबाद जिला आदित्य पूजा के लिए विख्यात रहा है।

इन्हीं सब बिंदुओं को देखते हुए औरंगाबाद जिला का नाम आदित्य नगर रख दिया जाता है,तो इस जिले की गरिमा, प्राचीनता और जिस नाम के लिए इस जिला को जाना जाता है वह महता हमेशा अक्षुण्ण रहेगी। यह भी कहा कि आदित्य नगर नाम रखने से कोई तकनीकी परेशानी नहीं है।इस नाम को रखने से मुख्यालय का नाम और प्रखंड का नाम की जो समस्या है वह भी दूर हो जाएगी।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली 2026 के वर्चुअल का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। नियमावली 2026 के पालन जिलाधिकारी सह अध्यक्ष, जिला जल एवं स्वच्छता समिति, अरवल अमृषा बैस की अध्यक्षता में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के आलोक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2026 के प्रभावी अनुपालन हेतु नगर निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों का वर्चुअल उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गीला, सूखा, सेनेटरी तथा विशेष घरेलू कचरे के स्रोत पर पृथक्करण एवं उनके वैज्ञानिक निपटान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही हरे, नीले, लाल एवं काले डस्टबिन के उपयोग और कचरा प्रबंधन की नई व्यवस्था के बारे में भी अवगत कराया गया। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े कचरा उत्पादकों (इ४'' हं२३ी ॠल्ली१३ङ्ग१२) की पहचान कर उन्हें केंद्रीय ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण कराने हेतु निर्देशित किया गया।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2026 के तहत 01 अप्रैल 2026 से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कचरे का चार श्रेणियों में पृथक्करण कर स्रोत स्तर पर प्रसंस्करण (ढ१ङ्की२२ल्लॅ) को बढ़ावा दिया जा रहा है। बड़े कचरा उत्पादकों के लिए पोर्टल पर पंजीकरण एवं प्रत्येक वर्ष 30 जून तक वार्षिक प्रतिवेदन जमा करना अनिवार्य किया गया है। नियमावली के अनुसार निम्नलिखित संस्थानों को बड़े कचरा उत्पादक की श्रेणी में रखा गया है-कार्यालय एवं सरकारी संस्थान, शैक्षणिक संस्थान, विद्यालय एवं महाविद्यालय, बड़ी आवासीय कॉलोनियाँ एवं हाउसिंग सोसाइटी, रेलवे स्टेशन, बस डिपो, हवाई अड्डे एवं बंदरगाह, होटल, अस्पताल, मॉल, थोक बाजार एवं मांस-मछली बाजार, स्टेडियम, बारात घर, कन्वेंशन हॉल, प्रदर्शनी केंद्र एवं पर्यटन स्थल। इसके अतिरिक्त जिन संस्थानों का निर्मित क्षेत्रफल 20,000 वर्ग मीटर से अधिक हो, प्रतिदिन 40,000 लीटर से अधिक जल उपयोग होता हो अथवा 100 किलोग्राम से अधिक ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता हो, उन्हें ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। जिलाधिकारी ने सभी ग्राम पंचायत क्रियान्वयन समितियों से अनुरोध किया कि वे लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत निर्मित परिसंपत्तियों का सतत संचालन सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक घर से नियमित कचरा संग्रहण की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाएं।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त, निदेशक डीआरडीए, जिला समन्वयक, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, पंचायत सचिव, स्वच्छता पर्यवेक्षक एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पैक्स चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न
चिताबकला में मारपीट से तीन घायल

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी। प्रखंड क्षेत्र की बार पंचायत, चिताबकला पंचायत तथा नगर परिषद क्षेत्र के गोपालपुर में बुधवार को पैक्स चुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

मतदान को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह देखा गया। सुबह से ही विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाता कतारबद्ध होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते नजर आए। हालांकि गोपालपुर में कुछ कारणों से मतदान निर्धारित समय से थोड़ी देर बाद शुरू हुआ।

प्रखंड विकास पदाधिकारी स्नेहिल आनंद ने बताया कि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

उन्होंने बताया कि गोपालपुर नगर परिषद क्षेत्र में 68.23 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि बार पंचायत में 63.37 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं चिताबकला पंचायत में शाम पांच बजे तक लगभग 60 प्रतिशत मतदान हो चुका था और मतदान की प्रक्रिया जारी थी।

इसी दौरान चिताबकला पंचायत के एक मतदान केंद्र पर आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए।

सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप कुमार तथा बीडीओ स्नेहिल आनंद मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद माहौल शांत हुआ तथा मतदान प्रक्रिया पुनः शुरू कराई गई।

छिटपुट घटनाओं को छोड़कर पूरे क्षेत्र में पैक्स चुनाव देर शाम तक शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया।

जेईई एडवांस 2026 के ऑल इंडिया टॉपर शुभम कुमार समेत 18 छात्रों ने लहराया सफलता का परचम

प्रात: किरण संवाददाता

गया। शिक्षा के क्षेत्र में गया जिले के लिए मंगलवार का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ। जेईई एडवांस 2026 में ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल कर पूरे देश में बिहार का नाम रोशन करने वाले शुभम कुमार के सम्मान में गया शहर के बिसार तालाब स्थित ब्रिटिश इंग्लिश स्कूल में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जेईई एडवांस परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले 18 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय बल्कि पूरे गया जिले को गौरवान्वित किया है।

कार्यक्रम के दौरान ऑल इंडिया टॉपर शुभम कुमार के अलावा आयुष कुमार (रैंक 5140), समीर राज (रैंक 737), सचिन प्रकाश (रैंक 1602), विनय कुमार (रैंक 2011), मुकेश कुमार (रैंक 2775) सहित अन्य सफल छात्रों को मंच पर सम्मानित किया गया। छात्रों की सफलता पर विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने इस उपलब्धि को शिक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाल बताया। विद्यालय के निदेशक भीमराज प्रसाद ने कहा कि यह सफलता किसी एक दिन की नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत, अनुशासन, समर्पण और सही मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों से विद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर विशेष शैक्षणिक माहौल तैयार किया गया है, जिसका परिणाम अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहा है।

विद्यालय के निदेशक भीमराज प्रसाद ने शुभम कुमार की सफलता की कहानी साझा करते हुए बताया कि जब शुभम नौवीं कक्षा में था, तब वह विद्यालय के सुपर-30 कार्यक्रम को दर्शक के रूप में देखा करता था। उसी दौरान उसकी बहन श्रेया कुमारी ने विद्यालय में नामांकन लिया था। श्रेया ने यहां दो वर्षों तक पढ़ाई करने के बाद आईआईटी में सफलता हासिल की। बहन की उपलब्धि से प्रेरित होकर शुभम ने भी इसी संस्थान में प्रवेश लिया और अपनी मेहनत के बल पर देशभर में पहला स्थान हासिल कर लिया है।

विद्यालय के निदेशक भीमराज प्रसाद ने बताया कि शुभम शुरू से ही एक असाधारण छात्र था। उसकी पढ़ाई के प्रति लगन, जिज्ञासा और कठिन परिश्रम ने उसे अन्य छात्रों से अलग पहचान दिलाई। विद्यालय के शिक्षकों ने उसकी क्षमता को पहचानते हुए उसे विशेष मार्गदर्शन और अतिरिक्त समय दिया।

भाजपा के पूर्व सांसद सुशील सिंह उत्तर कोयल परियोजना से संबंधित कार्य को पूरा कराने के लिए भारत सरकार के जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से की मुलाकात

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह दिल्ली में उत्तर कोयल परियोजना से संबंधित कार्य को पूरा कराने के लिए भारत सरकार के जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल से मुलाकात की।इस मौके पर पूर्व सांसद ने उत्तर कोयल सिंचाई परियोजना की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति पर विस्तृत चर्चा की।इस दौरान उन्होंने परियोजना के निर्माण कार्य में तेजी लाने, कुटकु डैम में शीघ्र गेट लगाने तथा शेष सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पूरा कराने का आग्रह किया।पूर्व सांसद ने मंत्री को बताया कि उत्तर कोयल सिंचाई परियोजना लाखों किसानों की जीवनरेखा है।इस परियोजना को पूर्ण होने से कई जिलों के किसानों को सिंचाई की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध होगी,जिससे कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगा।उत्तर कोयल परियोजना कुटकु डैम में गेट लगाने के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि परियोजना के शेष कार्यों को भी निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाना चाहिए।जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने पूर्व सांसद के द्वारा बताए गए सभी विषयों को गंभीरता से सुना और परियोजना की प्रगति की जानकारी साझा की।उन्होंने भरोसा दिलाया कि केन्द्र सरकार उत्तर कोयल सिंचाई परियोजना को शीघ्र पूरा कराने के लिए प्रतिबद्ध है। तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे,जिससे कार्य में और तेजी लाई जा सके।मुलाकात के दौरान परियोजना से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर भी चर्चा हुई।पूर्व सांसद ने कहा कि परियोजना पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में कृषि विकास को नई दिशा मिलेगी तथा किसानों की आय बढ़ाने में यह परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में चल रहे विकास कार्यों एवं सिंचाई परियोजनाओं को मिल रही गति की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है।उत्तर कोयल सिंचाई परियोजना का शीघ्र पूर्ण होना क्षेत्र के किसानों के लिए एक ऐतिहासिक कार्य होगा।

बिहार भाजपा सोशल मीडिया के सह संयोजक मनीष कश्यप ने दी प्रधानमंत्री को 12 वर्ष के सफल कार्यकाल के लिए बधाई

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी।प्रदेश भाजपा सोशल मीडिया के सह संयोजक मनीष कश्यप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को १२ वर्ष के अनवरत कार्यकाल के लिए बधाई दी और मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के चुने हुए प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबी पारी खेलने वाले हैं। इसके साथ मनीष ने प्रधानमंत्री जी को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री भारत को २०४७ तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को सिद्ध करेंगे और भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

मनीष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के १२ वर्षों के कार्यकाल में उनके १२ ऐसे प्रमुख उपलब्धियों के बारे में मीडिया को बताया है।

पहला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत २०१४ के पहले पाँच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्था से निकलकर विश्व की सबसे तेज गति से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्था बन चुकी है। दूसरा, प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा अभेद किला बन चुका है। देश को पहली बार नक्सल मुक्त किया गया। आतंकवाद पर करारा प्रहार से जम्मू कश्मीर में आज शांति स्थापित हो पायी। पाकिस्तान में उरी, बालाकोट और ऑपरेशन सिन्दूर के माध्यम से आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया है। तीसरा, प्रधानमंत्री के स्वच्छता अभियान ने आज देश को खुले में शौच से मुक्ति दिला दी जिसके कारण महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जो बच्चियाँ विद्यालय में शौचालय के अभाव में अपनी पढ़ाई बंद कर देती थी, आज वो पढ़ लिख कर भारत की आर्थिक प्रगति में अपना योगदान दे रही हैं। चौथा, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण के अतुलनीय कार्य हुए हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान ने न सिर्फ.बच्चियों के भ्रूण हत्या पर नकेल कसी है, बल्कि बेटियों को बराबरी का सामाजिक अधिकार देते हुए उनके पढ़ाई लिखाई से लेकर रोजगार के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है। सेना में पहली बार महिलाओं को बराबरी का दर्जा प्राप्त हुआ है। अब महिलायें लड़ाकू विमान भी उड़ा रही है और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को माकूल जवाब भी दे रही है। यहाँ तक कि संसद में एक तिहाई आरक्षण देकर हमारे प्रधानमंत्री जी ने देश के महिलाओं का समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का प्रयास किया है।पांचवां, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक देश में एक संविधान, एक निशान और एक प्रधान की संकल्पना को साकार करते हुए धारा ३७० निरस्त करने का मजबूत निर्णय किया है जिसके कारण आज जम्मू-कश्मीर भारत के अन्य राज्यो के साथ शांति और प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

छठा, प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में ही भारत में सर्वसम्मति से जीएसटी जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक सुधार हो पाए। आज जीएसटी से प्रति माह २ लाख करोड़ का राजस्व आ रहा है और सरकार इसे विकास के साथ साथ जनकल्याण के लिए खर्च कर रही है। सातवाँ, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की गरीबों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने में एतिहासिक सफलता दिलाई है। जन-धन खाता के माध्यम से आज हर गरीब के पास अपना बैंक अकाउंट है जिसमे उनके सब्सिडी का पैसा सीधा जाता है।

डीएम ने जिले में 1 जुलाई से राज्य के डिग्री कॉलेज रहित 211 प्रखंडों में डिग्री की पढ़ाई शुरू की , वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई समीक्षा बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

गया।राज्य सरकार के आदेश के आलोक में गया जिला में 1 जुलाई से डिग्री कॉलेज रहित 7 प्रखंडों- अतरी, नीमचक बथानी, कोच, मोहड़ा, बाकेबजार, डुमरिया एवं मोहनपुर में उत्सवी माहौल में डिग्री की पढ़ाई शुरू होगी। जिलाधिकारी, गया शशांक शुभंकर द्वारा आज सभी संबंधित अनुमंडलों के अनुमंडल पदाधिकारियों, मगध विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर, नव-नियुक्त प्राचार्यों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, भवन, विद्युत, पीएचईडी, एलएईओ सहित विभिन्न तकनीकी विभागों के कार्यपालक अभियंताओं, सभी 7 प्रखंड विकास पदाधिकारियों, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों एवं अन्य के साथ इसकी तैयारियों की वृहत समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई तथा पदाधिकारियों को सरकार के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए आपस में समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकता के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुदृढ़ व्यवस्था करने का निदेश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार के सात निश्चय-3 कार्यक्रम के चौथे निश्चय ह्यह्यउन्नत शिक्षा-उज्जवल भविष्य के तहत उच्च शिक्षा के लिए छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सतत प्रयास किया जा रहा है।इसी क्रम में 1 जुलाई से राज्य के डिग्री कॉलेज रहित 211 प्रखंडों में डिग्री की पढ़ाई शुरू की जा रही है।इसमें गया जिला के उपर्युक्त 7 प्रखंड भी शामिल है। आज इसकी तैयारियों की समीक्षा की गई है। पूरे भव्य, उत्साह एवं उत्सवी माहौल में 1 जुलाई से पढ़ाई शुरू की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान में इन डिग्री कॉलेजों के संचालन हेतु अस्थायी तौर पर भवनों का चयन किया गया है। इन भवनों में सभी आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी। इसके लिए आज संबंधित पदाधिकारी के साथ विस्तार से समीक्षा की गई है। जिला स्तरीय अपर समाहर्ता गण की अध्यक्षता में हर डिग्री कॉलेज के लिये कमिटी बनाया गया है, इसके साथ ही सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को संबंधित प्राचार्यों एवं शिक्षा विभाग के जिला में पदस्थापित पदाधिकारियों के साथ भवनों का स्वयं निरीक्षण करने का निदेश दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि इन डिग्री कॉलेजों के सुचारू रूप से संचालन हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पदाधिकारियों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकता के अनुरूप फर्नीचर,उपस्कर, कम्प्यूटर, वाईफाई, अस्थायी संचालन हेतु चयनित भवनों की मरम्मति, रंग-रोगन, शुद्ध पेयजल, वाटर कूलर, आरओ, महिला एवं शौचालय, बिजली आदि मांग है

पैक्स चुनाव में मारपीट, तीन घायल; मतदान केंद्र पर बढ़ाई गई सुरक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी। प्रखंड क्षेत्र की चिताबकला पंचायत में पैक्स चुनाव के दौरान मतदान केंद्र पर दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद कुछ समय के लिए मतदान केंद्र पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा स्थिति को नियंत्रित कर मतदान प्रक्रिया को पुनः सुचारू कराया।

जानकारी के अनुसार मतदान केंद्र पर मतदाता कतार में खड़े होकर मतदान की प्रतीक्षा कर रहे थे। इसी दौरान कथित हेराफेरी को लेकर दो पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। घटना में रणविजय प्रसाद यादव, उनके पुत्र पुरुषोत्तम कुमार तथा मौजमा गांव निवासी अभय कुमार घायल हो गए।

घायलों को इलाज के लिए शेरघाटी अनुमंडल अस्पताल भेजा गया, जहां रणविजय प्रसाद यादव का उपचार जारी है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मतदान केंद्र पर तनाव की सूचना पहले ही प्रशासन को दी गई थी, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने से स्थिति बिगड़ गई।

घटना की जानकारी मिलने पर शेरघाटी अनुमंडल पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है तथा मतदान शांतिपूर्ण ढंग से जारी है। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आदित्य नगर के नाम को ले विधानसभा में आवाज बुलंद करने के लिए विधायक को सौंपा ज्ञापन

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था केशव लोकमंच द्वारा औरंगाबाद जिले का नाम परिवर्तन कर आदित्य नगर रखने के निमित कुटुम्बा विधानसभा के माननीय विधायक ललन राम जी को संस्था के सदस्यों ने ज्ञापन सौपा। ज्ञापन सौंपने के क्रम में संस्था के सदस्यों ने बताया कि संस्था द्वारा संवैधानिक तरीके से लगातार केंद्र से लेकर राज्य तक सभी सक्षम लोगों को नाम परिवर्तन से संबंधित पत्र प्रेषित किया गया है।भारत सरकार,गृह मंत्रालय प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर राज्य सरकार, मुख्यमंत्री कार्यालय राज्यपाल के यहां भी पत्र को भेजा गया है। पत्र का संज्ञान लेते हुए गृह मंत्रालय ने इस विषय पर जवाबी पत्र को भी प्रेषित किया।तत्पश्चात सदस्यों ने औरंगाबाद जिले के सभी जनप्रतिनिधियों से संपर्क स्थापित किया। स्थानीय से लेकर उच्च सदन तक के जन प्रतिनिधियों को लगातार अपना ज्ञापन सौंप रहे हैं, ताकि जनप्रतिनिधि बिहार विधानसभा में नाम परिवर्तन से संबंधित सत्र शुरू होते ही आवाज उठाएं, जिससे औरंगाबाद जिले का नाम आदित्य नगर रखा जाए। विदित हो कि औरंगाबाद जिला प्राचीन समय से आदित्य पूजा के लिए विख्यात रहा है।इसका प्रमाण भगवान आदित्य का विशाल मंदिर औरंगाबाद जिले में स्थापित है। इसी संदर्भ के निमित्त संस्थान के सदस्यों ने आदित्य नगर नाम रखने का निर्णय लिया।इसका समर्थन लगातार सभी समुदायों से मिल रहा है।ज्ञापन सौंपने के क्रम में संस्था के कार्यकारिणी समिति के सदस्य इंजीनियर कमलेश कुमार सिंह,भानु प्रताप सिंह,अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह,रवि रंजन, रमाकांत सिंह सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता निभाई।

नालों की सफाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : नगर आयुक्त

- मानसरवा, नादरागंज, कुजापी, बॉटम नाला समेत कई बड़े नालों का निरीक्षण
- अनुपस्थिति बुडको अधिकारियों पर भड़के नगर आयुक्त, शो-कॉज का निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

गयाजी। मानसून पूर्व शहर में जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने, नागरिक सुविधाओं की निगरानी तथा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर गया नगर निगम के नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण किया है।

इस दौरान उन्होंने नगर निगम द्वारा लगाए गए सहयोग शिविर, मानसरवा नाला, नादरागंज नाला, बॉटम नाला, उत्तरी भूतल नाला तथा कुजापी नाला का निरीक्षण कर चल रहे कार्यों की समीक्षा व निरीक्षण किया है। इसके साथ ही शहीद भगत सिंह पार्क स्थित जलापूर्ति केंद्र का भी जायजा लिया और लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

नगर आयुक्त ने लालू मंडल कॉलेज एवं सामुदायिक भवन, खरखुरा में नगर निगम के द्वारा लगाए गए ह्लसहयोग शिविरह्व का निरीक्षण किया है। यह शिविर 1 जून से 15 जून तक संचालित किया जा रहा है, जबकि 16 जून को मेगा कैंप का आयोजन होगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविर में उपलब्ध सुविधाओं, शिकायत निवारण व्यवस्था तथा नागरिकों से प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई है। नगर आयुक्त ने बताया कि सहयोग शिविर के माध्यम से आम नागरिक जलापूर्ति, सफाई, सड़क, स्ट्रीट लाइट, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र सहित नगर निगम से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं सेवाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने लोगों से शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान कराने और इस पहल का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है। इसके साथ ही शिविर मौजूद कर्मियों को नगर निगम के द्वारा विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए शिविर में बैनर लगाने का निर्देश दिया है।

इसके बाद नगर आयुक्त ने शहर के प्रमुख बड़े-छोटे नालों का निरीक्षण कर सफाई एवं जल निकासी कार्यों की प्रगति का जायजा लिया है।

बुधवार की सुबह मानसरवा नाला के निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि दो पोकलेन मशीनों और 28 सफाईकर्मियों की मदद से बड़े पैमाने पर सफाई कार्य चल रहा है। उन्होंने कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया है।

नादरागंज नाला के निरीक्षण के दौरान सफाई कार्य अपेक्षाकृत धीमी गति से संचालित होता पाया गया है। इस पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को मशीनों के साथ अतिरिक्त सफाई मजदूर लगाने तथा दस दिनों के अंदर सफाई कार्य हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

डीएम के निर्देश पर पुलिस पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध छापेमारी की गई

प्रातः किरण संवाददाता

गया। जिला पदाधिकारी, गया शशांक शुभंकर के निदेशानुसार अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डरण के विरूद्ध लगातार छापेमारी की जा रही है। इस कड़ी में खनिज विकास पदाधिकारी, गया द्वारा बताया गया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 के माह-अप्रैल, 2026 एवं मई, 2026 में जिलान्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों में जिला खनन कार्यालय, गया के पदाधिकारियों एवं स्थानीय प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध 281 छापेमारी की गई है, जिसमें अवैध खनिकर्म में संलिप्त कुल 93 वाहनों को विधिवत जप्त करते हुए स्थानीय थाना में कुल 52 प्राथमिकी दर्ज करायी गई है तथा 18 अवैधकत्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही जप्त वाहनों तथा अवैध खननकत्ताओं के विरूद्ध 280.12 लाख रू० दण्ड ,जुमार्ना अधिरोपित किया गया है।

इसी क्रम में खनिज विकास पदाधिकारी, गया द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में माह-मई, 2026 तक कुल 1416.82 लाख रू० राजस्व का समाहरण किया गया है, जो गत वित्तीय वर्ष 2025-2026 के माह-मई, 2025 तक प्राप्त राजस्व की तुलना में 508.53 लाख रू० अधिक है।जिला खनन पदाधिकारी ने स्पष्ट कहा है कि अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण गतिविधियों में संलिप्त पाये जाने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों के विरूद्ध नियमानुसार कठोर दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी तथा उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातः किरण

पटना, गुरुवार, 04 जून, 2026

संक्षिप्त खबरें

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा नहर साइफन निर्माण

बगहा। दोन नहर क्षेत्र में नहर साइफन निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। चंपापुर से सटे नंदी भौजी के समीप स्थित नहर साइफन की सुरक्षा के लिए बनाई गई बाउंड्री वाल का एक बड़ा हिस्सा गिरकर ध्वस्त हो गया है, जबकि बची हुई दीवार में भी कई जगह दरारें पड़ गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शेष दीवार भी कभी भी गिर सकती है। जानकारी के अनुसार मुख्य त्रिहुत नहर की 6 आरडी से निकलने वाली दोन नहर चंपापुर, हरनाटांड़ होते हुए रामनगर की ओर जाती है। इसी मार्ग पर सिंचाई के उद्देश्य से साइफन का निर्माण कराया गया है। साइफन के ऊपर दोनों तरफ सुरक्षा के लिए बाउंड्री वाल बनाई गई थी, लेकिन निर्माण के कुछ ही समय बाद इसकी गुणवत्ता की पोल खुलने लगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरती गई है। बाउंड्री वाल को मजबूती देने के लिए दोनों किनारों के साथ-साथ बीच में भी पिलर दिए जाने चाहिए थे, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। पर्याप्त पिलर नहीं होने के कारण दीवार कमजोर बनी और अब गिरने लगी है। हैरानी की बात यह है कि अभी नहर में पानी भी नहीं छोड़ा गया है, इसके बावजूद सुरक्षा दीवार का ध्वस्त होना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। लोगों का कहना है कि आवागमन का दबाव बढ़ेगा तो शेष दीवार भी ढह सकती है, जिससे लोगों की सुरक्षा खतरे में पड़ने की आशंका है।

पुलिस में चयनित छात्रा को जिप सदस्य ने किया सम्मानित

दरियापुर स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के ककरहट गांव की एक छात्रा का बिहार पुलिस प्रतियोगिता में चयनित होने पर जेडीयू के वरीय नेता सह जिप सदस्य करुणेश कुमार उर्फ गुड्डू सिंह ने अंग वस्त्र से सम्मानित किया उक्त छात्रा विकास सिंह की पुत्री आकांक्षी कुमारी है, जो गांव में ही रहते हुए तैयारी कर सफलता हासिल की है जिप सदस्य ने कहा कि सरकार द्वारा दिया नारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अब सफल होता नजर आ रहा है शहरी क्षेत्र के साथ ही अब ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां भी सभी तरह की प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त कर अपने परिवार तथा क्षेत्र का नाम रौशन कर रही है ऐसे में हमें जरूरी है कि सभी छात्र छात्राओं को पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित करें इस मौके पर जय नंदन सिंह, ओमप्रकाश सिंह, आनंद किशोर मांझी, राकेश मांझी तथा मनीष कुमार समेत कई अन्य मौजूद थे।

एचआईवी एड्स जागरूकता रथ को डीडीसी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मोतिहारी एचआईवी एड्स जागरूकता रथ को समहरणालय परिसर से डीडीसी डॉ प्रदीप कुमार ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा की लोगों के स्वास्थ्य जाँच हेतु जिले के दर्जनों स्थानों पर कैंप लगाया जा रहा है जहाँ लोगों के एचआईवी / एड्स के साथ ही कई प्रकार की बीमारियों की जाँच की जाएगी उन्होंने कहा की एचआईवी/ एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने और लोगों को सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देने के लिए समय-समय पर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा रथ रवाना किया जाता है वहीं जिले के एड्स नियंत्रण पदाधिकारी सह संचारी रोग पदाधिकारी डॉ संजीव ने कहा की जिले के 65 हाई रिस्क ग्रुप के संभावित स्थानों पर शिविर का आयोजन हो रहा है इस दौरान लोगों की बीपी, शुगर, हेपेटाइटिस बी, सी सिफलिस आदि जाँच निःशुल्क की जाएगी। उन्होंने अपील करते हुए कहा की अधिक से अधिक लोग शिविर मे जाए और जाँच जरूर कराए।डॉ संजीव ने कहा की एचआईवी संक्रमण से बचने के लिए सुरक्षित यौन संबंध बनाए, और सुइयों (सिरिंज) का दुबारा इस्तेमाल न करें।

उप विकास आयुक्त ने किया खेल भवन एवं इंडोर बैडमिंटन हॉल का औचक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन ने आज बेतिया स्थित इंडोर बैडमिंटन हॉल एवं खेल भवन-सह-व्यायामशाला का औचक निरीक्षण कर वहां उपलब्ध खेल सुविधाओं, रख-रखाव एवं प्रशिक्षण व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने इंडोर बैडमिंटन हॉल की प्रकाश व्यवस्था एवं रख-रखाव को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। वहीं खेल भवन-सह-व्यायामशाला में खिलाड़ियों के लिए जिम उपकरणों की उपलब्धता बढ़ाने तथा आवश्यक उपस्करों की मांग से संबंधित प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने का निर्देश जिला खेल पदाधिकारी को दिया। उन्होंने खेल गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल देते हुए विभिन्न खेल विधाओं में खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाने, नियमित प्रशिक्षण सुनिश्चित करने तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेहतर खेल सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण से जिले के खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी श्री विजय कुमार पंडित सहित कार्यपालक सहायक अमरेन्द्र कुमार सिंह, कोच रवि रंजन, शारीरिक शिक्षक संजय श्रीवास्तव, विक्रांत वीर, अजय मिश्र एवं आशीष वर्मा सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

सहयोग शिविर में युवक से उलझे सीओ कुर्सी उठाने का वीडियो वायरल

■ मुसहरी गांव में आयोजित शिविर के दौरान हुआ विवाद, पुलिसकर्मियों ने कराया मामला शांत

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा अनुमंडल के मधुबनी अंचल क्षेत्र स्थित मुसहरी गांव में आयोजित सहयोग शिविर के दौरान अंचल अधिकारी (सीओ) और एक युवक के बीच हुए विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में मधुबनी के सीओ नंदलाल राम एक युवक के साथ बहस के दौरान कुर्सी उठाकर उसकी ओर बढ़ते नजर आ रहे हैं। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित कर लिया, जिससे कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शिविर के दौरान किसी बात को लेकर सीओ और युवक के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते तीखी बहस में बदल गई। वायरल वीडियो में सीओ को नाराजगी में कुर्सी उठाकर युवक की ओर बढ़ते देखा जा सकता है। वहीं युवक भी प्रतिक्रिया स्वरूप कुर्सी उठाने का प्रयास करता दिखाई देता है, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे रोक दिया। घटना के बाद कुछ समय तक शिविर स्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, संबंधित युवक एक मीडियाकर्मी बताया जा रहा है और वीडियो बनाने को लेकर विवाद की शुरूआत हुई थी। हालांकि इस संबंध में प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन घटना को लेकर क्षेत्र में चचाओं का दौर जारी है। सोशल मीडिया पर कई लोग एक प्रशासनिक अधिकारी के इस तरह के व्यवहार पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि कुछ लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि बगहा अनुमंडल के सातों प्रखंडों की विभिन्न पंचायतों में आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए

दस बार सागरमाथा फतेह करने वाले सांसद सम्मानित

पर्वतारोहण क्षेत्र में योगदान के लिए मिला विशेष सम्मान

■ एवरेस्ट पर दस सफल आरोहण का बनाया रिकॉर्ड, युवाओं को साहस और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। विश्व की सर्वोच्च चोटी सागरमाथा (माउंट एवरेस्ट) पर दस बार सफलतापूर्वक आरोहण कर इतिहास रचने वाले सांसद मिनमाग्यापु शेरपा को एक विशेष समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हें पर्वतारोहण, साहसिक पर्यटन और हिमालयी क्षेत्र के संरक्षण में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि सांसद मिनमाग्यापु शेरपा ने लगातार दस बार सागरमाथा पर चढ़ाई कर न केवल अपने देश का गौरव बढ़ाया है, बल्कि युवाओं को कठिन चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित भी किया है। उनके इस साहसिक अभियान ने पर्वतारोहण के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित की है। सम्मान प्राप्त करने के बाद सांसद ने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी नहीं, बल्कि उन सभी पर्वतारोहियों, सहयोगियों और स्थानीय समुदायों की है जिन्होंने हर अभियान में उनका साथ दिया। उन्होंने हिमालयी पर्यावरण के संरक्षण और सुरक्षित पर्वतारोहण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने सांसद की उपलब्धि को देश के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

नेपाल में मई महीने में एक लाख से अधिक विदेशी पर्यटकों का आगमन

■ मई 2026 में 1.02 लाख से ज्यादा पर्यटक पहुंचे, भारत रहा सबसे बड़ा स्रोत देश

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के पर्यटन क्षेत्र के लिए मई 2026 का महीना उत्साहजनक रहा। नेपाल पर्यटन बोर्ड (एनटीबी) के अनुसार मई महीने में कुल 1,02,626 विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचे, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा एक बार फिर साबित करता है कि नेपाल वैश्विक पर्यटकों के बीच आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। आंकड़ों के अनुसार भारत नेपाल आने वाले पर्यटकों का सबसे बड़ा स्रोत देश रहा।

मई में भारत से 40,782 पर्यटक नेपाल पहुंचे, जो कुल विदेशी आगंतुकों का लगभग 40 प्रतिशत है। इसके बाद चीन और अमेरिका का स्थान रहा। चीन से 11,514 तथा अमेरिका से 9,001 पर्यटक नेपाल पहुंचे। नेपाल पर्यटन बोर्ड ने कहा कि पर्वतारोहण, धार्मिक पर्यटन, प्राकृतिक सौंदर्य और साहसिक गतिविधियों के कारण विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। मई का प्रदर्शन वर्ष 2025 के मुकाबले काफी बेहतर रहा है और यह पर्यटन उद्योग के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। पर्यटन व्यवसायियों का मानना है कि आने वाले महीनों में भी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि जारी रहने की संभावना है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था और पर्यटन उद्योग को मजबूती मिलेगी।

मरीन ड्राइव की स्ट्रीट लाइटों पर शरारती तत्वों का हमला, कई लाइट सिस्टम क्षतिग्रस्त

■ पत्थर मारकर तोड़े बल्ब और कवर, पर्यटन स्थल की सुंदरता पर लगा ग्रहण

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज कंट्रोल रूम से ऊपरी शिविर जाने वाले मरीन ड्राइव मार्ग पर लगी खूबसूरत स्ट्रीट लाइटों को शरारती तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया है। अज्ञात लोगों द्वारा पत्थर मारकर कई स्ट्रीट लाइटों के बल्ब और उनके ऊपरी कवर तोड़ दिए गए हैं। कई पोलों के कवर में पत्थर लगने से छेद हो गए हैं, जिससे मार्ग की सुंदरता और प्रकाश व्यवस्था दोनों प्रभावित हुई हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार मरीन ड्राइव वाल्मीकिनगर का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां गर्मी के मौसम में प्रतिदिन शाम से देर रात तक लोगों की भीड़ लगी रहती है।

स्थानीय निवासी और पर्यटक अपने परिवार के साथ यहां पहुंचकर गंडक नदी और वाल्मीकिनगर के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हैं। यह मार्ग प्रशासनिक और पर्यटन दृष्टि से भी काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी रास्ते से होकर वाल्मीकिनगर आने वाले वीआईपी आवागमन करते हैं। साथ ही गंडक बराज,जंगल कैंप,जल संसाधन विभाग के अतिथि गृह तथा वाल्मीकि सभागार (कन्वेंशन हॉल) तक पहुंचने के लिए भी इसी मार्ग का उपयोग किया जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की नियमित आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की ऐसी घटनाएं चिंता का विषय हैं। समाजसेवी अमित कुमार सिंह ने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों की पहचान करने तथा क्षतिग्रस्त स्ट्रीट लाइटों की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि पर्यटन स्थल की सुंदरता और सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे।

धनहा चेकपोस्ट पर बड़ी कार्रवाई, टेंपो के गुप्त तहखाने से 41.54 लीटर विदेशी शराब बरामद

■ वाहन जांच के दौरान खुला तस्करी का राज, दो आरोपित गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा पुलिस जिला अंतर्गत धनहा थाना क्षेत्र में शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उत्पाद विभाग को बड़ी सफलता मिली है। धनहा चेकपोस्ट पर वाहन जांच के दौरान एक तीन पहिया टेंपो में बनाए गए गुप्त तहखाने से 41.54 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। इस कार्रवाई में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पश्चिमी चंपारण जिले के लौरिया थाना क्षेत्र निवासी धीरज कुमार (पिता- मुंशी चौधरी) तथा अशोक महतो (पिता- दरोगा महतो) के रूप में हुई है। दोनों को हिरासत में लेकर उत्पाद विभाग द्वारा पूछताछ की जा रही है। उत्पाद थाना बगहा के अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के निदेर्शानुसार शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सीमा से जुड़े चेकपोस्टों पर सघन वाहन जांच की जा रही है ।उन्होंने बताया कि धनहा चेकपोस्ट पर जांच के दौरान एक संदिग्ध टेंपो को रोककर तलाशी ली गई। जांच के दौरान वाहन में विशेष रूप से तैयार किए गए गुप्त तहखाने का पता चला, जिसमें छिपाकर रखी गई 41.54 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। इसके बाद शराब और टेंपो दोनों को जब्त कर लिया गया।

तस्करी नेटवर्क की जांच में जुटा विभागः उत्पाद विभाग के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। इनके आधार पर शराब तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। साथ ही इस अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

एसएसबी 21वीं वाहिनी में टीबी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

■ क्षय रोग के लक्षण, बचाव और उपचार की दी गई जानकारी, टीबी मुक्त भारत के लिए जागरूकता बढ़ाने का आह्वान

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन अभियान के तहत 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), बगहा द्वारा मंगलवार को विशेष टीबी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में किया गया, जिसमें वाहिनी की संदीक्षा सदस्याओं एवं बलकार्मिकों ने सक्रिय भागीदारी की।

कार्यक्रम में अनुमंडलीय अस्पताल (एसडीएच) बगहा के वरीय यक्ष्मा चिकित्सा पदाधिकारी एस.पी. अग्रवाल ने क्षय रोग (टीबी) के लक्षण, बचाव, समय पर जांच एवं उपचार के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूरी तरह उपचार योग्य बीमारी है, जिसकी समय पर पहचान और नियमित उपचार से पूर्णतः रोकथाम एवं इलाज संभव है। उन्होंने उपस्थित लोगों से समाज में टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने और सही जानकारी साझा करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी सुरेश शर्मा ने बलकार्मिकों एवं संदीक्षा सदस्याओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को सफल बनाने के लिए जन-जागरूकता अभियान में भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक नागरिक के सहयोग से ही क्षय उन्मूलन अभियान को सफलता मिल सकती है।

कार्यक्रम में 21वीं वाहिनी की ओर से उप कमांडेंट सोनू कुमार एवं विशाल कुमार उपस्थित रहे। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम में रवि रंजन, शमशाद आलम, अवधेश कुमार तथा रमेश रंजन ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

इंडो-नेपाल सीमा पर वाल्मीकि सभागार में स्थापित हुआ 120 मीटर ऊंचा तिरंगा

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। सीमा से सटे वाल्मीकिनगर स्थित कंवेंशन सेंटर वाल्मीकि सभागार परिसर में मंगलवार को 120 मीटर ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ पर तिरंगा स्थापित कर पूरे सम्मान के साथ फहराया गया। सादे लेकिन गरिमामय समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी और देशभक्ति का संदेश दिया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों की मौजूदगी में राष्ट्रीय ध्वज को विधिवत फहराया गया। वक्ताओं ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र में स्थापित यह विशाल तिरंगा देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बनेगा। साथ ही यह वाल्मीकिनगर की पहचान को नई ऊंचाई प्रदान करेगा। गंडक बराज, वाल्मीकि टाइगर रिजर्व और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध वाल्मीकिनगर आने वाले पर्यटकों का ध्यान अब यह विशाल तिरंगा दूर से ही आकर्षित करेगा। लोगों का मानना है कि इससे क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और राष्ट्रीय भावना मजबूत होगी। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र में इतने ऊंचे ध्वज स्तंभ पर लहराता तिरंगा युवाओं में देशभक्ति की भावना को और प्रबल करेगा। समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ इस ऐतिहासिक क्षण का स्वागत किया।

बॉर्डर क्षेत्र की सुरक्षा और समन्वय को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र की सुरक्षा, निगरानी एवं विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने को लेकर मंगलवार को 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), बगहा मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पश्चिमी चंपारण के जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने की। इस दौरान 21वीं वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत, वन प्रमंडल अधिकारी (वीटीआर-द्वितीय) विकास अहलावत तथा बगहा पुलिस अधीक्षक रामानंद कुमार कौशल सहित प्रशासन, एसएसबी, पुलिस एवं वन विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सीमा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने सीमा सुरक्षा, अवैध गतिविधियों की रोकथाम, वन क्षेत्र की सुरक्षा तथा आपसी समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा की। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने के निर्देश दिए तथा सीमा क्षेत्र में सतर्कता बनाए रखने पर जोर दिया। बैठक में सीमा क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने और संयुक्त कार्रवाई को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

विवादित सुस्ता में नेपाल के अवैध तटबंध निर्माण पर एसएसबी की आपत्ति

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। भारत-नेपाल सीमा के विवादित सुस्ता क्षेत्र में नेपाल की ओर से तटबंध निर्माण कराए जाने के प्रयास को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने रोक दिया। निर्माण कार्य शुरू होने की सूचना मिलते ही एसएसबी ने मौके पर पहुंचकर आपत्ति दर्ज कराई, जिसके बाद दोनों देशों के सुरक्षा एवं प्रशासनिक अधिकारियों के बीच विचार-विमर्श का दौर चला। जानकारी के अनुसार नेपाल की ओर से विवादित क्षेत्र में तटबंध निर्माण का कार्य शुरू किया जा रहा था। भारतीय पक्ष का कहना है कि मामला सीमा विवाद से जुड़ा होने के कारण किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य दोनों देशों के बीच सहमति बनने तक नहीं किया जा सकता। एसएसबी जवानों ने इसी आधार पर निर्माण कार्य रुकवा दिया। घटना के बाद भारत और नेपाल के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा आपसी वार्ता के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास किया। हालांकि कई दौर की बातचीत के बावजूद किसी ठोस निर्णय पर सहमति नहीं बन सकी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार सुस्ता क्षेत्र लंबे समय से भारत और नेपाल के बीच संवेदनशील एवं विवादित इलाका रहा है। समय-समय पर नदी के बहाव में परिवर्तन और भू-भाग को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद सामने आते रहे हैं। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति सामान्य बताई जा रही है, लेकिन एहतियात के तौर पर सुरक्षा बलों की निगरानी बढ़ा दी गई है। दोनों देशों के अधिकारी मामले के शांतिपूर्ण समाधान के लिए उच्च स्तर पर बातचीत जारी रखने की बात कह रहे हैं।

अतिक्रमण के चलते 30 से 40 फीट से सिकुड़कर 10 से 12 फिट बने मुख्य नाले से जल निकासी बाधित: गरिमा

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में मुख्य नाला और नालियों के अतिक्रमण के कारण शहर की जल निकासी व्यवस्था गंभीर संकट की ओर बढ़ती दिख रही है। महापौर ने बताया कि बुडको प्रशासन के अनुरोध पर नगर निगम क्षेत्र के सघन शहरी क्षेत्र में मुख्य नालों की सरकारी पैमाइश शुरू की गई है। ताकि करोड़ों की खर्च से स्वीकृत स्टॉम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम के विस्तार की योजना को आपेक्षित गति मिल सके। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि जारी पैमाईश और मुख्य नाले की मैनुअल सफाई कार्य का निरीक्षण के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि जिन प्रमुख नालों की मूल चौड़ाई लगभग 30 से 40 फीट निर्धारित थी, वे वर्तमान में कई स्थानों पर घटकर मात्र 12 से 15 फीट तक सिमट गए हैं। निरीक्षण के दौरान महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने इसे शहरी क्षेत्र की सुचारू जल निकासी के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि शहर में जलजमाव की समस्या केवल सफाई व्यवस्था से जुड़ी नहीं है, बल्कि नालों की सरकारी भूमि पर बढ़ते अतिक्रमण ने स्थिति को अधिक गंभीर बना दिया है। सरकारी पैमाइश में यह भी उजागर हुआ कि कई स्थानों पर नालों की जमीन पर पक्का निर्माण कार्य करा लिया गया है तथा कुछ हिस्सों में सड़कें तक बना ली गई हैं, जिससे नालों का प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित हुआ है ।महापौर श्रीमती सिकारिया ने नागरिकों से भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि शहर को जलजमाव मुक्त बनाने के लिए प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ जनसहयोग भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से स्वयं आगे आकर नालों की सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने की अपील की।

भारत सरकार के सहयोग से रौतहट में विद्यालय एवं पुस्तकालय भवन निर्माण का शिलान्यास, शिक्षा क्षेत्र को मिलेगा नया आधार

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल / बीरगंज। भारत सरकार के सहयोग से रौतहट जिले के राजदेवी नगरपालिकाझ्र4 स्थित श्री प्राथमिक विद्यालय के नए विद्यालय एवं पुस्तकालय भवन निर्माण कार्य का मंगलवार को विधिवत शिलान्यास किया गया। यह परियोजना नेपालझ्र भारत विकास सहयोग के अंतर्गत संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में शैक्षिक पूवार्धार को सुदृढ़ बनाना तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना है। शिलान्यास समारोह में वीरगंज स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत देवी सहाय मीना तथा राजदेवी नगरपालिका के मेयर भिखारी प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप से आधारशिला रखी। महावाणिज्य दूतावास द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह परियोजना भारत सरकार के अनुदान सहयोग से लगभग 28.4 मिलियन नेपाली रुपये (लगभग 2 करोड़ 84 लाख रुपये) की लागत से निर्माण की जाएगी। परियोजना को उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजना (एचआईसीडीपी) के रूप में स्वीकृत किया गया है तथा इसका कार्यान्वयन राजदेवी नगरपालिका द्वारा किया जाएगा। निमार्णाधीन भवन दो मंजिला होगा, जिसमें सीढ़ियों सहित कुल आठ आधुनिक कक्षाएँ बनाई जाएँगी। प्रत्येक मंजिल पर चार-चार कक्षाओं की व्यवस्था होगी। इसके अतिरिक्त छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय, सेप्टिक टैंक, सोक पिट, ट्यूबवेल, स्वच्छता सुविधाएँ, विद्युत व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाएँ भी विकसित की जाएँगी। इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध होगा तथा शिक्षा की गुणवत्ता में भी सकारात्मक सुधार आने की उम्मीद है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों, सामाजिक कार्यकताओं, विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा अभिभावकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। उपस्थित वक्ताओं ने भारत सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे सहयोग की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

शिलान्यास समारोह के दौरान राजदेवी नगरपालिका के मेयर, विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रतिनिधियों तथा अन्य सरोकारवालों ने भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की विकासात्मक परियोजनाएँ ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को उन्नत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के अध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी, भारत विकास परिषद्, रक्सौल के सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता विमल सर्राफ ने इस महत्वपूर्ण शैक्षिक परियोजना के लिए भारत सरकार, राजदेवी नगरपालिका तथा विद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किया गया निवेश समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव होता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नया विद्यालय भवन क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। भारत और नेपाल के बीच लंबे समय से विकास साझेदारी, सांस्कृतिक संबंध और आपसी सहयोग की परंपरा रही है।

पदाधिकारीयों एवं कर्मियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया सफल आयोजन

अनुशासनिक कार्यवाही किसी भी प्रशासनिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग है : दीपक कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। महानिदेशक सह मुख्य जांच आयुक्त, बिहार, दीपक कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को संग्रहालय सभा कक्ष में मुंगेर एवं भागलपुर प्रमंडल के अधिकारियों एवं कर्मियों के लिए अनुशासनिक कार्रवाई के विभिन्न चरणों से संबंधित एक संयुक्त एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी सेवाओं में अनुशासनिक कार्यवाहियों के संचालन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी, समयबद्ध एवं विधिसम्मत बनाना था। इस अवसर पर मुंगेर प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त द्वारा महानिदेशक सह मुख्य जांच आयुक्त दीपक कुमार को पौध पात्र भेंट कर सम्मानित किया गया।अपने अध्यक्षीय संबोधन में दीपक कुमार ने कहा कि अनुशासनिक कार्रवाई किसी भी प्रशासनिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग है, जिसका उद्देश्य केवल दंड प्रदान करना नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही, कार्यकुशलता एवं नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है। उन्होंने अधिकारियों को अनुशासनिक मामलों के निष्पादन में नियमों एवं प्रक्रियाओं का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध अनुशासनिक कार्रवाई से न केवल प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होती है, बल्कि कर्मचारियों में भी उत्तरदायित्व एवं कार्य संस्कृति का विकास होता है। प्रशिक्षण के दौरान अनुशासनिक कार्रवाई से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। इनमें आरोप पत्र का प्रारूपण एवं निर्गमन, आरोपों की जांच की प्रक्रिया, जांच पदाधिकारी एवं प्रस्तुतिकरण पदाधिकारी की भूमिका एवं दायित्व, साक्ष्य संकलन एवं मूल्यांकन, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का अनुपालन, जांच प्रतिवेदन की तैयारी, दंड निर्धारण की प्रक्रिया, अपील एवं पुनरीक्षण से संबंधित प्रावधानों सहित अन्य विधिक एवं प्रक्रियात्मक पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को वास्तविक मामलों एवं उदाहरणों के माध्यम से अनुशासनिक कार्रवाई की जटिलताओं को समझाया गया तथा प्रचलित नियमों के अनुरूप उनके समाधान के उपाय बताए गए। साथ ही, अनुशासनिक मामलों में होने वाली सामान्य त्रुटियों एवं उनसे बचाव के उपायों पर भी विशेष प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न विषयों पर अपने प्रश्न एवं जिज्ञासाएं प्रस्तुत की, जिनका विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से समाधान किया गया। इस संवादात्मक सत्र ने प्रशिक्षण को और अधिक उपयोगी एवं व्यावहारिक बनाया। कार्यक्रम में प्रमण्डलीय आयुक्त मुंगेर प्रेम सिंह मीणा, मुख्य जांच आयुक्त कार्यालय के संयुक्त सचिव अमरेश कुमार अमर, सतीश कुमार तिवारी, शालीग्राम पाण्डेय, जिलाधिकारी मुंगेर निखिल धनराज निप्पाणीकर, उप सचिव आलोक कुमार, आशुतोष कुमार, आयुक्त के सचिव सुधीर कुमार, अपर समाहर्ता मनोज कुमार सहित मुंगेर एवं भागलपुर प्रमंडल के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताते हुए इसे प्रशासनिक क्षमता निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

डीएम ने किया स्वच्छ गांव, स्वच्छ जलवायु अभियान का शुभारंभ, दिए कई निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

करपी। प्रखंड क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत करपी प्रखंड में 1 जून से 5 जून तक ह्रस्वच्छ गांव, स्वच्छ जलवायु अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के शुभारंभ पर जिला पदाधिकारी अमृषा बैंस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वच्छता को लेकर दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को अभियान को जन-आंदोलन बनाने और गांवों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने को कहा। इस दौरान करपी प्रखंड विकास पदाधिकारी रोहित कुमार, पंचायती राज पदाधिकारी नीतीश कुमार, अंचल अधिकारी आलोक कुमार, प्रखंड समन्वयक आलोक कुमार के साथ सभी पंचायत सचिव, सभी ग्राम पंचायतों के मुखिया एवं सभी स्वच्छता पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

अभियान के तहत सभी पंचायतों में साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन और जल संरक्षण को लेकर विशेष गतिविधियां चलाई जाएंगी।

संक्षिप्त खबरें

शंकरपुर पहाड़ विरासत स्थल, विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान शुरू

मुंगेर। सदर प्रखंड अंतर्गत शंकरपुर पंचायत सरकार भवन की सभा कक्ष में विश्व पर्यावरण दिवस अवसर पर बुधवार को शंकरपुर पंचायत में ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत के मुखिया मोना भारती ने किया। इस दौरान गाँव की धरोहर शंकरपुर पहाड़ को आधिकारिक तौर पर विरासत स्थल घोषित किया गया । जबकि पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़े पैमाने पर एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बिहार स्टेट बायोडायवर्सिटी बोर्ड के जीआईएस एंड रिमोट सेंसिंग ऑफिसर डॉ. जय कुमार ने कहा कि शंकरपुर पहाड़ को विरासत स्थल का दर्जा मिलने से इसकी ऐतिहासिक और प्राकृतिक पहचान पूरी दुनिया में बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि ह्लएक पेड़ माँ के नामह्व का मतलब है कि हम अपनी माँ के आदर में एक पौधा लगाएं और माँ की तरह उसकी देखभाल करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध हवा मिल सके। पंचायत के मुखिया मोना भारती ने सभी जनता से अपील की कि यह गाँव के लिए बड़े गर्व का दिन है। उन्होंने शंकरपुर के हर परिवार से निवेदन किया कि वे पर्यावरण दिवस पर अपनी माँ के नाम पर एक पौधा जरूर लगाएं और गाँव को हरा-भरा बनाएं। वहीं पूर्व मुखिया दीपक कुमार मुन्ना ने कहा कि हमारे गांव के पहाड़ को विरासत स्थल का दर्जा मिलना हम लोगों के लिए सौभाग्य की बात है। कार्यक्रम में वनरक्षी सुनील कुमार, रंजीत कुमार, कृषि समन्वयक मनोज कुमार, पंचायत सचिव सिकंदर कुमार, बीएमसीओ, प्रखंड समन्वयक पूजा कुमारी, स्वच्छता पर्यवेक्षक अखिलेश कुमार मौजूद थे

सदर प्रखंड के कई गांव पहुंचे विधायक कुमार प्रणय, सुनी लोगों की समस्याएं

मुंगेर। सदर प्रखंड अंतर्गत हसनपुर,मय, टीका रामपुर चंडिका स्थान सहित कई गांव में मुंगेर विधायक कुमार प्रणय पहुंचे और ग्रामीणों की जन समस्याएं सुनीं। विधायक ने लोगों से मिलकर उनकी शिकायतें और मांगें जानी तथा हर संभव दूर करने का भरोसा दिलाया। विधायक कुमार प्रणय ने कहा कि आज मैं अपने विधानसभा क्षेत्र के हसनपुर गांव पहुंचा हूं और लोगों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों से समन्वय कर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष अरुण पोद्दार, भाजपा नेता संतोष पोद्दार, नौवागढी उत्तरी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि धर्मवीर पासवान, जदयू प्रखंड अध्यक्ष सुजीत मंडल सहित दर्जनों कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे। नेताओं ने कहा कि विधायक के दौरे से लोगों में भरोसा बढ़ा है और उनकी समस्याओं का जल्द समाधान होगा।

सुल्तानगंज स्टेशन पर आरपीएफ की कार्रवाई, चैन पुलिंग व धूम्रपान मामले में तीन लोग पकड़े गए

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए कुल तीन लोगों को पकड़ा। आरपीएफ पोस्ट से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रेन में बिना अनुमति चैन पुलिंग करने के आरोप में दो यात्रियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद दोनों यात्रियों को पीआर बांड पर मुक्त कर दिया गया।

कंटेनर से 3,042 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

शेरघाटी। आमस थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कंटेनर से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस द्वारा की गई जांच में कंटेनर से इंपीरियल ब्लू ब्रांड की कुल 344 कार्टन शराब जब्त की गई। बरामद शराब में 180 एमएल की 159 कार्टन, 375 एमएल की 97 कार्टन तथा 750 एमएल की 98 कार्टन शामिल हैं। कुल मिलाकर 3,042 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई है।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कंटेनर चालक महेंद्र कुमार एवं खलासी टिकमा राम को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी राजस्थान के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस ने कंटेनर को भी जब्त कर लिया है और शराब की खेप के स्रोत तथा गंतव्य के संबंध में जांच शुरू कर दी है।थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

उर्वरकों की कालाबाजारी पर जिला प्रशासन की रहेगी पैनी नजर

सभी उर्वरक कंपनियां अपने रैक जमालपुर स्थित उर्वरक रैक पॉइंट पर उपलब्ध कराएं : विधायक

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक बुधवार को जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले में उर्वरकों की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था, कालाबाजारी की रोकथाम तथा आगामी खरीफ मौसम को देखते हुए किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुंगेर विधायक कुमार प्रणय, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, सहायक निदेशक (पौधा संरक्षण), सहायक निदेशक (रसायन), सहायक निदेशक (शस्य) प्रक्षेत्र सहित विभिन्न उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधि एवं जिले के थोक उर्वरक विक्रेता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान समय में जिले में किसानों की आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। उर्वरकों की कालाबाजारी एवं अनियमित बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए जिले के सभी खुदरा उर्वरक प्रतिष्ठानों पर क्षेत्रीय कृषि कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है।इसके अतिरिक्त जिला स्तर पर एक उर्वरक नियंत्रण कक्ष की स्थापना भी की गई है, जहां से उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की नियमित निगरानी की जा रही है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिया कि किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता, जमाखोरी या कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने उर्वरक आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी बनाए रखने तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने का निर्देश दिया। आगामी खरीफ मौसम में संभावित क्षेत्र विस्तार एवं फसल पद्धति में हो रहे बदलावों को ध्यान में रखते हुए जिले के लिए उर्वरकों का आवंटन लक्ष्य बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए किसानों की मांग के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करने के निदेश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसानों को समय पर, पर्याप्त मात्रा में तथा निर्धारित दर पर उर्वरक उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए प्रशासन, कृषि विभाग, उर्वरक कंपनियों एवं विक्रेताओं के बीच निरंतर समन्वय स्थापित कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि आगामी खरीफ मौसम में किसानों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। बैठक में विधायक, सदर मुंगेर ने सुझाव दिया कि सभी उर्वरक कंपनियां अपने रैक जमालपुर स्थित उर्वरक रैक प्वाइंट पर उपलब्ध कराएं, जिससे मुंगेर जिले के किसानों को उर्वरकों की सहज एवं त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि परिवहन एवं वितरण की बेहतर व्यवस्था से किसानों को समय पर उर्वरक प्राप्त होगा और कृषि कार्यों में सुविधा मिलेगी। बैठक में उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधियों एवं थोक विक्रेताओं द्वारा भी उर्वरक आपूर्ति एवं वितरण से संबंधित अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए गए। जिला पदाधिकारी ने सभी पक्षों के सुझावों पर सकारात्मक विचार करते हुए किसानों के हित में समन्वित एवं प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही।

बरसात से पहले एनएच-531 पर पुल-पुलियों की सफाई शुरू, जल निकासी व्यवस्था होगी बेहतर

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा मानसून के आगमन से पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग-531 पर जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए पुल-पुलियों और नालों की सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। दारौंदा प्रखंड क्षेत्र से गुजरने वाले एनएच पर जेसीबी मशीन की मदद से पुल-पुलियों एवं नालों में जमा गाद, मिट्टी और कचरे को हटाया जा रहा है, ताकि वर्षा का पानी आसानी से निकल सके।

सफाई अभियान के तहत जल निकासी मार्गों को अवरुद्ध करने वाले अवशेषों को हटाया जा रहा है। इससे बरसात के दौरान सड़क पर पानी जमा होने की समस्या में कमी आने की उम्मीद है। साथ ही आसपास के खेतों में जलभराव की स्थिति भी नहीं बनेगी, जिससे किसानों को राहत मिलेगी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बरसात के समय कई स्थानों पर पानी जमा होने से आवागमन प्रभावित होता था। पुल-पुलियों की समय रहते सफाई होने से राहगीरों को सुगम यातायात की सुविधा मिलेगी तथा सड़क जाम की समस्या भी कम होगी।

ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा बरसात से पहले उठाए गए इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के किसानों, वाहन चालकों और आम लोगों को काफी लाभ मिलेगा। लोगों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी नियमित रूप से ऐसी सफाई कराई जाती रहेगी, जिससे जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त बनी रहे।

16 लीटर शराब बरामदगी मामले में एक पर प्राथमिकी दर्ज

सीवान/दारौंदा थाना क्षेत्र के बंगरा से पुलिस से गुप्त सूचना के आधार पर 16 लीटर विदेशी शराब बरामद किया. इस संबंध में पुअनि सूर्य कुमार ने अपने दिए बयान में कहा है कि ढोलकिया पुल के पास गस्ती के दौरान गुप्त सूचना मिली कि बंगरा सरकारी स्कूल के समीप शराब के साथ तस्करी के लिए एक युवक खड़ा है. सूचना मिलने के बाद छापेमारी की गई. जिसके बाद मौका का फायदा उठाकर शराब तस्कर भागने में सफल रहा. वहीं झाड़ी से 16 लीटर विदेशी शराब बरामद हुआ. इस मामले में आरोपी बिटु कुमार यादव पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है.

बिहार सरकार

समाहरणालय जमुई
(SC/ST कल्याण शाखा)

(अनु0जाति एवं अनु0 जनजाति कल्याण विभाग, बिहार, पटना)
(अल्पकालीन नामांकन सूचना संख्या–01/2026–27)

अनु0जाति एवं अनु0 जनजाति, कल्याण विभाग, बिहार, पटना द्वारा जमुई जिले में अनु0 जाति वर्ग के छात्रों के लिए (10 प्रतिशत अनु0जनजाति के लिए आरक्षित) संचालित डॉ0 भीमराव अम्बेडकर कल्याण छात्रावास, के0केएम0 कॉलेज, जमुई एवं लछुआड़ तथा अनु0जनजाति वर्ग के छात्रों के लिए (10 प्रतिशत अनु0जाति के लिए आरक्षित) डॉ0 भीमराव अम्बेडकर कल्याण छात्रावास, झाझा/चकाई एवं चकाई–2 छाता में रिक्त बल के विरूद्ध विभागीय निदेशानुसार शैक्षणिक सत्र 2026–27 में नामांकन हेतु ऑनलाईन https://scstonline.bihar.gov.in/cay/scst_mh_app/default.aspx के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

उक्त छात्रावास में आवासीत छात्र को निम्न सुविधाएं विभाग द्वारा प्रदान की जाती है:–

1. आवासीत छात्रों को मुफ्त आवासन, बिजली, शुद्ध पेयजल एवं अन्य सुविधाएं विभाग द्वारा प्रदान की जाती हैं।
2. **"मुख्यमंत्री छात्रावास अनुदान"** योजनान्तर्गत आवासीत छात्रों को प्रतिमाह 2000/रू0 अनुदान राशि विभाग द्वारा दी जाती है।
3. **"मुख्यमंत्री छात्रावास खाद्यान्न"** योजनान्तर्गत आवासीत छात्रों को प्रतिमाह 15 किलो अनाज (गेहूँ–06 किलो, चावल–09 किलो) उपलब्ध कराया जाता है।

उक्त छात्रावास में नामांकन हेतु इच्छुक अनु0जाति/अनु0जनजाति के वैसे छात्र जो छात्रावास के अगल–बगल में सरकारी संस्थान/अन्य मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों में मैट्रिक/इंटर/स्नातक/स्नातकोत्तर एवं अन्य व्यवसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत् है को रिक्त बल के विरूद्ध छात्रावास में नामांकन हेतु ऑनलाईन आवेदन दिनांक–20.06.2026 तक समर्पित करेगे। नामांकन छात्रावास में रिक्त स्थान पर विभागीय निर्देशानुसार किया जायेगा।

नोट:– विस्तृत जानकारी हेतु **https://jamui.nic.in** पर देखा जा सकता है।

जिला अनु0जाति एवं0 अनु0जनजाति कल्याण पदाधिकारी, जमुई | PR. No. 004851 (Welfare) 2026-27 | उप विकास आयुक्त जमुई

उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

अगर मन में हो एच.आई.वी. अथवा यौन जनित रोग से जुड़े सवाल तो तुरन्त 1097 पर करें कॉल।

बिहार सरकार

जिला खनन कार्यालय, बक्सर।

बक्सर जिला में अन्य राज्यो से प्रवेश करने वाले लघु खनिज लदे वाहनो हेतु महत्वपूर्ण आम सूचना

सर्वसाधारण, वाहन स्वामियों, चालको, परिवहनकर्ताओं एवं खनिज व्यसायियों को सूचित किया जाता है कि खान एवं भूतत्व विभाग, बिहार, पटना द्वारा निर्गत अधिसूचना के आलोक में दिनांक–10.06.2026 से बिहार राज्य की सीमा में अन्य राज्यों से प्रवेश करने वाले लघु खनिज यथा बालू, पत्थर इत्यादि लदे सभी वाहनों के लिए **Inter State Transit Pass (ISTP)** प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया गया है।

ISTP हेतु निर्धारित दरें :–

- 60 प्रति मीट्रीक टन (परिवहन चालान पर खनिज की मात्रा वजन में अंकित रहने पर)
- 85 प्रति घनमीटर (परिवहन चालान पर खनिज की मात्रा वजन में अंकित रहने पर)

आवश्यक निर्देश :–

- सभी वाहनों को **ISTP** पोर्टल पर पंजी कराना अनिवार्य है।
- अपने वाहन का तत्काल पंजीकरण https://istp.bihar.gov.in पर करायें।
- पंजीकरण करने पर बने Login id/Password का उपयोग कर Login करें।
- अन्य राज्यों से आने बाले खनिज के स्त्रोत से परिवहन चालान निर्गत होने के 6 घंटे के अन्दर वाहन पर लदे खनिज की मात्रा के अनुरूप ट्रांजिट पास लेना अनिवार्य है।
- ट्रांजिट पास के लिए ऑनलाईन भुगतान पोर्टल के माध्यम से ही किया जायेगा।
- **ISTP** चालान की वैधता खनिज परिवहन चालान की वैधता के अनुरूप होगा।
- खनिज परिवहन के दौरान ट्रांजिट पास के साथ–साथ अन्य राज्यों से निर्गत वैध खजिन परिवहन चालान रखना अनिवार्य है।
- खनिज परिवहन के दौरान दोनो (ट्रांजिट पास एवं वैध खनिज परिवहन चालान) रखा जाना अनिवार्य है। जॉच के क्रम में उक्त दोनों चालान में से कोई भी एक चालान नहीं पाये जाने पर बिहार खनिज (समानुदान, अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण निवारण)नियमावली, 2019 यथा संशोधित 2026 के अन्तर्गत दण्ड अधिरोपित किया जायेगा।
- अवैध खनिज परिवहन के लिए जब्त वाहन जुर्माना भुगतान के पश्चात ही विमुक्त हो सकेगा।
- बिहार सरकार द्वारा जारी सभी नियामों का पालन करें एवं वैध खनिज परिवहन सुनिश्चित करें।

अपील :–

जिला खनन कार्यालय, बक्सर एवं जिला प्रशासन बक्सर सभी वाहन स्वामियों, चालकों, परिवहनकर्ताओं एवं खनिज व्यवसायियों से अपील करता है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करते हुए वैध खनिज परिवहन सुनिश्चित करें तथा अवैध खनिज परिवहन के रोकथाम में खनन विभाग/जिला प्रशासन का सहयोग करें।

PR- 04917 (Mines) 2026-27

प्रभारी पदाधिकारी,
जिला खनन कार्यालय, बक्सर।

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

बिहार सरकार
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग

पशुधन द्वारा

आपदा प्रभावित पशुओं के जीवन रक्षण हेतु
पशु चारा वितरण कार्यक्रम

आपदा से प्रभावित पशुओं के जीवन रक्षा हेतु समय–समय पर पशु चारा वितरण कराने का कार्य जिला प्रशासन के सहयोग से जिला पशुपालन पदाधिकारी के द्वारा सम्पन्न किया जाता है।

चारा मात्रा/अनुमान्यता:

- निर्धारित सहायय मानदर के अनुरूप बड़े जानवरों के लिए 70 रूपये तथा छोटे जानवर के लिए 35 रूपये प्रतिदिन अनुमान्य है।
- आपदाग्रस्त पशुओं के जीवन रक्षण के लिये सामान्यत: बड़े जानवरों के लिये 06 कि.ग्रा., छोटे जानवरों के लिए 03 कि.ग्रा. तथा भेड़–बकरियों के लिये 01 कि.ग्रा. चारा की आवश्यकता होती है।
- पशु शिविरों/अस्थायी शिविरों में एक बार में तीन दिन/एक सप्ताह हेतु चारा वितरण कराया जाता है तथा बाढ़ की स्थिति के अनुसार शिविर संचालन तक पुन: वितरण कराया जाता है।

वितरण प्रक्रिया:

- जिला प्रशासन के मार्गदर्शन एवं सहयोग से शिविरों/अस्थाई शिविरों में पशुओं की संख्या के अनुसार चारा वितरण किया जायेगा।
- चारा वितरण के पूर्व सभी प्रभावित पशुओं की प्रकार/संख्या के आधार पर गणना कर पशुपालकवार टोकन वितरण किया जाता है तथा उक्त टोकन के आधार पर क्रमानुसार चारा का प्रबंध कर वितरित किया जाता है।

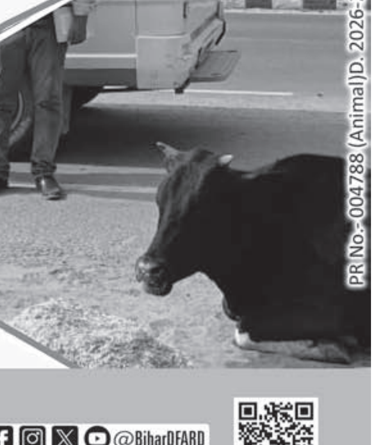

PR No.-004788 (Animal)D. 2026-27

विशेष जानकारी पशुपालन निदेशालय, बिहार, पटना स्थित आपदा कोषांग (दूरभाष संख्या **0612-2230942**) या पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, बिहार, पटना (दूरभाष संख्या **0612-2226049**) से प्राप्त की जा सकती है।

@BiharDFARD

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, गुरूवार, 04 जून 2026

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

बिहार में उद्यान क्रांति की तैयारी, नर्सरी विकास और कृषि उद्यमिता को मिलेगा नया बल

कृषि मंत्री का बड़ा निर्देश: अतिक्रमण मुक्त होगी कृषि भूमि, राज्यभर में विकसित होंगी आधुनिक नर्सरियां

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री, बिहार श्री विजय कुमार सिन्हा ने आज मीठापुर स्थित कृषि भवन में उद्यान निदेशालय, फसल एवं प्रक्षेत्र, उपादान तथा माप-तौल संभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान राज्य में कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

मंत्री ने स्पष्ट कहा कि कृषि विभाग की नीतियां किसानों और उद्यमियों के हित में निरंतरता के साथ लागू होती रहनी चाहिए। सरकार कोई भी हो, कृषि विकास से जुड़ी नीतियों में अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के बेहतर एवं नवाचारी उद्यमियों को संरक्षण देना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बिहार की उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और उसे सुरक्षित रखने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे तथा विकास में बाधा उत्पन्न करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में माननीय मंत्री श्री सिन्हा ने कहा कि बिहार, कृषि उत्पादन के क्षेत्र में देश का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है, जबकि फलों के उत्पादन में राज्य का आठवां स्थान है। उन्होंने इस उपलब्धि को और सुदृढ़ बनाने के लिए नर्सरी विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि नर्सरियों के सुचारु संचालन हेतु माली की उपलब्धता, सिंचाई की समुचित व्यवस्था तथा उनकी घेराबंदी सुनिश्चित की जाए। साथ ही, नई नर्सरियों के लिए भूमि का शीघ्र चिन्हांकन किया जाए तथा कृषि विभाग की अतिक्रमित भूमि को जिला प्रशासन के सहयोग से मुक्त कराया जाए। उन्होंने कृषि विभाग से संबंधित भूमि अतिक्रमण के थानों में लंबित मामलों की सूची भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

माननीय मंत्री ने राज्य में फल, सब्जी, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की नर्सरियों को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को सरकार द्वारा अनुदानित पौधों की उपलब्धता प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जानकारी दी कि बिहार में उद्यानिकी क्षेत्र के विकास और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से बिहार कृषि स्टार्टअप मिशन के अंतर्गत उद्यानिकी आधारित स्टार्टअप गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

बैठक में माननीय मंत्री ने बिहार की पारंपरिक और विशिष्ट फसल किस्मों के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विलुप्ति की ओर बढ़ रही प्रसिद्ध दीघा मालदा आम की पहचान को पुनर्स्थापित करना सरकार की प्राथमिकता है। इसके साथ ही बथुआ आम, जर्दा आम, दीघा का दुधिया आम, मालभोग तथा चीनिया केला को जीआई टैग दिलाने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों को तेज करने का निर्देश दिया।

मधुमक्खी पालन एवं शहद उत्पादन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए श्री सिन्हा ने शहद प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना एवं विस्तार पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मुजफ्फरपुर की लीची अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता और स्वाद के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है।

बिहार सूचना प्रावैधिकी सेवा नियमावली, 2026 को मंत्रिपरिषद की मिली मंजूरी

- डिजिटल बिहार के सपने को मिले पंख, आईटी सेवा नियमावली स्वीकृत
- बिहार में आई टी क्रांति का अगला चरण शुरू : नीतीश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। सूचना प्रावैधिकी विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि आज आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में बिहार सूचना प्रावैधिकी सेवा नियमावली, 2026 के गठन को स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय राज्य में डिजिटल प्रशासन को मजबूत करने तथा सूचना प्रावैधिकी आधारित सेवाओं को जिला एवं क्षेत्रीय स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।श्री नीतीश मिश्रा ने बिहार सूचना प्रावैधिकी सेवा नियमावली, 2026 को स्वीकृति प्रदान किए जाने पर मुख्यमंत्री बिहार सम्राट चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों का भी धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह पहल बिहार में डिजिटल सुशासन को नई दिशा और गति प्रदान करेगी।

श्री मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में सूचना प्रावैधिकी के क्षेत्र में तेजी से विस्तार हो रहा है तथा इसके उपयोग के आयाम लगातार बढ़ रहे हैं। शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली में डिजिटल तकनीकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। ऐसे में प्रमंडलीय कार्यालयों, जिला स्तरीय कार्यालयों तथा प्रखंड स्तर तक हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर एवं ऑटोमेशन से संबंधित आवश्यकताओं की आपूर्ति अब अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है।उन्होंने कहा कि सूचना प्रावैधिकी से संबंधित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न नीतियों, कार्यक्रमों तथा विधिक प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन मुख्यालय से लेकर क्षेत्रीय कार्यालयों तक सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए एक सुदृढ़ एवं समर्पित सूचना प्रावैधिकी सेवा तंत्र की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी।मंत्री ने बताया कि राज्य में विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित आईटी परियोजनाओं का दायरा लगातार बढ़ रहा है। इन परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन, निगरानी, समन्वय तथा समयबद्ध रोलआउट के लिए जिला एवं क्षेत्रीय स्तर पर तकनीकी विशेषज्ञता और प्रशासनिक संरचना का होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से बिहार सूचना प्रावैधिकी सेवा नियमावली, 2026 का गठन किया गया है।उन्होंने कहा कि इस नियमावली के गठन के उपरांत सूचना प्रावैधिकी विभाग के जिला एवं क्षेत्रीय कार्यालयों का सृजन होगा। इन कार्यालयों में जिला ई-गवर्नेंस पदाधिकारी सहित अन्य तकनीकी पदाधिकारियों की पदस्थापना की जाएगी, जिससे विभागीय योजनाओं एवं परियोजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा।

श्री मिश्रा ने कहा कि नई व्यवस्था से आम नागरिकों का विभाग के साथ डिजिटल जुड़ाव और अधिक सशक्त होगा। साथ ही, क्षेत्रीय स्तर पर आईटी सेवाओं से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो सकेगा।

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा डीडीयू मानपुर खंड का निरीक्षण

- अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन पर ट्रैक प्रणाली एवं परिचालन संरक्षा की समीक्षा
- मानपुर एवं गया जंक्शन पर यात्री सुविधाओं, कार्यों का निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी मंडल रेल प्रबंधक, डीडीयू मंडल उदय सिंह मीना द्वारा आज डीडीयूझमानपुर खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के दौरान अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन सीमा में हावड़ा की ओर ट्रैक सेक्शन का गहन अवलोकन किया गया है। इस दौरान प्वाइंट्स (ट्रैक को एक लाइन से दूसरी लाइन पर ले जाने की व्यवस्था), गेज (दो रेल पटरियों के बीच निर्धारित दूरी) तथा लंबे वेल्डेड रेल सेक्शनों (बिना जोड़ वाली लंबी रेल पट्टियां) की स्थिति का परीक्षण किया गया। ट्रैक की ज्यामितीय स्थिति (लाइन, लेवल एवं एलाइन्मेंट) तथा निर्धारित अनुरक्षण एवं संरक्षा मानकों के अनुपालन की समीक्षा की गई है।

इस निरीक्षण के दौरान ट्रैक अनुरक्षण कार्य में संलग्न कर्मचारियों से संवाद किया गया, जिसमें स्थायी पथ निरीक्षक (ढहक), ट्रैकमैन एवं ट्रॉलीमैन शामिल रहे। ट्रैक निगरानी, नियमित पेट्रोलिंग व्यवस्था तथा संरक्षा प्रक्रियाओं के अनुपालन की स्थिति का अवलोकन किया गया है। भीषण गर्मी के दृष्टिगत रेल पटरियों पर तापमान जनित प्रभावों के प्रबंधन हेतु अपनाई जा रही ट्रैक संरक्षा एवं अनुरक्षण व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई है। गर्मी में कार्य के दौरान कर्मियों के अपने स्वास्थ्य रक्षा के प्रति सतर्क रहने पर विशेष बल दिया गया है।

इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक द्वारा मानपुर जंक्शन का निरीक्षण किया गया, जहां यात्री सुविधाओं, स्टेशन परिसर की स्वच्छता, ट्रेनों के संचालन, यात्री प्रबंधन व्यवस्था एवं कार्यप्रणाली का विस्तृत जायजा लिया गया है।तत्पश्चात गया जंक्शन का निरीक्षण किया गया है, जिसमें स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं के विस्तार, भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था एवं परिचालनिक सुगमता का विस्तृत अवलोकन किया गया। पुनर्विकास कार्यों की प्रगति एवं यात्री सुविधा केंद्रित व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई है।

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा जारी कार्यों के दौरान यात्रियों के सुचारू आवागमन एवं सदैव वर्क सेफ्टी के साथ यात्रियों की संरक्षा-सुरक्षा सुनिश्चित रखने हेतु निर्देशित किया गया है।इस निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे। मंडल द्वारा सभी प्रमुख स्टेशनों एवं ट्रैक सेक्शनों पर संरक्षा, अनुरक्षण एवं यात्री सुविधा मानकों की नियमित समीक्षा एवं निगरानी निरंतर जारी है।

घर के बुजुर्ग भगवान समान: डॉ गीता जैन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार प्रादेशिक अग्रवाल सम्मलेन एवं अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान एवं कला जागरण पटना के सहयोग से दादी मंदिर, बैंक रोड, पटना में बच्चों के लिए चलाये जा रहे समर कैम्प में बच्चों को नैतिक शिक्षा के बारे में बताते हुए बिहार महिला अग्रवाल अध्यक्ष डॉ गीता जैन ने बच्चों को बताया की घर में रहने वाले हमारे दादा, दादी, माता, पिता भगवान्‌के समान होते हैं. प्रतिदिन सुबह उन्हें प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेना चाहिए. डॉ जैन ने बच्चों को बताया कि बड़े बुजुर्गों को हमें गुड मोर्निंग नहीं बोलकर उन्हें प्रणाम करना चाहिए. अगर उन्हें प्रणाम करेंगे तो हमें उनका आशीर्वाद मिलेगा. इसके बाद समर कैंप की शुरूवात योग प्रशिक्षिका रीना कुमारी ने बच्चों को सूर्य नमस्कार तथा हाईट बढाने का का योग करना सिखाया. मम्मियों ने भी बच्चों के साथ योग किया. योग के बाद क्राफ्ट शिक्षिका निभा कुमारी ने बच्चों को मिट्टी से बने गुल्लक को सजाने की कला सिखाया। साथ हीं उनपर विभिन्न रंग भरने की कला सिखाई. इसके साथ हीं क्राफ्ट शिक्षिका नलिनी ने बच्चों को मिट्टी से उल्लू बनाना सिखाया। बनाने के बाद उनपर रंग भरना भी बताया। नलिनी ने बताया कि लक्ष्मी सुभता का प्रतीक है और यह माता लक्ष्मी का वाहन है। इसके बाद प्रसिद्ध रंगकर्मी सुमन कुमार ने बच्चों को अभिनय करना बताया। सुमन कुमार ने बताया की रंग मंच पर अभिनय के लिए सबसे पहले संवाद को समझकर शारीरिक हाव भाव को पात्र के अनुरूप ढालना होता है। साथ ही सुमन कुमार ने कमलेश्वर द्वारा लिखित एक व्यंग नाटिका ‍ह्हम एक हैंह्व के बारे में प्रैक्टिस कराया। इसको समझने में रणविजय सिंह ने बच्चों का सहयोग किया. पाश्चात्य नृत्य की प्रशिक्षिका रोज सिंह ने बच्चों को एरोबिक डांस एवं विभिन्न पाश्चात्य डांस का प्रशिक्षण दिया. मौके पर शक्तिधाम के मुख्य संस्थापक अमर अग्रवाल ने बच्चों को एवं अभिभावकों से कहा ।

जिले में वर्तमान में यूरिया सहित अन्य उर्वरकों की कोई कमी नही

गया जी।खरीफ मौसम प्रारम्भ होने के साथ ही किसानों द्वारा लगातार यूरिया सहित अन्य उर्वरकों की माँग काफी बढ़ गई है। किसानों को सुगमतापूर्वक उर्वरक की उपलब्धता हेतु जिले में उपलब्ध उर्वरको का नियमित रुप से भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि उर्वरक वितरण पर सख्त निगरानी रखी जा रही है एवं उर्वरक वितरण में दोषी पाये जाने विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जायेगी। इसके साथ ही किसानों से प्राप्त हो रही शिकायतों का त्वरित निष्पादन कराया जा रहा है। अधिक मूल्य पर उर्वरक बिक्री के आरोप में मे० किशोरी इन्टरप्राईजेज, टिकारी, मे० किसान बीज भंडार, नगर एवं मे० सोना ट्रेडर्स, परैया का उर्वरक अनुज्ञप्ति को निलंबित किया गया है। इसके साथ ही विगत छः माह में उर्वरक के सिवाय अन्य व्यापार में लिप्त प्रतिष्ठानों पर भी कार्रवाई की गई है। कुल 12 प्रतिष्ठानों का पी०ओ०एस० मशीन जब्त करते हुये उर्वरक अनुज्ञप्ति को रद्द किया गया है।

नगर निगम के सशक्त स्थायी समिति चुनाव में सारिका वर्मा को मगही कलाकार एवं भाजपा नेत्री ने दी बधाई

गया जी।नगर निगम सशक्त स्थायी समिति के सात सदस्य के चुनाव होने के बाद आज सारिका वर्मा को बधाई देने पहुंचे मगही कलाकार विवेक मिश्रा एवं महिला भाजपा नेत्री पम्मी सिंह एव अर्पणा मिश्रा ने सारिका वर्मा को हृदय से बधाइ दी है साथ ही नगर निगम मे पहली बार सशक्त स्थायी समिति के सदस्य बनी है जिससे नगर निगम का विकास और होगा।

बिहार के 342 हाजी लौटे, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ने कोलकाता पहुंच किया स्वागत

पटना। बिहार के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के माननीय मंत्री मो. जमा खान ने हज-2026 की यात्रा पुरी कर स्वदेश लौटने वाले हाजियों का स्वागत किया। मंत्री इनका स्वागत करने बुधवार की सुबह कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे। उन्होंने सभी 342 हज यात्रियों से मुलाकात की और उनकी यात्रा के कुशल समापन पर बधाई देते हुए अल्लाह से उनके हज को कबूल होने की दुआ की। उन्होंने यात्रियों को फूलों के गुलदस्ते भेंट किए और उनके अनुभव सुने। हाजियों ने बिहार सरकार और केंद्र सरकार की ओर से उपलब्ध कराई गई सुविधाओं की सराहना की। इस अवसर पर मंत्री मो. जमा खान ने कहा कि हज यात्रा इस्लाम के पांच स्तंभों में एक है। राज्य सरकार माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में अल्पसंख्यक समुदाय की धार्मिक भावनाओं का पूरा सम्मान करती है। जोर देते हुए कहा कि सरकार हज यात्रियों को बेहतर सुविधाएं, चिकित्सा सहायता, परिवहन और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रमंडलीय आयुक्त ने की परिवहन विभाग की प्रगति की समीक्षा

अधिकारियों को सरकार के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना मयंक वरवड़े ने प्रमंडल अन्तर्गत सभी जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारियों को अपने-अपने जिला में जिला सड़क सुरक्षा समिति तथा बाल परिवहन समिति की नियमित तौर पर बैठक आयोजित कराने का निदेश दिया है। वे आज आयुक्त कार्यालय स्थित सभाकक्ष में इस विषय पर आयोजित एक बैठक में पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में प्रमंडल अन्तर्गत सभी छः जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि बच्चों सहित किसी भी आम नागरिक की सुरक्षा से कोई भी खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारीगण सड़क सुरक्षा मानकों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराएँ। प्रमंडलीय आयुक्त ने अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध राजस्व संग्रहण के लिए नियमित तौर पर तत्पर रहने का निदेश दिया। इस बैठक में प्रमंडलीय आयुक्त द्वारा जिला सड़क सुरक्षा एवं बाल परिवहन समिति की बैठकों का आयोजन, निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध राजस्व संग्रहण, नए वाहनों का निबंधन, परमिट निर्गमन, चालक अनुज्ञप्ति, पेट्रोल पम्पों का नवीनीकरण एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, मोटर ट्रेनिंग स्कूल, टेस्टिंग ट्रैक, प्रदूषण जाँच केन्द्रों का अनुज्ञप्ति निर्गमण एवं नवीनीकरण, मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना, मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना इत्यादि में प्रगति की समीक्षा की गई तथा अद्यतन स्थिति का जायजा लिया गया। संयुक्त आयुक्त-सह-सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार, पटना प्रमंडल, पटना श्री मनोज कुमार चौधरी द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। आयुक्त श्री मयंक वरवड़े ने सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों को सरकार के दिशा-निदेशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निदेश दिया।प्रमंडलीय आयुक्त ने निदेश दिया कि सभी जिला परिवहन पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में विद्यालय वाहनों की नियमित तौर पर सघन जाँच करें। बच्चों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध दंड सहित विधि-सम्मत कठोरतम कार्रवाई करें।प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि हर-एक विद्यालय में बाल परिवहन समिति क्रियाशील रहना चाहिए तथा इसका प्रावधानों के अनुसार समय-समय पर बैठक आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यालय प्रबंधन, वाहन चालकों एवं परिचरों, बस ऑपरेटर्स, माता-पिता/अभिभावकों एवं प्रशासन की यह सम्मिलित जिम्मेदारी है कि बच्चों की सुरक्षा हर हाल में हो।आयुक्त ने निदेश दिया कि सभी प्रवर्तन अवर निरीक्षक, मोटरयान निरीक्षक तथा जिला परिवहन पदाधिकारी राजस्व संग्रहण के निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध सक्रिय होकर उपलब्धि हासिल करें। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आयुक्त मयंक वरवड़े ने अधिकारियों को प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्रों के नियमित तौर पर अभियान चलाकर जाँच करने का निदेश दिया। उन्होंने ओवरलोडिंग तथा अवैध गाड़ियों के परिचालन के विरूद्ध समय-समय पर स्पेशल ड्राइव चलाने तथा नियमानुसार दंड लगाने एवं अन्य कार्रवाई करने का निदेश दिया। प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि सुगम एवं सुचारू यातायात की व्यवस्था जनहित में आवश्यक है। यह हमारी कार्यशैली एवं जीवन-शैली पर काफी प्रभाव डालता है।

सभी जिला परिवहन पदाधिकारी पुलिस, प्रशासन, नगर विकास विभाग, ट्रैफिक, एनएचएआई, पथ निर्माण सहित अन्य सभी विभागों के जिला में पदस्थापित पदाधिकारियों के साथ सार्थक समन्वय स्थापित कर बेहतर यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करें। सुरक्षित एवं सुगम यातायात प्रबंधन के सभी मानकों के प्रति सम्पूर्ण प्रशासनिक तंत्र सजग एवं तत्पर रहे। पार्किंग स्थल, वेंडिंग जोन, नो-इन्ट्री पर विचार, सड़क की चौड़ाई बढ़ाना, जाम एवं दुर्घटना का कारण खोजने एवं इसका समाधान करने, अतिक्रमण हटाने, सीसीटीवी कैमरों का अधिष्ठापन इत्यादि पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

आधुनिक कृषि की जरूरत है ड्रोन आधारित छिड़काव : मंत्री

- कीट प्रबंधन और मृदा स्वास्थ्य पर सरकार सजग, स्वयं गांवों में जाकर जांच करेंगे कृषि मंत्री
- पौधा संरक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जा रहा विशेष जोर

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। फसलों में कीट प्रबंधन के लिए ड्रोन आधारित छिड़काव आधुनिक कृषि की आवश्यकता है। ड्रोन से छिड़काव के बाद संबंधित किसानों का वीडियो रिकॉर्ड तैयार किया जाए और सत्यापन किया जाए कि निर्धारित क्षेत्र में वास्तव में छिड़काव हुआ है या नहीं। योजनाओं के क्रियान्वयन में केवल खानापूर्ति से काम नहीं चलेगा, बल्कि जमीनी स्तर पर परिणाम दिखाई देने चाहिए। ये बातें राज्य के माननीय कृषि मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को कृषि भवन में हुई समीक्षा बैठक के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागीय स्तर पर बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। साथ ही, ड्रोन से किए जाने वाले कीटनाशी एवं तरल उर्वरक छिड़काव की नियमित जांच की जाए तथा इससे कीटों और पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन करने के लिए विशेषज्ञों की टीम गठित की जाए। बैठक में पौधा संरक्षण, कीट प्रबंधन, ड्रोन आधारित छिड़काव, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा प्रयोगशालाओं के संचालन एवं सुदृढ़ीकरण से संबंधित योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में पौधा संरक्षण से संबंधित विभिन्न योजनाओं पर कुल 1,982.60 लाख रुपये व्यय किए गए हैं। इनमें ड्रोन से फसलों पर कीटनाशी एवं तरल उर्वरक छिड़काव योजना, बगीचों एवं फसलों में कीट प्रबंधन योजना, उपादान वितरण योजना, पौधा संरक्षण परामर्श योजना, पौधा संरक्षण परामर्श एवं उपादान योजना तथा पीपीपी मोड में ड्रोन द्वारा कीटनाशी एवं तरल उर्वरक के एरियल स्प्रे की योजना शामिल हैं।

कृषि मंत्री ने कीटनाशक दवा विक्रेताओं की दुकानों की ग्रेडिंग व्यवस्था विकसित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दुकानों की गुणवत्ता, किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं तथा बिक्री के आधार पर उनका मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिससे किसानों को गुणवत्तापूर्ण कीटनाशी दवाएं उपलब्ध हो सकें। मिट्टी जांच प्रयोगशालाओं की समीक्षा के दौरान मंत्री ने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कृषि उत्पादन की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि राज्य योजना अंतर्गत मिट्टी जांच, बीज विश्लेषण एवं गुण नियंत्रण प्रयोगशालाओं के संचालन एवं सुदृढ़ीकरण की योजना के तहत वर्ष 2025-26 में 774.21 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। वहीं, केंद्र प्रायोजित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना पर 5,062.84 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। श्री सिन्हा ने कहा कि वे स्वयं गांवों का दौरा कर मिट्टी जांच की प्रक्रिया, प्रयोगशालाओं की कार्यप्रणाली तथा किसानों को मिल रहे लाभों का प्रत्यक्ष निरीक्षण करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं का लाभ अधिकाधिक किसानों तक पहुंचाने तथा कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

बांस घाट स्थित अत्याधुनिक शवदाह गृह में कल से प्रारंभ होगी अंत्येष्टि सेवा

पटना । पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा विकसित बांस घाट स्थित अत्याधुनिक शवदाह गृह में कल से आम नागरिकों के लिए अंत्येष्टि सेवाएं प्रारंभ की जाएंगी। इस अवसर पर आज परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न की गई इस दौरान पटना नगर निगम की महापौर श्रीमती सीता साहू , उपमहापौर श्रीमति रेशमी कुमारी, पार्षदगण, पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अधिकारी एवं ईशा फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा विकसित यह अत्याधुनिक परिसर नागरिकों को स्वच्छ, व्यवस्थित, गरिमामय एवं पर्यावरण-अनुकूल अंतिम संस्कार सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।परिसर में एक साथ लगभग 18 अंत्येष्टि सम्पन्न किए जाने की व्यवस्था विकसित की गई है, जिसमें 4 विद्युत शवदाह , 6 लकड़ी आधारित शवदाह तथा 8 पारंपरिक अंत्येष्टि स्थल शामिल हैं इसके अतिरिक्त श्रद्धांजलि एवं पूजा-अर्चना हेतु प्रार्थना स्थल, प्रतीक्षालय, पेयजल, स्वच्छ शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग तथा अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई गई हैं।शवदाह गृह के संचालन एवं अनुरक्षण की जिम्मेदारी अनुभवी संस्था ईशा आउटरीच को सौंपी गई है, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप सेवाओं का संचालन सुनिश्चित करेगी।नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अंत्येष्टि सेवा के लिए बुकिंग की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है।

परिजन आवश्यकतानुसार निर्धारित मोबाइल नंबर पर संपर्क कर अथवा ई-मेल के माध्यम से भी बुकिंग एवं अन्य आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त परिसर में उपलब्ध सहायता केंद्र पर भी नागरिकों को मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जाएगा, जिससे कठिन समय में उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उल्लेखनीय है कि बांस घाट स्थित यह अत्याधुनिक शवदाह गृह कल से आमजन के लिए पूर्ण रूप से संचालित होगा और नागरिकों को एक ही परिसर में आधुनिक, पारंपरिक एवं पर्यावरण-अनुकूल अंत्येष्टि सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

गयाजी के सौंदर्यीकरण एवं हरित विकास को लेकर समीक्षा बैठक, गुणवत्तापूर्ण कार्य पर दिया गया जोर

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।अध्यक्ष बिहार विधानसभा डॉ. प्रेम कुमार ने बुधवार को गयाजी जिला अतिथि गृह सभागार में नगर निगम के अधिकारियों के साथ शहर के सौंदर्यीकरण, हरित विकास एवं आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं सांस्कृतिक पहचान के अनुरूप विकसित करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई है।

इस बैठक के दौरान डॉ. प्रेम कुमार ने एपीआर मोड़, मिर्जा गालिब मोड़, आशा सिंह मोड़ तथा समाहरणालय के सामने निमार्णाधीन गोलंबरों के सौंदर्यीकरण कार्य की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ किए जाएं तथा उनमें गयाजी की पौराणिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत की झलक भी दिखाई देनी चाहिए।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि सीताकुंड क्षेत्र में लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक वेंडिंग जोन के निर्माण के लिए राज्य सरकार से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है तथा प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। इसके अतिरिक्त केदारनाथ मार्केट, सिकड़िया मोड़ एवं कठोकर तालाब के निकट वेंडिंग जोन के लिए अतिरिक्त सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का विकास किया जा रहा है।

इस बैठक में बताया गया कि शहर के सौंदर्यीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गया टाउन क्षेत्र के जिलाधिकारी आवास, जज कंपाउंड, जेपी थाना, गांधी मैदान, एपीआर० के सामने वाली दीवाल, दिग्गी तालाब के पास, सिविल लाइन थाना, जुडियो के सामने, रामशिला एंट्री पॉइंट, विसार तालाब, सीता कुंड रबर डैम के पास, रामसागर तालाब के दीवार के पास, ब्रह्मसत्य तालाब, रुकमणी तालाब, बाईपास, नारायणी पुल, सिकरिया मोड़ बस स्टैंड, गेवल बीघा, खलीज पार्क, सिक्स लेन ब्रिज के एंट्री के पास, चांदचौरा विष्णुपद रोड, रेलवे स्टेशन, निगम स्टेशन, मगध मेडिकल कंपाउंड, डॉक्टर अंबेडकर छात्रावास, जोड़ा मस्जिद गोलंबर के पास, सूर्य पोखर ऐसे 25 स्थानों को वर्टिकल प्लांटेशन के लिए चिन्हित किया गया है। कई स्थानों पर कार्य प्रारंभ हो चुका है तथा शेष स्थलों पर भी शीघ्र कार्य शुरू किया जाएगा।

डॉ प्रेम कुमार ने एटी गेट एवं जिला अतिथि गृह के सामने सौंदर्यीकरण कार्य की सराहना की साथ ही उन्हें धन्यवाद व्यक्त किया है।

डॉ. प्रेम कुमार ने निर्देश दिया कि शहर में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्गों पर आकर्षक प्रवेश द्वारों का निर्माण किया जाए तथा व्यापक स्तर पर हरित आवरण बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने पथ निर्माण विभाग की भूमि के अतिरिक्त उपलब्ध खाली स्थलों पर सड़क किनारे लोहे के गेबियन लगाकर वृक्षारोपण करने एवं हरियाली विकसित करने का निर्देश दिया गया है।

उन्होंने गया कॉलेज से रामपुर तक, डीएम आवास के आसपास तथा अन्य उपयुक्त स्थलों पर वर्टिकल गार्डन विकसित करने की योजना तैयार करने को कहा। साथ ही शहर की दीवारों पर ऐसी आकर्षक पेंटिंग कराने का निर्देश दिया, जिनमें स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा गयाजी के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व को प्रदर्शित किया जा सके।

इस बैठक में गयाजी नगर क्षेत्र के सभी घाटों, तालाबों, पार्कों एवं गोलंबरों के समग्र सौंदर्यीकरण एवं हरियाली विकास पर विशेष जोर दिया गया है। डॉ. प्रेम कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन सभी स्थलों के विकास का विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुतीकरण (पीपीटी) के माध्यम से अविलंब उपलब्ध कराया जाए, ताकि योजनाओं को शीघ्र क्रियान्वित किया जा सके।उन्होंने कहा कि गयाजी विश्व स्तर पर एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पर्यटन नगरी है। इसके अनुरूप शहर को स्वच्छ, सुंदर, हरित एवं आधुनिक स्वरूप प्रदान करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

वहीं इस मौके पर राजनंदन गांधी,,धीरेंद्र धीरू,राकेश आईटी,रॉकी चंद्रवंशी,विवेक कुमार,सचिन ठाकुर सहित अन्य मौजूद रहे।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496